THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 8 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.7 2083 गुरुवार, 9 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारतीय युद्धपोत 'त्रिकंड' केन्या पहुंचा

100 राइफल व 50 हजार गोलियां सौंपी, एमआरआई मशीन देने का भी समझौता

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना को फ्रंटलाइन गाइडेड प्रक्षेपास्त्र युद्धपोत 'त्रिकंद' मोम्बासा बंदरगाह पर पहुंचा है। यहां भारत ने 100 राइफल और करीब 50 हजार गोलियां केन्या को दी हैं। भारत केन्याई रक्षा बलों को एमआरआई मशीन भी मुहैया कराएगा।

इसका उद्देश्य केन्या के बीच समुद्री सहयोग को सुदृढ़ करना व दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती देना है। नौसेना ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि युद्धपोत 'त्रिकंद' दक्षिण-पश्चिम हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी ऑपरेशनल तैनाती के तहत यहां आया है। >14

सीजफायर के बाद रिफाइनरी पर हमला

> ईरान का कुवैत में अटैक > ट्रम्प ने आज 2 हफ्ते जंग रोकने का ऐलान किया था

तेल अवीव/तेहरान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में सीजफायर के ऐलान के कुछ घंटों बाद हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आज ईरान के लवन आइलैंड की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। लोकल समय के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे हमले के बाद रिफाइनरी में आग लग गई।

इस बीच कुवैत ने भी दावा किया कि सीजफायर के बावजूद ईरान की ओर से ड्रोन हमला किया गया। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी के मुताबिक, सुबह से अब तक 28 ईरानी ड्रोन इंटरसेप्ट (मार गिराए) गए हैं। अल-ओतैबी के अनुसार, कुछ ड्रोन देश के दक्षिणी हिस्से तक पहुंचे और अहम ठिकानों को निशाना बनाया। इन ठिकानों में तेल के बड़े प्लांट, बिजली घर और पानी के डीसैलिनेशन प्लांट शामिल हैं, जिनसे जुड़ी सुविधाओं को नुकसान हुआ है। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच आज करीब 40 दिन बाद 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि यह फैसला पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया।

ईरान-यूएस के बीच युद्धविराम

तेल अवीव/तेहरान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बन गई। यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को तबाह करने की धमकी देते रहे। ट्रंप ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए तीन दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगर तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला और अमेरिका के साथ किसी डील पर नहीं पहुंचा तो इसका अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 7 अप्रैल के रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार 8 अप्रैल सुबह 5.30 बजे) तक युद्ध शुरू हो सकता है और अमेरिका संघर्ष में ईरान के ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट्स) और पुलों को निशाना बनाएगा।

'हिजबुल्ला के खिलाफ हमले करते रहेंगे'

ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते के बावजूद इस्राइल ने साफ कर दिया है कि लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ उसकी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। इस्राइली सेना ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि वह जमीनी और हवाई अभियानों के साथ लड़ाई जारी रखे हुए है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान की मध्यस्थता से अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच दो सप्ताह के सीजफायर पर सहमति बनी है। हालांकि इस्राइल ने स्पष्ट किया कि यह समझौता केवल ईरान तक सीमित है और इसमें लेबनान या हिजबुल्ला शामिल नहीं हैं। >14

'जल्द से जल्द ईरान छोड़ें भारतीय'

भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक नई एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा गया है। बेहतर कॉर्डिनेशन और आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। अमेरिका-ईरान के बीच 2 हफ्तों के युद्धविराम के ऐलान के बाद भारत की तरफ से अपने नागरिकों के लिए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

दूतावास द्वारा जारी की गई दूसरी एडवाइजरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी करने की धमकी दी थी। एडवाइजरी में कहा गया, 07 अप्रैल 2026 की एडवाइजरी और हालिया घटनाक्रम को देखते हुए ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सख्ती से सलाह दी जाती है कि वे दूतावास के साथ समन्वय करते हुए और दूतावास द्वारा सुझाए गए तय रास्तों का इस्तेमाल करते हुए जल्द से जल्द ईरान से बाहर निकलें।

'संघर्ष विराम का स्वागत'

ईरान-अमेरिका सीजफायर पर भारत सरकार का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम पर भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने इस फैसले का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम उस संघर्ष-विराम का स्वागत करते हैं, जिस पर सहमति बनी है। आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। हमें उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आवागमन की निर्बाध स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार का प्रवाह बना रहेगा। 40 दिन से जारी मिडिल ईस्ट संकट के बीच जिस तरह से युद्धविराम का फैसला लिया गया उस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अहम टिप्पणी की है।

एमईए ने कहा, 'उम्मीद है इस फैसले से पश्चिम एशिया में शांति स्थापित होगी। जैसा कि हमने पहले भी लगातार जोर दिया है कि लगातार जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना जरूरी है। इसके लिए बातचीत और कूटनीति अत्यंत आवश्यक हैं। एमईए ने आगे कहा कि इस संघर्ष के कारण लोगों को पहले ही भारी कष्ट उठाना पड़ा है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क भी बाधित हुए हैं। ईरान अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम से हमें उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नौवहन की अबाधित स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का प्रवाह जारी रहेगा। विदेश मंत्रालय की ये प्रतिक्रिया अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी संघर्ष के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति को लेकर आई है। इस युद्धविराम का ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर किया।

गगनयान मिशन : अंतरिक्ष में पहले तीन बार खाली जहाज भेजेगा इसरो

चेयरमैन नारायणन ने बताया भारत का मेगा प्लान

बैंगलूरू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी नारायणन ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने से पहले इसरो पूरी सावधानी बरत रहा है। उन्होंने बताया कि वास्तविक मिशन से पहले तीन 'अनक्रूड' यानी बिना चालक दल वाले मिशनों को अंजाम दिया जाएगा। बगलूरू में 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस' के उद्घाटन के दौरान इसरो चीफ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए निर्देशों के आधार पर हम गगनयान कार्यक्रम पर तेजी से काम कर रहे हैं। इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने से पहले हमारा लक्ष्य तीन मानवरहित मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करना है। उन्होंने बताया कि फिलहाल पहले बिना चालक दल वाले मिशन पर काम चल रहा है। अब तक की सभी गतिविधियां योजना के मुताबिक सही दिशा में जा रही हैं।

'रॉकेट लॉन्चिंग खत्म होने के बाद शुरू होता है असली काम'

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के अंतरिक्ष मिशन लॉन्च के समय भले ही सुर्खियां बटोरते हों, लेकिन उनकी असली परीक्षा तो रॉकेट के शांत हो जाने के बाद ही शुरू होती है। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि मिशन ऑपरेशंस वह लंबा और अदृश्य चरण है, जो उपग्रहों को सालों तक जीवित रखता है। इससे देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के अगले चरण को परिभाषा मिलती है।

स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए नारायणन ने इस बात पर जोर दिया कि जहां लॉन्च में मुश्किल से 15 से 25 मिनट लगते हैं, वहीं स्पेसक्राफ्ट को सालों तक, कभी-कभी 15 साल तक विश्वसनीय रूप से

काम करना होता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि स्पेसक्राफ्ट ऑर्बिट में पूरी तरह से काम करता रहे, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग, सिमुलेशन और कमांड ऑपरेशंस की जरूरत होती है। यह एक बहुत ही अहम क्षेत्र है। नारायणन ने ऐसे समय में यह बात कही है, जब इसरो लॉन्च की असफलताओं और प्रोजेक्ट में देरी की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहा है और इस वजह से संस्थान की काफी आलोचना भी हुई है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम मील के पत्थर वाले मिशनों से हटकर लगातार चलने वाली अंतरिक्ष गतिविधियों की ओर बढ़ रहा है। नारायणन ने पिछली एसएमओपीएस कॉन्फ्रेंस के बाद से तीन बड़ी उपलब्धियों की ओर इशारा किया। अंतरिक्ष में सफल डॉकिंग प्रयोग, चंद्रयान-3 की चांद पर लैंडिंग, और आदित्य-L1 सोलर मिशन। उन्होंने डॉकिंग प्रयोग को खास तौर पर मुश्किल बताया, जिसमें 15,000 केएमपीएच से ज्यादा की रफ्तार से चल रहे दो सैटेलाइट्स को पूरी सटीकता के साथ एक-दूसरे के करीब लाया गया। >14

मॉरीशस और यूएई के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 9 से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को दी। मॉरीशस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके साथ ही द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा के लिए मॉरीशस के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वे नौवें हिंद महासागर सम्मेलन में मुख्य भाषण भी देंगे।

इसके अलावा, विदेश मंत्री अन्य प्रतिभागी देशों के समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे। यह दौरा भारत की पड़ोसी पहले नीति, विजन महासंघ और वैश्विक दक्षिण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यात्रा के दूसरे चरण में, विदेश मंत्री जयशंकर 11 अप्रैल से संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। दो दिवसीय यात्रा के दौरान, वे संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की समीक्षा करेंगे और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे।

जयपुर मेट्रो फेज-2 से लेकर खाद सब्सिडी तक कैबिनेट ने पांच बड़े फैसलों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज-2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा।

वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं।

जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना

जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज-2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। >14

गोवा में जुटेंगे कई राज्यों के विधानसभा अधिकारी

लोकसभा स्पीकर करेंगे कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

पणजी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला गुरुवार को पणजी में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया रीजन के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीपीए के जोन-7 के सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय सहयोग को मजबूत करना, सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

वहीं, क्षेत्र की प्रमुख विकास प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करना है। इस बैठक में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा विधायकों की भूमिका और व्यापार, पर्यटन, शहरीकरण, पर्यावरण और तटीय संपर्क में जोन-7 की प्राथमिकताएं जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। सीपीए इंडिया रीजन जोन-7 में गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाएं शामिल हैं। सीपीए इंडिया रीजन को 2024 में नौ जोन में पुनर्गठित किए जाने के बाद जोन-7 का यह पहला सम्मेलन होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार

सरकार का विरोध

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है।

बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है। यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क

दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा।

न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है।

बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई-सात ठिकानों पर एक साथ मारा छापा

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने रियल एस्टेट कंपनी मर्लिन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की टीम एक साथ सात ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस कार्रवाई से रियल एस्टेट सेक्टर में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी को शक है कि जमीन हड़पने और निवेशकों से धोखाधड़ी का बड़ा खेल सामने आ सकता है।

ईडी के मुताबिक कंपनी के प्रमोटर सुशील मोहता और साकेत मोहता समेत अन्य लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीनों पर कब्जा किया। आरोप है कि इन लोगों ने नकली कागज बनाकर जमीन की मालिकाना हक की झूठी कहानी तैयार की। इसके बाद इन जमीनों पर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए और खुद को असली मालिक बताकर लोगों से भारी निवेश कराया।

नामांकन के बाद सीएम ममता बनर्जी की हुंकार

एसआईआर पर कानूनी लड़ाई जारी रहेगी, 91 लाख मतदाता का नाम कटना चिंताजनक

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद राज्य की मतदाता सूची से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार ममता बनर्जी ने मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नामों को हटाए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है और अगर जरूरी हुआ तो वे फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी।

ममता बनर्जी ने कहा, मुझे बेहद दुख है कि एसआईआर में कई नाम हटा दिए गए हैं। अदालत में याचिका दायर करने के बाद कुछ नाम बहाल किए गए। आदेश के अनुसार, जिन मामलों पर सुनवाई चल रही थी, उन्हें शामिल किया जाना था। लगभग 32 लाख नाम बहाल किए जा चुके हैं, लेकिन शेष 58 लाख मामलों की सुनवाई अभी तक शुरू भी नहीं हुई है।टीएमसी प्रमुख ने कहा, 'कुछ नाम वैध रूप से हटाए गए हो सकते हैं, जैसे मृत मतदाता, लेकिन लगभग 27.6 लाख मामले अभी भी विचाराधीन हैं। मेरा मानना है कि हर किसी को वोट देने का अधिकार होना चाहिए। अगर उनके नाम बहाल नहीं किए गए, तो कई लोग वोट नहीं दे पाएंगे। जरूरत पड़ने पर हम फिर से अदालत जाएंगे।'

भवानीपुर से दाखिल किया नामांकन

ममता बनर्जी ने ये बयान भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करने के बाद दिया। उन्होंने कहा, मैं यहां बचपन से रह रही हूं, मेरा सब कुछ यहीं है। मैं भवानीपुर के लोगों को धन्यवाद और सलाम करती हूं। मैंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, और मैं सभी तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत की कामना करती हूं। हम सरकार बनाएंगे।

एसआईआर के बाद कटे लाखों नाम

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस व्यापक पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से लगभग 91 लाख नामों को हटाया गया है। इस प्रक्रिया में पहले से हटाए गए लगभग 63 लाख नामों को भी शामिल किया गया है। साथ ही न्यायिक निर्णय के बाद अयोग्य घोषित किए गए अतिरिक्त 27 लाख मतदाताओं के नाम भी काटे गए हैं।

खड़गे ने गुजरातियों पर दिए बयान पर खेद जताया

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मेरे बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया।

मैं शब्दों पर खेद व्यक्त करता हूं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, खड़गे ने रविवार को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग 'अनपढ़' हैं। उधर, गुजराती समुदाय के लोगों ने खड़गे के बयान को लेकर आज दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

खड़गे के खिलाफ नारेबाजी की और मांफी मांगने की अपील की। बीजेपी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व से इस पर जवाब मांगा।

टीएमसी का आरोप-चुनाव आयोग ने 5 मिनट में भगाया

एसआईआर पर आपत्ति जताने गए थे; ईसी ने कहा-इस बार चुनाव भय मुक्त होंगे

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि हमने एसआईआर के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई और 10:07 बजे खत्म हो गई।

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने सीईसी को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। उधर, विपक्षी दलों ने शाम 4.45 बजे इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। इसमें कांग्रेस, टीएमसी, सपा, डीएमके, आप, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), सीपीआई(एम) और सीपीआई के नेता शामिल होंगे।

टीएमसी के साथ बैठक खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने सुबह 10:20 बजे सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया-चुनाव आयोग की टीएमसी को दो टूक। बंगाल में इस बार चुनाव भय रहित और हिंसा रहित होंगे। मैं 22 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस में हूं, 16 वर्षों से संसद में हूं, और हमने कई संवैधानिक पदाधिकारियों से मुलाकात की है। आज जो देखा, वह शर्मनाक है। मैं चुनाव आयुक्त को चुनौती देता हूं। अगर उनके पास वीडियो है तो जारी करें। अगर वीडियो नहीं है, तो ऑडियो जारी करें। >14

बैंकॉक से 'मिठाई' के डिब्बों में आया 96 लाख का गांजा; यात्री गिरफ्तार

अमृतसर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कस्टम विभाग ने एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए बैंकाक से आए यात्री के बैग से मिठाई के डिब्बों में छिपा 964 ग्राम गांजा बरामद किया। अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने यह बरामदगी की है। एपीआईएस (एडवांस्ड पैसेंजर इनफॉरमेशन सिस्टम) और बैगेज की जांच के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार संबंधित यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसएल-214 के जरिए अमृतसर पहुंचा था। जांच के दौरान उसके सामान में रखे चार मिठाई के डिब्बों में गांजा छिपाकर लाया जा रहा था।

बरामद किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 96 लाख रुपये बताई जा रही है। कस्टम विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यात्री को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है।

प्रियंका गांधी ने सीएम हिमंत के बयान पर पीएम मोदी को घेरा

क्या आप टिप्पणी का समर्थन करते हैं?

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ की गई अपमानजनक भाषा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अत्यंत शर्मनाक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा है कि क्या वह इस अपमान का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब हिमंत बिस्वा सरमा ने मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बुढ़ापे के कारण पागल आदमी की तरह बोल रहे हैं। यह टिप्पणी तब आई जब खरगे ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ लगे आरोपों की जांच केंद्रीय एजेंसियों से कराने की बात कही थी।

प्रियंका गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा 'असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ जिस तरह की अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग

नेता प्रियंका गांधी | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

किया गया है, वह अत्यंत शर्मनाक और अस्वीकार्य है।' उन्होंने आगे कहा कि खरगे देश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और वे न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि दलितों और राष्ट्र के वंचित वर्गों के एक प्रबुद्ध प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा उनका अपमान करके, भाजपा के मुख्यमंत्री ने देश भर के करोड़ों लोगों का अपमान किया है।

प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग

प्रियंका गांधी ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र को स्पष्ट करना चाहिए: क्या वह करोड़ों भारतीयों को निर्देशित इस अपमान का समर्थन करते हैं? कांग्रेस ने मंगलवार को सरमा पर पार्टी प्रमुख खरगे का अपमान करने का आरोप लगाया था और उनके निंदनीय आचरण के लिए बिना शर्त माफी की मांग की थी। पार्टी का कहना है कि यह आचरण भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

राहुल गांधी ने भी साधा निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी कहा था कि सरमा द्वारा पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग पूरे एससी/एसटी समुदाय का अपमान है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की इस मामले पर चुप्पी को उनकी मजबूरी नहीं, बल्कि उनकी सहमति बताया।

राहुल गांधी ने कहा अगर प्रधानमंत्री देश में करोड़ों दलितों की गरिमा पर हमला देखते हैं और चुप रहते हैं - तो वह न केवल अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं, बल्कि उस अपमान में भागीदार भी हैं। उन्होंने सरमा द्वारा खरगे के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक भाषा के प्रयोग को पूरी तरह से निंदनीय, शर्मनाक और अस्वीकार्य बताया।

अवैध हथियार तस्करी गिरोह के चार शातिर गिरफ्तार

अमृतसर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से सात अत्याधुनिक पिस्तौल, 12 जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान में बैठे तस्करों के संपर्क में थे,

और अटारी सेक्टर के सीमावर्ती इलाकों में भारत में अवैध हथियारों की तस्करी में मदद कर रहे थे। हथियारों की खेप पहले से तय जगहों से उठाई जाती थी और फिर पंजाब भर में फैले स्थानीय आपराधिक गिरोहों तक पहुंचाई जाती थी। थाना छेहरटा में आर्म्स एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला

क्रिश्चियन मिशेल की याचिका खारिज

दिल्ली एचसी ने कहा- अब रिहाई पर नहीं होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 1999 में हुए भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि के अनुच्छेद 17 को चुनौती देने वाली अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी चॉपर घोटाले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल की याचिका बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नवीण चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने कहा कि मिशेल कि रिहाई कि अर्जी को खारिज करने के ट्रायल कोर्ट में आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्होंने अधिकतम सात साल की सजा काट ली है।

कोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई मेरिट नहीं है और इसे खारिज किया जाता है। मिशेल ने तर्क दिया था कि उन्हें केवल आइपीसी की धारा 120बी, 415 और 420 के तहत अपराधों के लिए प्रत्यर्पित किया गया था, जिनमें अधिकतम 7 साल की सजा है, लेकिन उन्हें मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत भी आरोपित किया जा रहा है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि प्रत्यर्पण संधि के अनुच्छेद 17 के तहत भारत सरकार उन अपराधों के लिए भी मुकदमा चला सकता है जिनके लिए प्रत्यर्पण नहीं किया गया है, लेकिन जो संबंधित हैं।

11 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने वाला सब्जी विक्रेता गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में एक 11 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना को सुलझाते हुए दिल्ली पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित की पहचान 25 वर्षीय धर्मेंद्र के रूप में की है, जो मूलतः बिहार के मधुबनी का रहने वाला है और इलाके में सब्जी बेचने का काम करता है। उपायुक्त विक्रम सिंह के अनुसार, 4 अप्रैल को निहाल विहार थाने में एक सूचना प्राप्त हुई थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी भतीजी के साथ घर के सामने ही एक अज्ञात व्यक्ति ने छेड़छाड़ की और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत पीड़िता के माता-पिता की उपस्थिति में उसका बयान दर्ज किया। बच्ची के बयान के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले को सुलझाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया।

अक्षय तृतीया के दिन से शुरू होगी चारधाम की यात्रा

गंगोत्री, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंदू धर्म में चारधाम यात्रा का विशेष महत्व बताया गया है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु चारधाम की यात्रा पर जाते हैं। आपको बता दें कि उत्तराखंड की चार प्रसिद्ध तीर्थ स्थल को चार धाम कहते हैं। उत्तराखंड के चारधाम में गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ आते हैं। अक्षय तृतीया के पावन दिन चारधाम यात्रा शुरू होती है। इस साल अक्षय तृतीया 19 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा। इसी दिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खोले जाएंगे।

फिर इसके कुछ दिनों बाद केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। तो आइए जानते हैं कि चारधाम यात्रा पर जाने के लिए कैसे रजिस्ट्रेशन करना होगा। यमुनोत्री धाम के कपाट भी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन खुलेंगे। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित पवित्र यमुना नदी का उद्गम स्थलहै। गंगोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के दिन यानी 19 अप्रैल 2026 को खुलेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गंगोत्री वह स्थान है जहां से मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। केदारनाथ धाम मंदिर के कपाट 22 अप्रैल 2026 को खुलेंगे।

यहां शिवलिंग बैल की आकृति के रूप में विराजमान हैं। बता दें कि केदारनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। बद्रीनाथ धाम मंदिर के कपाट 23 अप्रैल 2026 को भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। ये भगवान विष्णु के नर-नारायण स्वरूप की तपोभूमि मानी जाती है।

रानी कमलापति स्टेशन के बाहर एक्टर से लूट

भोपाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर मंगलवार को एक्टर राहुल चेलानी के साथ मोबाइल स्नैचिंग की वारदात हुई। जानकारी के मुताबिक, राहुल मुंबई से भोपाल लौटे थे और नर्मदापुरम जाने के लिए स्टेशन के बाहर कैब बुक करने निकले थे। इसी दौरान वे फोन पर बात कर रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाश आए और उनका मोबाइल झपटकर फरार हो गए। घटना के बाद राहुल ने हबीबगंज थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है। राहुल चेलानी इससे पहले नोटबंदी के दौरान भी चर्चा में रहे थे।

होशंगाबाद में पुलिस ने उनके पास से 43 लाख 60 हजार रुपए की नई करेंसी बरामद की थी। उस समय उन्होंने दावा किया था कि यह रकम उनकी मेहनत की कमाई है, जिसके बाद मामला आयकर विभाग को सौंपा गया था। महाराष्ट्र सरकार के बड़े बजट से बन रही फिल्म में इटारसी के अभिनेता राहुल चेलानी छत्रपति शिवाजी महाराज का मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे।

'पाकिस्तान को मिला थैंक्यू नोट और भारत को उसका तेल मिल गया'

ईरान-यूएस सीजफायर पर प्रियंका चतुर्वेदी का बड़ा बयान

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी जंग में 40 दिनों बाद सीजफायर का ऐलान हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा की है। वहीं ईरान ने अमेरिका के सामने 10 शर्तें रखी हैं। जिन्हें मानने के लिए ट्रंप तैयार हो गए हैं। इस बीच उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

उन्होंने कहा है कि ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिल गया, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला, भारत को उसका तेल मिल गया, दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी वार्ता में भारत की भूमिका क्यों होनी चाहिए थी? आलोचना समझ में नहीं आती क्योंकि यह युद्ध हमारा नहीं था। उन्होंने आगे लिखा कि पाकिस्तान के लिए यह सीजफायर उस दलाल की तरह है जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का वादा करता है।

जैसा कि भारत के विदेश मंत्री ने सर्वदलीय बैठक में कहा था। अमेरिका के साथ युद्धविराम को लेकर ईरान की तरफ से 10 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया गया है। इसमें ईरान ने अमेरिका के सामने शर्तें रखी हैं। जिसमें आगे ईरान पर हमला न करना, लेबनान पर हमला न करना साथ ही ईरान को अब तक हुए नुकसान की भरपाई की शर्त शामिल है।इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए वाशिंगटन और तेहरान के बीच 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में मीटिंग होने की बात भी सामने आई है।

रेत माफियाओं की गुंडई वन आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचला, मौके पर मौत

मुरैना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में रेत माफियाओं की गुंडई एक बार फिर सामने आई है। अवैध रेत परिवहन रोकने की कोशिश कर रहे एक वन आरक्षक को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना दिमनी थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे 552 पर रथोल का पुरा और रानपुर के बीच की हुई है। जानकारी के अनुसार, अंबाह रेंज का वन विभाग का गश्ती दल रविवार सुबह अवैध रेत परिवहन को रोकने के लिए क्षेत्र में निकला था। इसी दौरान चंबल नदी के ऐसाह घाट से रेत भरकर आ रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश वन आरक्षक हरिकेश गुर्जर ने की। आरोप है कि चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाते हुए हरिकेश गुर्जर को बेरहमी से कुचल दिया और वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

मृतक वन आरक्षक हरिकेश गुर्जर जनकपुर का रहने वाला था। कुछ समय पहले ही उनका तबादला दूसरे जिले से अंबाह रेंज में हुआ था। घटना के बाद वन विभाग का दल शव को जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचा, जहां परिजनों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही दिमनी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

टीएमसी के लिए चुनाव आयोग के एक्स पोस्ट पर बवाल

अब अरविंद केजरीवाल बोले- इज्जत तो सरेआम मत उछालिये

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारत निर्वाचन आयोग के उस एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस को 'दो टूक' जवाब दिया है। बता दें पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार काफी गहमागहमी मची हुई है। एक तरफ टीएमसी, बीजेपी और चुनाव आयोग पर लगातार गंभीर आरोप लगा रही है।

वहीं, बीजेपी भी टीएमसी की शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग कर रहा है। आयोग की एक्स पोस्ट को रिपोर्ट करते हुए अरविंद ने लिखा कि अब ये कहने की भी ज़रूरत नहीं कि चुनाव आयोग सीधे बीजेपी से निर्देश लेकर और बीजेपी के अंडर में काम कर रहा है। ये अब जग ज़ाहिर है और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कम से कम ऐसी भाषा के ट्वीट करके इतने अहम संस्थान की इज़्ज़त तो सरेआम मत उछालिये। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे।

बयान में आगे कहा गया कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन एजेंटों की बैठने की व्यवस्था के संबंध में इस प्रकार का कोई नया दिशानिर्देश जारी नहीं किया है, इसलिए मतदान के दिन मतदान एजेंटों के संबंध में पूर्व दिशानिर्देश अपरिवर्तित रहेगा।गौरतलब है, पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं।

राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है।

तेजस्वी यादव ने बिहार को बताया 'अमंगल दोष' से ग्रसित, स्कूटी पर मरीज देख एनडीए सरकार को घेरा

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गयाजी के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से कुछ दिनों पहले एक वीडियो सामने आया था, जिसमें एक बुजुर्ग महिला को परिजन स्कूटी से लेकर किसी और हॉस्पिटल जा रहे थे। अस्पताल से स्ट्रेचर नहीं मिला था। इस वीडियो के सामने आने के बाद आज (बुधवार) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की स्वास्थ्य-व्यवस्था पर हमला किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से इस वीडियो को शेयर करते हुए कहा, अमंगल दोष से ग्रसित बिहार का स्वास्थ्य विभाग बना नरक!

बिहार के अस्पतालों में कहीं डॉक्टर नहीं, कहीं रूई नहीं-रूई है तो सुई नहीं, कहीं दवा नहीं, कहीं बेड नहीं... और अब हालत यह है कि अस्पताल में मरीज के लिए व्हील चेयर तक उपलब्ध नहीं है। मजबूरी में मरीज को कभी साइकिल, कभी चारपाई, कभी स्कूटर पर बैठाकर ले जाना पड़ रहा है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि अमंगल सरकार में समूचे बिहार की स्वास्थ्य-व्यवस्था चौपट हो चुकी है। बीजेपी-जेडीयू की सरकार बताए, जब अस्पताल में डॉक्टर नहीं, व्हील चेयर नहीं, दवा नहीं, इलाज की व्यवस्था नहीं, स्वास्थ्य कर्मी नहीं तो इसे अस्पताल कहा ही क्यों जाए?

पंजाब के मोहल्ला पंडोरी में नशे का कहर, गांव में 20 युवाओं की मौत, चार सगे भाइयों ने भी तोड़ा दम

कपूरथला, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सुल्तानपुर लोधी के मोहल्ला पंडोरी की एक मां के चार बेटों को नशे ने लील लिया और पांचवां भी जिंदगी और-मौत के बीच झूल रहा है। एक-एक करके मां-बाप की आंखों के सामने बेटे काल के गाल में समाते गए, लेकिन इस मां की चीखे अंत तक झकझोर रही हैं। केवल यही नहीं, मोहल्ले में नशे ने और भी युवाओं को मौत की नींद सुलाया है। अब तो मोहल्ले के लोग इतने दुखी हैं कि इस नशे के कोहड़ से बचाने कोई तो मदद को आगे आए। रविवार को मोहल्ले की महिलाओं के पिट स्यापे और रो-रोकर सुनाई आपबीती की गूंज सीएम दरबार तक पहुंची गई है।

मीडिया के जरिये मामला तूल पकड़ने के बाद अब जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। मोहल्ले में सुबह से सर्च आपरेशन चल रहा है। बाबा नानक की नगरी में थाने की दीवार से सटे मोहल्ला पंडोरी की दर्दनाक तस्वीरे नशे के नाश के दावों पर जहां गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं माताओं की चीखें और उजड़े परिवारों की कहानियां इस बात की गवाही दे रही हैं कि नशे की जड़े बेहद गहरी हैं। अब लोगों का गुस्सा ऐसा फूटा कि उनको दर्द बयां करने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

लूथरा बंधुओं को मिली राहत

जाली दस्तावेज मामलें में कोर्ट ने दी जमानत

पणजी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गोवा की एक स्थानीय अदालत ने आग से तबाह हुए लोकप्रिय नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' के मालिक सौरभ और गौरव लुथरा को जाली दस्तावेज मामले में जमानत दे दी है। अदालत ने दोनों मालिकों को जमानत मिलने के बाद कहा कि उन्हें जांच में सहयोग करना होगा और किसी भी तरह की बाधा नहीं डालनी चाहिए। कोर्ट ने यह निर्णय उनकी पेशी और मामले की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए सुनाया। सौरभ और गौरव लुथरा के नाइटक्लब में हाल ही में लगी आग ने शहर में हड़कंप मचा दिया था। आग में कई संपत्तियों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की क्षति हुई थी।

इस मामले में पुलिस ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में दोनों मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अदालत के इस फैसले के बाद नाइटक्लब मालिकों और उनके वकीलों ने राहत की सांस ली है। हालांकि, जांच अभी जारी है और भविष्य में अदालत की ओर से आगे की सुनवाई हो सकती है। गोवा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जमानत मिलने के बावजूद जांच पूरी गंभीरता से जारी रहेगी और किसी भी कानूनी प्रक्रिया को टाला नहीं जाएगा। बीते छह दिसंबर की रात, अरपोरा स्थित बिर्च बाय रोमियो नाइटक्लब में अचानक आग लग गई थी।

इस दर्दनाक हादसे में 25 पर्यटक और कर्मचारियों की मौत हुई। इस वारदात के बाद क्लब के मालिक गौरव और सौरभ लूथरा हैं। घटना के बाद राज्य सरकार और प्रशासन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आग कैसे लगी और क्या सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया था। इस दर्दनाक हादसे ने न केवल गोवा बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।

बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में लगी आग के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इसमें नाइटक्लब के संचालक गौरव और सौरभ लूथरा भी शामिल हैं, जो थाईलैंड भाग जाने के बाद 17 दिसंबर को वापस लाए गए थे।

प्राइवेट पार्ट्स में छिपाया 5 करोड़ का सोना, बेंगलुरु एयरपोर्ट पर गोल्ड तस्करी का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

बेंगलुरु, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किए हैं। इनके पास से करीब 5 करोड़ की कीमत के सोने के कैप्सूल और बिस्किट जब्त किए गए, जो कि प्राइवेट पार्ट्स में छिपाए गए थे। पकड़े गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने बांग्लादेश के रास्ते शहर में यह खेप तस्करी करके लाई थी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने सोने को कैप्सूल और पेस्ट के रूप में छिपा रखा था।

पकड़े जाने से बचने के लिए इसे अपने शरीर के प्राइवेट पार्ट्स में छिपाया हुआ था एयरपोर्ट से सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस तस्करी के पीछे के बड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। एयरपोर्ट में पहले भी कई बार सोना तस्करी में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। डीआरआई और पुलिस की टीम इन सभी मामलों की जांच कर रही है।

राणा अय्यूब के ट्वीट अपमानजनक और सांप्रदायिक

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- पुलिस करे कार्रवाई

पत्रकार राणा अय्यूब

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार (8 अप्रैल) को पत्रकार राणा अय्यूब के 2013 और 2017 के बीच हिंदू देवी-देवताओं और राइट विंग विचारक विनायक सावरकर पर किए गए ट्वीट्स पर कड़ी आपत्ति जताई। सुनवाई के दौरान जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि एक्स (पहले ट्विटर) पर किए गए पोस्ट बेहद अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक हैं। हाई कोर्ट ने एक्स, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को इन पोस्ट्स के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अत्यंत अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक एक्स पोस्ट को देखते हुए कार्रवाई जरूरी है। कोर्ट ने आगे कहा कि इस मामले पर तुरंत विचार करने की जरूरत है और एक्स, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार को मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने राणा अय्यूब, एक्स, केंद्र सरकार एवं दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और ट्वीट्स को फ़्लैग करने वाली याचिका पर उनसे जवाब मांगा।

उन्होंने अपना जवाब गुरुवार को अदालत में देना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार को (10 अप्रैल) को करेगा। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा 'रेस्पोंडेंट्स को निर्देश लेने दें और ज़रूरी काम करने दें। उन्हें कल तक जवाब फाइल करने दें। मामले की सुनवाई परसों हो। रेस्पोंडेंट नंबर 4 (राणा अय्यूब) के बहुत ज्यादा अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक ट्वीट्स को देखते हुए यह कार्रवाई ज़रूरी है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026

युविचार

गलत तरीके अपनाकर सफल होने से यही बेहतर है, सही तरीके के साथ काम करके असफल होना!

दो दिनों में 2,322 अतिरिक्त नर्सिंग नियुक्तियाँ पूरी होंगी: राजा नरसिम्हा

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने घोषणा की है कि राज्य में 2,322 अतिरिक्त नर्सिंग पदों को भरने की प्रक्रिया अगले दो दिनों में पूरी कर ली जाएगी।मंत्री ने बोयागुड़ा स्थित मिडवाइफरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित सेफ मदरहुड डे कार्यक्रम में भाग लिया।

यह कार्यक्रम प्रजा पालना प्रगति प्रणाली पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की भर्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

पिछले दो वर्षों में सरकार ने 10,000 से अधिक रिक्त पदों को भरकर स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत किया है, जिनमें अधिकांश पद नर्सिंग से संबंधित हैं। उन्होंने बताया, छात्रों के लिए अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से नए नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए नर्सिंग छात्रों को अंग्रेजी, जर्मन और जापानी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में प्राकृतिक प्रसव को बढ़ावा देने के लिए मिडवाइफरी सेवाओं को सशक्त किया जा रहा है। इस दिशा में अब तक 370 नर्सों को मिडवाइफरी प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा, सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में मिडवाइफरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित किए जाएंगे और सीजेरियन प्रसव की संख्या कम करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

शादी से पहले युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गचीबावली स्थित अपने घर में शादी की तैयारियों से जुड़े आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव के चलते 30 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान एम वेंकट कृष्ण श्रीसाई के रूप में हुई है, जो कोंडापुर के माई होम मंगला अपार्टमेंट्स में रहते थे और एक एनिमेशन कंपनी चलाते थे। उनकी सगाई 22 फरवरी को विशाखापत्तनम की एक युवती से हुई थी और शादी 12 अप्रैल को निर्धारित थी। परिवार द्वारा डेस्टिनेशन वेडिंग की योजना बनाई गई थी, जिसके लिए 17 लाख रुपये तय किए गए थे, जिसमें से 10 लाख रुपये पहले ही दिए जा चुके थे। मंगलवार शाम श्रीसाई ने अपने भाई को संदेश भेजकर मानसिक तनाव की जानकारी दी। भाई के मौके पर पहुंचने पर दरवाजा तोड़कर उन्हें गंभीर हालत में पाया गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को आशंका है कि युवक ने पहले दवाइयों का सेवन किया और बाद में चाकू से अपना गला काट लिया।

किसी भी क्षेत्र में सीएसआर फंड निवेश करने की स्वतंत्रता दी गई : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि समाज के विकास पर होने वाले खर्च को बोझ नहीं बल्कि भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। बुधवार को उन्होंने विभिन्न कॉरपोरेट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) फंड्स को लेकर बैठक की।मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनियों द्वारा किए जाने वाले सीएसआर खर्च का 100 प्रतिशत प्रभावी परिणाम मिलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। साथ ही कंपनियों को अपनी पसंद के किसी भी क्षेत्र में सीएसआर फंड निवेश करने की स्वतंत्रता दी गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार और कंपनियों के संयुक्त प्रयासों से तेलंगाना के छात्रों को वैश्विक स्तर की कौशल क्षमता से लैस किया जा सकता है, जिससे वे भविष्य के अवसरों का लाभ उठा सकें। शिक्षा पर खर्च को भविष्य की पीढ़ियों में निवेश बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के 44 प्रतिशत छात्र केवल हैदराबाद में हैं, इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सबकी जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री ने कंपनियों से अपील की कि वे जिन क्षेत्रों में काम कर रही हैं, वहीं के विकास के लिए अपने सीएसआर फंड का बड़ा हिस्सा खर्च करें। उन्होंने बताया कि सीएसआर फंड के बेहतर उपयोग के लिए एक विशेष प्रधान सचिव की नियुक्ति की गई है, जिससे कंपनियां समन्वय कर सकें।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, कौशल विकास, विरासत भवनों की सुरक्षा और वन संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सीएसआर फंड उपयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान कुछ कंपनियों ने शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी घोषणाएं भी कीं–रहेजा ग्रुप और रांकी ग्रुप ने 50-50 करोड़ रुपये, जबकि यशोदा फाउंडेशन ने 10 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। कंपनी प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पहले इस तरह का समन्वय नहीं किया गया था और उन्होंने मुख्यमंत्री को इसके लिए धन्यवाद दिया।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने किया श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर का दर्शन

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले स्थित श्रीशैलम में तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने प्रसिद्ध श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर का दर्शन किया। मंत्री के मंदिर आगमन पर पुजारियों एवं मंदिर अधिकारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद मंत्री सुरेखा ने भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी का अभिषेक तथा देवी भ्रामराम्बा की कुमकुमार्चन पूजा में भाग लिया।पूजा के उपरांत वेद् पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मंत्री और उनके परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एम. श्रीनिवास राव ने मंत्री को श्री भ्रामराम्बा समेता मल्लिकार्जुन स्वामी की तस्वीर भेंट की।

रिश्वत लेते हेडमास्टर और क्लर्क एसीबी के जाल में फंसे

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को महबूबाबाद जिले में 15 हजार की रिश्वत लेते हुए एक हेडमास्टर और एक स्कूल सहायक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।आरोपियों की पहचान जे. रवि कुमार (हेडमास्टर, जेडीएसएच अयोध्यापुरम और मंडल शिक्षा अधिकारी, गुदुर) और जी. चंद्र मौली (स्कूल सहायक एवं इंचार्ज क्लर्क) के रूप में हुई है। एसीबी की वारंगल यूनिट ने गुदुर स्थित स्कूल में ट्रैप बिछाकर दोनों को पकड़ा।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने एक शिकायतकर्ता से सीपीएस से संबंधित रिटायरमेंट लाभ बिलों को प्रोसेस कर अकाउंटेंट जनरल कार्यालय भेजने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने कार्रवाई करते हुए उन्हें रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। बरामद की गई रिश्वत की रकम दूसरे आरोपी के पास से मिली। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि दोनों ने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने की कोशिश की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर वारंगल में एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की आगे जांच जारी है, जबकि शिकायतकर्ता की पहचान सुरक्षा कारणों से गोपनीय रखी गई है।

तेज रफ्तार कार का कहर, दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)।शहर के वनस्थलीपुरम इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। यह हादसा हस्तिनापुरम के पास उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान के. शिवा (19) और संदीप जोएल (19) के रूप में हुई है, जो महावीर इंजीनियरिंग कॉलेज के द्वितीय वर्ष के ईसीई छात्र थे। दोनों अपनी बाइक पर जा रहे थे, तभी पीछे से आ रही होंडा सिटी कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ने एक राहगीर को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर कई बार पलटी खा गई और सड़क पर उल्टी अवस्था में जाकर रुकी। हादसे में दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल राहगीर श्रीधर (23) को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक नशे की हालत में था। यह घटना एक बार फिर से नशे में वाहन चलाने के खतरनाक परिणामों को उजागर करती है और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

हादसे में युवक की मौत

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रगति नगर के पास एक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक कोम्मू अजय सुबह अपनी मोटरसाइकिल से प्रगति नगर से बाचुपल्ली की ओर जा रहा था। बताया गया है कि पिस्ता हाउस के पास मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार के कारण उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे लगे होर्डिंग पोल से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दलित ईसाइयों को एससी दर्जा दिलाने के लिए राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चर्च नेताओं और विभिन्न ईसाई संप्रदायों के प्रतिनिधियों ने दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने के लिए राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। शहर में आयोजित एक बैठक में बैपटिस्ट, सीएसआई, मेथोडिस्ट, लूथरन, पेंटेकोस्टल और अन्य चर्च समूहों के प्रतिनिधियों ने इस मांग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। आंदोलन के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपने के साथ-साथ संसद में विधेयक लाने की मांग की जाएगी। राज्य स्तर पर तेलंगाना विधानसभा में भी प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस अभियान के तहत स्थानीय स्तर पर भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे और इस महीने के अंत तक विभिन्न अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

साइबर क्राइम पुलिस ने अपमानजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रेणु देसाई के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान गुंटूर निवासी चेन्नैया रुंजला के रूप में हुई है। उसने यूट्यूब पर एक वीडियो देखने के बाद अभिनेत्री के खिलाफ अनुचित टिप्पणी पोस्ट की थी। साइबर क्राइम पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को गुंटूर से हिरासत में लिया और बाद में उसे हैदराबाद लाया गया। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराध से जुड़ी किसी भी घटना की शिकायत 1930 हेल्पलाइन या नजदीकी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में की जाए।

जूस सेंटर में नाबालिग की हत्या

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपटनम थाना क्षेत्र के टोलीचौकी स्थित एक जूस सेंटर में सहकर्मी से विवाद के बाद 16 वर्षीय नाबालिग की कथित रूप से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान आलम के रूप में हुई है, जो नाइस जूस प्वाइंट नामक दुकान पर काम करता था। पुलिस के अनुसार, आलम और उसके एक सहकर्मी के बीच कहासुनी हो गई, जिसके दौरान आरोपी ने कलछी से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

युवक ने आत्मदाह का किया प्रयास

करीमनगर, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नवविवाहित पत्नी से अलग होने से आहत एक युवक ने करीमनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के पास आत्मदाह कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के निवासी वरुण का करीमनगर की एक युवती से प्रेम संबंध था और उसने हाल ही में उससे विवाह किया था। मंगलवार को दंपति पुलिस स्टेशन पहुंचे, लेकिन शादी का कोई प्रमाण न होने के कारण युवती के परिजन उसे अपने साथ ले गए। इससे नाराज होकर वरुण ने पुलिस स्टेशन के पास खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। मौके पर मौजूद राहगीरों और पुलिसकर्मियों ने आग बुझाई और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रेफर कर दिया गया।

मलकाजगिरि जंक्शन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विक्रेताओं ने विरोध जताया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि नगर निगम (एमएमसी) के अधिकारियों ने बुधवार को मलकाजगिरि जंक्शन के फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान छोटे दुकानदारों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान पैदल यात्रियों के लिए आरक्षित स्थानों को खाली कराने के उद्देश्य से चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कई अस्थायी दुकानें और ढांचे हटाए गए। स्थानीय छोटे विक्रेताओं ने कार्रवाई का विरोध करते हुए अपनी आजीविका प्रभावित होने की बात कही और कुछ समय देने की मांग की। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी में अभियान जारी रखा गया। अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पिछले एक सप्ताह से लगातार जारी है।

सिकंदराबाद छावनी में अभिलेखों का होगा डिजिटलीकरण

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड ने एक बार फिर अपने सभी अभिलेखों, दस्तावेजों, मानचित्रों और बोर्ड प्रस्तावों के डिजिटलीकरण का निर्णय लिया है। वर्ष 2015 के बाद अब लगभग 10 वर्षों के अंतराल पर यह प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है। छावनी बोर्ड के अनुसार, पहले चरण का कार्य रक्षा मंत्रालय की सहमति से पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष अभिलेखों के डिजिटलीकरण का कार्य अब निजी एजेंसी को सौंपा गया है। इसके तहत 8 लाख से अधिक पृष्ठों को डिजिटल रूप में परिवर्तित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 20 हजार फाइलें अभी भी डिजिटल रूप में उपलब्ध नहीं हैं, जिनमें भवन निर्माण और भूमि से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल हैं। इस पूरी प्रक्रिया को छह माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटलीकरण से रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे और भूमि विवादों को रोकने में मदद मिलेगी।

निर्माणाधीन रेलवे पुल से गिरकर तीन मजदूर घायल, एक फंसा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के पास निर्माणाधीन रेलवे पुल पर बुधवार को काम करते समय तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह पुल पेद्दावागु पर्वतमाला क्षेत्र में रेलवे की तीसरी लाइन पर बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कार्य के दौरान तीनों मजदूर लोहे के ब्लॉकों पर काम कर रहे थे, तभी वे फिसलकर नीचे गिर गए। इस हादसे में दो मजदूरों को अस्पताल भेजा गया, जबकि एक मजदूर लोहे के ढांचे और पटरियों के बीच फंस गया।

सूचना मिलते ही दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। घायल मजदूरों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है, जबकि फंसे मजदूर को निकालने के प्रयास जारी हैं। इस घटना के बाद अन्य श्रमिकों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई और मुआवजे की मांग की है।

छात्रों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का किया दौरा

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी स्थित गीतांजलि वेदिका स्कूल के कक्षा 9 के छात्रों ने पर्यावरण जागरूकता के तहत तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का शैक्षिक दौरा किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को वायु प्रदूषण के कारणों और उसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने बताया कि वाहन उत्सर्जन से निकलने वाली गैसें जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन और अन्य हानिकारक तत्व स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

साथ ही, कूड़ा-कचरा फैलाने से होने वाले नुकसान और इसे रोकने के उपायों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रिक वाहन, सीएनजी और अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक भी छात्रों के साथ मौजूद रहे।

जनगणना तैयारियों की समीक्षा बैठक, समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)।ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) मुख्यालय के 7वें तल पर आज जनगणना कार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आरवी कर्णन, प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त, जीएचएमसी ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (निर्वाचन) के चन्द्रमकला सहित सभी जोनल आयुक्त, 60 सर्किलों के उप आयुक्त चार्ज जनगणना अधिकारी तथा एससीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के निर्माण तथा गणनाकारों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि एचएलबी का गठन निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए, जिसमें घरों की संख्या और जनसंख्या का संतुलन सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि झुग्गी (स्लम) क्षेत्रों को गैर-झुग्गी क्षेत्रों के साथ नहीं जोड़ा जाए। साथ ही, एचएलबी के निर्माण, अंतिम रूप देने और फ्रीज करने की प्रक्रिया 10 अप्रैल 2026 तक पूर्ण कर सीएमएमएस पोर्टलपर अद्यतन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी तय किया गया कि गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर 18 अप्रैल 2026 से प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए। यह प्रशिक्षण 18 अप्रैल से 5 मई 2026 तक सर्किल स्तर पर आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त, स्वयं-गृह गणना की प्रक्रिया 26 अप्रैल से 9 मई 2026 के बीच ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी।आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए जनगणना कार्य समयबद्ध एवं सुचारु रूप से पूर्ण करने पर जोर दिया।

डिग्री प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा की तैयारी पर विचार

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विश्वविद्यालयों में स्नातक (डिग्री) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए जल्द ही एक सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। सरकार वर्तमान में इंटरमीडिएट अंकों के आधार पर होने वाली प्रवेश प्रणाली को बदलने की दिशा में काम कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह नई व्यवस्था सीयूईटी-यूजी की तर्ज पर हो सकती है और इसे शैक्षणिक सत्र 2027-28 से लागू करने की संभावना है। फिलहाल प्रवेश प्रक्रिया डीओएसटी प्रणाली के माध्यम से की जाती है, जिसमें इंटरमीडिएट अंकों और कॉलेज वरीयता के आधार पर सीटें आवंटित होती हैं। प्रस्तावित योजना के तहत छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी, जिसके आधार पर रैंक सूची तैयार की जाएगी और उसी के अनुसार काउंसलिंग के जरिए सीट आवंटन किया जाएगा। इससे प्रवेश प्रक्रिया अधिक केंद्रीकृत और पारदर्शी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

बाराबंकी में जन्म, मेरठ-आजमगढ़ से सांसद रहीं

मेरठ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मोहसिना किदवई का जन्म 1 जनवरी, 1932 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में हुआ था। उनकी गिनती गांधी परिवार के सबसे करीबी नेताओं में होती थी।अपने लंबे राजनीतिक करियर में मोहसिना किदवई उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद के साथ-साथ लोकसभा और राज्यसभा की भी सदस्य रहीं। वह मेरठ और आजमगढ़ से लोकसभा सांसद रहीं।

सीजफायर पर राजी हुआ ईरान तो बीजेपी का आया बड़ा बयान

हमारे पीएम ने पहले से कहा है युद्ध न करें तो अच्छा होगा

रामकृपाल यादव और पीएम मोदी

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ सीजफायर का ऐलान कर दिया है। ईरान भी सहमत है। इस पर बीजेपी की प्रतिक्रिया आई है। बिहार सरकार के मंत्री और बीजेपी नेता रामकृपाल यादव ने अमेरिका और इजराइल के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर ईरान के राजी होने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पीएम मोदी का नाम लिया है। पटना में मीडिया से बातचीत में बुधवार (08 अप्रैल, 2026) की सुबह रामकृपाल यादव ने इस पर कहा, युद्ध किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है

और भारत का विचार हमेशा शांति और अमन का रहा है। हमारे पीएम ने पहले से कहा है युद्ध न करें तो अच्छा होगा। ट्रंप ने कुछ दिनों के लिए युद्धविराम कर दिया है तो ये स्वागत योग्य है। दूसरी ओर रामकृपाल यादव ने असम के सीएम और जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर भी रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, पवन खेड़ा और कांग्रेस अपनी मर्यादाओं को खत्म कर रहा है कांग्रेस पार्टी इसलिए खत्म हो रही है।

राजनीति लड़ाई आप लड़े लेकिन किसी की पत्नी (असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी) के बारे में टिप्पणी करना उचित नहीं है और असम सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया है वो स्वागत योग्य है।

बता दें कि जंग के करीब 40 दिन बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि डेडलाइन खत्म होने से पहले अगर ईरान सीजफायर नहीं करता है तो उसके पावर प्लांट और बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया जाएगा। अब सहमति के बाद भारत के अलग-अलग दल के नेताओं की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

हिमंता बिस्वा सरमा पर अखिलेश यादव का तंज

गौमांस खाने वाले बयान पर साधा निशाना, भाजपा हटाने की कही बात

हिमंता बिस्वा सरमा अखिलेश यादव

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने असम चुनाव को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक बयान को शेयर करते हुए उन पर तंज कसा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा था कि मैं गौमांस खाने के लिए मना नहीं कर रहा हूँ, लेकिन घर के अंदर खाओ।

इस बयान को शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि भाजपा हटाओ, गौमाता को बचाओ। अखिलेश ने इस बयान को भाजपा की दोहरी नीति बताते हुए आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा गौमाता की रक्षा की बात करती है, लेकिन उसके नेता खुद ऐसे बयान देते हैं जो गौभक्ति पर सवाल उठाते हैं।

अखिलेश यादव ने भाजपा सांसद रविकिशन का फोटो शेयर करते हुए उन पर भी तंज कसा। उन्होंने लिखा कि सांसद जनता का प्रतिनिधि होता है, मुख्यमंत्री का खिलौना नहीं। अखिलेश ने आगे कहा कि ये भाजपा सरकार है या सर्कस? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता दुख, दर्द और समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन भाजपा के लोग आपस में विदूषक बनकर खेल का आनंद ले रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे जन प्रतिनिधियों के कारण गोरखपुर आज शर्मिंदा हो रहा है। उन्होंने रविकिशन पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के 'स्ट्रेस' का खुलासा करने के लिए उन्हें जरूर दंड मिलेगा। अखिलेश ने लिखा कि जब सत्ता जाना तय हो गया है और अत्याचार व भ्रष्टाचार के कारण जनता आक्रोशित है, तो उनको तनाव तो होगा ही। अब ये भी डपट खाएंगे।

पत्रकार वेदप्रकाश शर्मा का शव नाले में मिला

हाथरस, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक पत्रकार की हत्या का मामला सामने आया है। उसकी लाश सुबह गंदे नाले में मिली है। मृतक पत्रकार का नाम वेद प्रकाश शर्मा उर्फ सोनू था। वह हाथरस शहर की गली जैराधे के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि पत्रकार ने अपनी जान को खतरा बताते हुए, इसकी शिकायत पुलिस से भी की थी। दरअसल एक मकान को लेकर पत्रकार का पिछले 2 सालों से विवाद चल रहा था। ये विवाद पड़ोसी परिवार से ही चल रहा था। उस दौरान भी वो विवाद काफी बढ़ गया था। ऐसे में अब पत्रकार का शव मिला है। पीड़ित परिजनों ने मकान विवाद में हत्या की तहरीर पुलिस को दी है।

फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर, उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इसी के साथ पुलिस ने दो लोगों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। शव मिलने से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई है।

10 साल से जमे पदाधिकारियों की होगी छुट्टी

चुनावी साल में संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी

अध्यक्ष पंकज चौधरी

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले दो माह से संगठनात्मक काम पूरा करने में जुटी भाजपा ने अचानक चाल धीमी कर ली है। वर्ष 2019 के बाद जिलों का संगठन नए सिरे से बना तो लिया गया, लेकिन क्षेत्रीय अध्यक्षों के चयन, उनके समायोजन व प्रदेश पदाधिकारियों को लेकर कई स्तरों पर असमंजस बना हुआ है। लखनऊ में कई दौर की बैठकों के बाद भी पार्टी फूंक-फूंककर बढ़ रही है। पार्टी देर से सही, लेकिन दुरुस्त आने की कसरत में पूरी सतर्कता बरत रही है। चुनावी प्रबंधन में कारगर साबित होने वाले ऐसे चेहरों की तलाश है जिनकी छवि भी बेहतर हो। हालांकि महिलाओ को एक तिहाई कोटा दिया जाएगा। संगठन में लंबे समय से जमे कई चेहरों का चुनावी लाभ लेने के लिए उन्हें बोर्ड व निगम में समायोजित करने की भी चर्चा है। पार्टी मान रही है कि अप्रैल माह के अंत तक संगठनात्मक काम पूरा हो सकेगा। मंत्रिमंडल विस्तार बंगाल चुनाव के बाद होने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह पिछले कई दिनों से संगठन से लेकर निगम, आयोग व बोर्ड में समायोजन पर होमवर्क कर रहे हैं। प्रदेश इकाई में बड़े बदलाव होने हैं।

माना जा रहा है कि दस साल से ज्यादा लंबे समय से पदाधिकारी बने लोगों के स्थान पर नए कार्यकर्ताओं को स्थान मिलेगा। लेकिन चुनावी साल होने की वजह से पार्टी नफा-नुकसान के सभी पहलुओं को खंगाल रही है। सभी छह क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदलने को लेकर असमंजस है। बदलने पर उन्हें क्या भूमिका दी जाएगी, इसको लेकर भी पार्टी कई विकल्पों पर विचार कर चुकी है।

बच्चों से भरी स्कूल बस खाई में पलटी, मची चीख-पुकार, ग्रामीणों ने तोड़कर निकाले

मेरठ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ के दौराला क्षेत्र में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगभग 10–12 फीट गहरी खाई में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस में करीब 50 से 55 बच्चे सवार बताए जा रहे हैं। यह बस खेड़ी टप्पा लावड़ मार्ग स्थित सेंट मैरी एकेडमी स्कूल की बताई जा रही है, जिसे आसिफ ट्रांसपोर्ट संचालित कर रहा था।

रूट नंबर-1 की इस बस को चालक रूमान चला रहा था। बस उरला, चिंदौड़ी, लावड़ और मवीमीरा गांवों से बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। बताया गया कि अझौता मोड़ पार करने के बाद अचानक बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खाई में पलट गई। बस पलटते ही अंदर बैठे बच्चों में चीख-पुकार मच गई और आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट

रेल रूट से घुसपैठ का खतरा

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाकर भारत में घुसपैठ और तस्करी करने वाले नापाक मंसूबों पर बिहार पुलिस ने अब पूरी तरह नकेल कसने की तैयारी कर ली है। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने सरदार पटेल भवन में एक उच्चस्तरीय आपात बैठक में न केवल राज्य पुलिस, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल हुए। रेल नेटवर्क के जरिए घुसपैठ की नई और खतरनाक साजिशों की जानकारी मिलने के बाद सीमावर्ती रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा का घेरा अब सुरक्षित बनाया जा रहा है। खुफिया रिपोर्टों में इस बात का खुलासा हुआ है कि अब सीमा पार से संदिग्ध गतिविधियों और संगठित अपराधों के लिए रेल नेटवर्क को एक सॉफ्ट टारगेट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि सीमा से सटे हर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सघन चेकिंग की जाएगी और संदिग्ध सामानों की विशेष जांच के लिए तकनीक का सहारा लिया जाएगा।

अब किसी भी यात्री की गतिविधि संदिग्ध लगने पर एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में एक पल की भी देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संयुक्त कार्रवाई के जरिए रेल मार्ग को घुसपैठियों के लिए पूरी तरह बंद करने की रणनीति पर मुहर लग चुकी है। बिहार पुलिस अब अपराध की गुत्थी सुलझाने के लिए लाठी से ज्यादा तकनीक और फॉरेंसिक साइंस पर भरोसा कर रही है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित सम्मेलन में डीजीपी ने बताया कि अगले दो वर्षों के भीतर राज्य में 13 फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशालाएं पूरी तरह एक्टिव हो जाएंगी।

गोमांस की बिरयानी परोसने वाला रेस्टोरेंट सील

प्रयागराज, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। संगम नगरी के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। जहां रोशन बाग स्थित नवाबी जायका रेस्टोरेंट पर बेसहारा गोवंश की हत्या कर उसके मांस से बिरयानी बनाकर बेचने का आरोप लगा है। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेंट के मालिक समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला तब खुला जब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के गौ रक्षा प्रांत मंत्री लालमणि तिवारी को इस रेस्टोरेंट के बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थीं। दी गई तहरीर के अनुसार, लालमणि तिवारी अपने साथियों के साथ रेस्टोरेंट की हकीकत जानने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां मौजूद कर्मचारियों और मालिक ने उनके साथ अभद्रता और बदसलूकी की। मौके पर तनाव बढ़ता देख तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही खुल्दाबाद पुलिस ने रेस्टोरेंट पर छापेमारी की।

तलाशी के दौरान पुलिस को रेस्टोरेंट के अंदर अलग-अलग डिब्बों में भारी मात्रा में मांस बरामद हुआ है। पुलिस ने बरामद मांस को जांच के लिए लैब भेज दिया है। जब तक जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती और कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक फूड कोर्ट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

लालू की बेटी रोहिणी ने भाजपा पर बोला हमला

कहा- विधानसभा चुनाव में संभावित हार से बौखला गए इनके नेता

रोहिणी आचार्य

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भाजपा नेताओं को कड़ी आलोचना का सामना कराया। रोहिणी आचार्य ने लिखा कि साक्ष्यों और दस्तावेजों के साथ लगाए गए आरोपों पर मर्यादित, तथ्यपरक और तार्किक जवाब देने के बजाय पवन खेड़ा के लिए गाली-गलौज की भाषा, और वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है।

यह आसन्न विधानसभा चुनाव में संभावित हार की बौखलाहट है, या फिर हिमंत बिस्वा सरमा मानसिक असंतुलन की स्थिति में हैं? उन्होंने आगे कहा कि यह जगजाहिर है कि भाषाई मर्यादा का उल्लंघन भाजपा की वह कुसंस्कृति और संक्रमण है, जिससे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ-साथ खुद को संस्कारी बताने वाला हर छोटा-बड़ा भाजपाई ग्रसित है। सैकड़ों ऐसे उदाहरण हैं जब इन लोगों ने विपक्ष के नेताओं के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया है, जिसका एक सभ्य समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई स्थान नहीं है। रोहिणी आचार्य ने हाल ही में संसद में गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि देश अभी उस अभद्र टिप्पणी को भूला भी नहीं था कि अब हिमंत बिस्वा सरमा लगातार अपना आपा खोते हुए अपनी ओछी और मवालियों जैसी भाषा से पूरे देश और उसकी राजनीति के लिए शर्म का विषय बने हुए हैं।

पति ने शारीरिक संबंध के दौरान पत्नी का दबाया गला, मौत

रामपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक पति ने शारीरिक संबंध के दौरान अपने ही हाथों से पत्नी का गला घोंट कर उसे मौत की नींद सुला दिया। कोतवाली सिविल लाइन इलाके में रहने वाली एक शिक्षिका का शव उसके बंद घर में मिलने से सनसनी फैल गई। जब पुलिस दरवाजा तोड़कर भीतर दाखिल हुई, तो नजारा बेहद खौफनाक था। बिस्तर पर महिला की लाश पड़ी थी और घर में सन्नाटा पसरा हुआ था। पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर तफ्तीश शुरू की। इस बीच, मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना था कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए लगातार तंग किया जा रहा था।

उन्होंने पति और देवर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस की सख्ती के आगे आरोपी पति ज्यादा देर तक झूठ नहीं बोल सका और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में जो सच सामने आया, वह रोंगटे खड़े कर देने वाला था। आरोपी ने बताया कि घटना के वक्त वह पत्नी के साथ निजी पलों में था, तभी अचानक किसी बात पर कहासुनी हो गई। बहस इतनी बढ़ी कि गुस्से में आकर उसने पत्नी का गला दबा दिया।

गैंगस्टर रवि काना को रिहाई मामले में राहत

एचसी ने निलंबित जेल अधीक्षक और जेलर की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा के स्क्रैप माफिया रवि काना उर्फ रवि नागर को बांदा जेल से छोड़े जाने के मामले में निलंबित जेल अधीक्षक और जेलर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिल गई है। हाईकोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। वहीं कोर्ट ने इस मामले में सरकार समेत सभी प्रतिवादियों को छह हफ्ते के अंदर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निलंबित बांदा के जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम और जेलर विक्रम सिंह यादव को अंतरिम राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक अंतरिम रोक लगा दी है।

कोर्ट ने छह हफ्ते में सरकार समेत सभी प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इस मामले पर जस्टिस राजीव मिश्रा और जस्टिस सत्य वीर सिंह की डिवीजन बेंच में सुनावाई हुई, जिसमें कोर्ट ने ये आदेश दिया है। वहीं याचिकाकर्ता को भी रिजाइंडर एफिडेविट फाइल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई 27 मई को होगी। दरअसल 29 जनवरी 2026 को नोएडा के स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रवि काना को कोर्ट के आदेश के बिना ही जेल से छोड़ दिया गया था।

जिसके बाद इसे मामले ने तूल पकड़ लिया था और उसकी रिहाई को लेकर सवाल उठने लगे थे। इस मामले में दो फरवरी को जेल चौकी इंचार्ज अनुराग पांडे ने बांदा जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम, जेलर विक्रम सिंह यादव और बांदा जेल के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कोतवाली नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस घटना पर गौतमबुद्धनगर सीजेएम कोर्ट ने जेल अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा था। डीजी जेल के आदेश पर जेलर विक्रम सिंह यादव को निलंबित कर दिया था। जिसके बाद मामले की जांच के लिए अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई थी।

प्रेमी संग फरार हुई दो बच्चों की मां

मुंगेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर जिले से एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले में दो बच्चों की मां प्रेमी संग फरार हो गई है। घटना के कुछ समय बाद महिला ने वीडियो जारी किया है और कहा है कि वह अपनी मर्जी से अपने प्रेमी विशाल के साथ आई है। महिला ने कहा कि वह अपने पति के साथ नहीं रहना चाहती। महिला ने कहा कि मेरे या विशाल के परिवार के साथ कुछ हुआ तो इसका सारा जिम्मेदार मेरा पति और उसका परिवार होगा। वहीं, महिला के पति पवन ने बताया कि विशाल नाम के युवक के साथ निकली है। इसे लेकर उसने खड़गपुर थाना में मामला भी दर्ज करवाया है।

हरिद्वार रेलवे स्टेशन में बच्ची से रेप की कोशिश

हरिद्वार, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन के टिकट घर स्थित महिला शौचालय में साढे चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। बच्ची की चीख-पुकार से मौके पर हड़कंप मच गया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने शौचालय का दरवाजा तोड़ा और बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर चकमा देकर भाग निकला, लेकिन जीआरपी पुलिस ने घेराबंदी कर 14 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का रहने वाला है, जिसके खिलाफ पॉक्सो समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

हिंदू-मुस्लिम राजनीति पर बृजभूषण शरण की बेटी शालिनी सिंह का बड़ा बयान

चुनाव लड़ने को लेकर बताया प्लान

शालिनी सिंह

गोंडा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह इन दिनों अपनी बेबाकी और सक्रियता के लिए चर्चा में हैं। वे लेखिका, कवयित्री और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। हाल ही में उनकी किताब 'बेबाक हूं, बेअदब नहीं' आई है। एक मीडिया चैनल से बातचीत में उन्होंने अपने विचार साफ-साफ रखे। वे राजनीति में कदम न रखने पर जोर दे रही हैं और सिर्फ काम करने की बात कर रही हैं। शालिनी सिंह कहती हैं कि वे सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने राजनीति की ओर कोई कदम नहीं बढ़ाया है। परिवार में राजनीति है, लेकिन यह उनका दोष नहीं है। आज जो चर्चाएं हो रही हैं, वे खुद नहीं शुरू कीं।

वे स्पष्ट रूप से कहती हैं कि नेतृत्व कौन करेगा... यह जनता तय करेगी। चुनाव लड़ना या नहीं लड़ना, यह नियति और कर्म तय करेंगे। कुछ चुनिंदा लोग काम करने आए हैं, उन्हें काम करने दीजिए। मनोबल मत तोड़िए। वे जोर देकर कहती हैं कि हम टिकट नहीं मांग रहे। मांगने वालों में हम शामिल भी नहीं हैं। सिर्फ काम करना चाहते हैं। अगर राजनीति उनके काम में बाधा बनेगी, तो वे ऐसी कोई बड़ी चीज नहीं छोड़ सकतीं जिसे वे छोड़ न सकें।

शालिनी सिंह खुद को एजुकेशनिस्ट बताती हैं। वे शिक्षण संस्थान चलाती हैं और मूलभूत चीजों पर काम करती हैं। उनके अनुसार, आसपास की हवा साफ हो, शिक्षा का अधिकार हर व्यक्ति तक पहुंचे और अच्छी क्वालिटी की शिक्षा सभी को मिले। वे कहती हैं कि बिजली, पानी और सड़क जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। बड़े-बड़े इश्यू उठाने से पहले अपने आसपास की समस्याओं को ठीक करना जरूरी है। हम प्राधिकरण से लड़ने की बजाय उन्हें सक्षम क्यों न बनाएं? पहले वाले मुद्दों पर बात करें, ताकि असल काम हो सके। वे मानती हैं कि शिक्षा और रोजमर्रा की जरूरतों पर काम करने से सारी चीजें अपने आप सुधर जाती हैं।

हिंदू-मुस्लिम राजनीति पर शालिनी सिंह साफ कहती हैं कि इस देश को इससे ऊपर उठना होगा। हमें वसुधैव कुटुंबकम सिखाया गया है। पूरा जहान ही हमारा परिवार है। अतिथि देवो भव जैसी मानसिकता हमारी है। वे याद दिलाती हैं कि पहले जाति-पाति की इतनी बात नहीं होती थी। उनके यहां सहभोज होता था। किसी के घर से दाल आती, किसी के यहां से सब्जी। सब मिलकर परोसते थे। अब पता नहीं चलता कि किसने किसका नमक खाया। वे जोर देती हैं कि हमें भाईचारे की बात करनी चाहिए। बंटवारे की राजनीति से देश को नुकसान होता है।

शालिनी सिंह कहती हैं कि सबसे पहले अपने दायित्व की बात करें। एक सिटीजन के तौर पर हमारा क्या कर्तव्य है? हमारे जनप्रतिनिधि को हम कैसे मजबूत बना सकते हैं? वे पूछती हैं कि हम आलोचना ही क्यों करें? उनके अच्छे कामों की सराहना भी होनी चाहिए। अगर गलती हो तो एक साथ खड़े होकर उसकी आलोचना करें। सिर्फ नकारात्मक बातें नहीं, सकारात्मक योगदान भी जरूरी है। शालिनी सिंह की जिंदगी में हमेशा खुद फैसले लेने पड़े। वे 'बेबाक' शब्द पर कुछ लिखना चाहती थीं, और किताब का टॉपिक अपने आप आ गया। वे कहती हैं कि बेबाकी बहुत जरूरी है। डर के जीने से कोई फायदा नहीं। श्मशानों में उनकी लाशें जल रही हैं, जो इस डर से नहीं लड़े कि मर जाएंगे। तब सच्चाई ही मौत है। इसलिए बेबाक होकर जीना चाहिए।

पति-पत्नी पर एसिड अटैक

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना जिले के मनेर नगर परिषद क्षेत्र के हुद्दापर-मीरा चक मोहल्ला में देर रात मंगलवार को पैसे के विवाद को लेकर दो युवकों के बीच कहा-सुनी के साथ ही मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान एक पक्ष का युवक दूसरे पक्ष पर एसिड अटैक कर दिया। इस घटना में पति और पत्नी एसिड से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए मनेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि नगर के वार्ड नंबर 10 स्थित हुद्दापर-मीरा चक मोहल्ला निवासी पिंटू कुमार सोनी अपने घर पर थे। इसी दौरान पड़ोस के गुड्डू कुमार सोनी ने सोना के जेवर बनाने के लिए पिंटू सोनी को जेवर दे रखा था।

जेवर का कुछ पैसा गुड्डू सोनी के यहां बकाया था। पैसे की मांग को लेकर दोनों लोगों के बीच अचानक विवाद हो गया, जिसके बाद हाथापाई और मारपीट हो गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। लेकिन इसके बाद गुड्डू सोनी अपने कुछ साथियों के साथ दुकान में रखे एसिड के साथ पिंटू सोनी के घर पहुंच गया और धमकी देते हुए मारपीट करने के साथ एसिड फेंक दिया। एसिड कुछ छींटे पिंटू सोनी और उनकी पत्नी रजनी देवी पर पड़ने से दोनों घायल हो गए।

सीआरपीएफ कैंप में बिना अनुमति घुसे दो युवक पकड़े

रामपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बिना अनुमति प्रवेश करने का मामला सामने आने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कैंप के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया है। सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरव राजपूत की तहरीर के अनुसार, दोनों युवक बाइक से कैंप परिसर में प्रवेश कर गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें संदिग्ध रूप से घूमते देखा और रोककर पूछताछ की।

शुरुआत में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम नईम निवासी ग्राम पटवाई और दूसरे ने भूरा निवासी ग्राम घोसीपुरा बताया। घटना को गंभीर मानते हुए सीआरपीएफ प्रशासन ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को तहरीर दी। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद कैंप की सुरक्षा और सख्त कर दी गई है।

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर ओमकार सिंह ने बताया कि दोनों से पूछताछ की गई है और उनका चालान कर दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कोलकाता पोर्ट से बीजेपी ने राकेश सिंह को बनाया उम्मीदवार, दो दिन पहले ही हाई कोर्ट से मिली थी जमानत

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी छठी लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने कोलकाता पोर्ट विधानसभा सीट (158) से राकेश सिंह को उम्मीदवार बनाया है। राकेश सिंह को दो दिन पहले ही कलकत्ता हाई कोर्ट से जमानत मिली थी। सियासी गलियारों में पहले से ही चर्चा थी कि बंगाल बीजेपी लीडरशिप उन्हें इस बार कोलकाता पोर्ट से टीएमसी के उम्मीदवार फिरहाद हकीम के खिलाफ चुनाव लड़ा सकती है। हाल ही में पुलिस ने उन्हें कांग्रेस ऑफिस में तोड़फोड़ के मामले में गिरफ्तार था। बीजेपी बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बीजेपी ने छठी सूची जारी करने के साथ ही सभी उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं।

यूएस-ईरान सीजफायर से महबूबा मुफ्ती खुश

पाकिस्तान की तारीफ कर बोलीं- पूरी दुनिया को बचा लिया

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती

जम्मू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि आज हमारे बहुत खुशी का दिन है। मैं अल्लाह का शुक्र अदा करती हूं, जिसने ईरान को इजराइल के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया।

महबूबा ने साथ ही पाकिस्तान की भी तारीफ की है। पूर्व सीएम ने कहा कि मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज़ नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने पूरी दुनिया को बचाया है। महबूबा मुफ़्ती ने कहा, 'आज हमारे लिए बहुत खुशी का दिन है, जैसा कि आप जानते हैं कि ईरान में हज़ारों लोग मारे गए थे और यह आशंका जताई जा रही थी कि हम विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं।

मैं अल्लाह का शुक्र अदा करती हूं, जिसने ईरान को इजराइल के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया। हम इस युद्ध में मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने पूरी दुनिया को बचाया है। मैं ईरान की इस भूमिका की सराहना करती हूं कि उसने सिर्फ़ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि अमेरिका और इजराइल ने स्कूलों, अस्पतालों और हर चीज को निशाना बनाया था। हमें उम्मीद है कि यह अस्थायी संघर्ष-विराम स्थायी हो जाएगा और ईरान में भी शांति कायम होगी।'

उमर अब्दुल्ला क्या बोले?

वहीं, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने युद्धविराम के परिणामों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि लगभग 40 दिन के संघर्ष के बाद अमेरिका ने आखिर क्या हासिल किया। मुख्यमंत्री ने युद्धविराम के तहत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोले जाने की खबरों पर 'एक्स' पर 'हैशटैग अनजस्टवॉर (अन्यायपूर्ण युद्ध) के साथ एक पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी। पोस्ट में उन्होंने कहा, तो युद्धविराम एक ऐसे स्ट्रेट को फिर से खोलने की अनुमति देता है, जो युद्ध शुरू होने से पहले भी सभी के उपयोग के लिए खुला था और स्वतंत्र रूप से उपलब्ध था। इस युद्ध से अमेरिका को वास्तव में क्या हासिल हुआ।

2 हफ्ते के लिए सीजफायर

बता दें कि अमेरिका और ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन और तेहरान के प्रतिनिधिमंडलों के शुक्रवार को इस्लामाबाद में मिलने की उम्मीद है। यह एक मार्च के बाद से युद्धरत देशों के बीच पहला खुला राजनयिक संपर्क होगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल ने बुधवार को दो सप्ताह के लिए अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति जताई।

ओडिशा के 6 रिटायर्ड पुलिसकर्मी गिरफ्तार, 10 साल बाद हुई कार्रवाई

भुवनेश्वर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2016 के चर्चित हिरासत में मौत के मामले में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कटक जिले के नरसिंहपुर थाने के लॉकअप में एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने छह सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सेवानिवृत्त एएसआई भगवान साहू, हवलदार प्रमोद कुमार पात्रा और चार सेवानिवृत्त होमगार्ड जोगीनाथ नायक, भिखारी नायक, भ्रमर राणा और महेश्वर देबता शामिल हैं।

सभी छह आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब मालिसाही गांव के सरोज सेनापति को उनकी पत्नी अलका नायक द्वारा दर्ज कराई गई घरेलू विवाद की शिकायत के आधार पर पुलिस थाने लाया गया था। पूछताछ के दौरान आरोप है कि उन्हें पुलिसकर्मियों द्वारा गंभीर रूप से प्रताड़ित किया गया। बाद में सरोज सेनापति की पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे पुलिस पर गंभीर आरोप लगे। इस घटना ने व्यापक चिंता पैदा की और हिरासत में हिंसा को लेकर कई सवाल उठे। इसके बाद मामला संख्या 130/2016 के तहत आईपीसी की धारा 448, 342, 341, 323, 506, 302 और 34 में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के आधार पर गलत तरीके से बंधक बनाने, मारपीट, आपराधिक धमकी और हत्या जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए विस्तृत जांच शुरू की थी।

आसाराम के बेटे नारायण साईं का पत्नी के साथ तलाक की अर्जी मंजूर

इंदौर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। स्वयंभू बाबा आसाराम के बेटे नारायण साईं से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। नारायण साईं की पत्नी की तलाक अर्जी को इंदौर के कुटुम्ब न्यायालय ने मंजूर कर लिया है। न्यायालय ने ये भी आदेश दिया है कि नारायण साईं को तलाक के बाद महिला को 2 करोड़ रुपए स्थायी भरण पोषण राशि के लिए देना होगा। गौरतलब है कि नारायण साईं इस समय जेल में बंद है। वह रेप के मामले में सजा सुनाए जाने के बाद गुजरात की सूरत जेल में सजा काट रहा है। नारायण साईं की इंदौर निवासी पत्नी जानकी हरपलानी के वकील अनुरागचंद्र गोयल ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया, हमारी मुवक्किल ने अपने पति पर मानसिक क्रूरता और अन्य आरोप लगाते हुए स्थानीय कुटुम्ब न्यायालय में 2018 में तलाक की अर्जी दायर की थी जिसमें एकमुश्त पांच करोड़ रुपये की स्थायी भरण-पोषण राशि की मांग की गई थी।

नारायण साईं ने इन आरोपों से अदालत में हालांकि इनकार किया था, लेकिन उनकी मुवक्किल ने अपने पति के खिलाफ दायर तलाक की अर्जी में 'पक्के दस्तावेजी सबूत' पेश किए थे। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कुटुम्ब न्यायालय के एक न्यायाधीश ने यह अर्जी दो अप्रैल को मंजूर कर ली और आदेश दिया कि नारायण साईं की ओर से जानकी को दो करोड़ रुपये की स्थायी भरण पोषण राशि तीन महीने के भीतर अदा की जाए। जानकी हरपलानी के वकील के मुताबिक, नारायण और जानकी की शादी साल 2008 में हुई थी और उनकी कोई संतान नहीं है। 2018 में तलाक के मामले में कुटुम्ब न्यायालय ने नारायण साईं को ये भी आदेश दिया था कि अपनी पत्नी को हर महीने 50 हजार रुपए भरण पोषण के लिए दे। लेकिन नारायण साईं की तरफ से कोई राशि 8 सालों में अदा नहीं की गई।

तमिलनाडु चुनाव में किसी भी पार्टी ने नहीं दिए ब्राह्मण कैंडिडेट

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- 'और बजाओ ताली थाली'

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट की सीनियर नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है, जिससे सियासी पारा हाई हो गया है। चुनावी राज्य तमिलनाडु के डाटा का जिक्र करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने नाराजगी जताई है और दावा किया है कि राज्य में सभी बड़ी पार्टियों ने एक भी ब्राह्मण चेहरे को उम्मीदवार नहीं बनाया।

इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट किया और लिखा- 'ऐसा और भी राज्यों में होगा।।। और बजाओ ताली और थाली।' एक्स पोस्ट में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा, मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे आंदोलन को प्रेरित किया जो हमेशा आक्रोशित ही रहता है। जिस भी पक्ष के साथ भेदभाव होता है, मैं उसके पक्ष में बोलूंगी, चाहे वह मुस्लिम हों, एससी-एसटी हों, ईडब्ल्यूएस हों या इस मामले में ब्राह्मण हों।

आरक्षण पर प्रियंका चतुर्वेदी का सवाल

इतना ही नहीं, आरक्षण के मकसद की सफलता पर सवाल उठाते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी पूछा कि क्या रिजर्वेशन का फायदा उस हर समुदाय को मिला है जिसको इसकी जरूरत थी या फिर कुछ समुदायों ने इसका ज्यादा लाभ उठाया? यूबीटी नेता ने अपने पोस्ट में लिखा, ।।।और जब हम आक्रोश की बात कर ही रहे हैं, तो यह भी जांचने का समय है कि प्रतिनिधित्व के नेक इरादे से शुरू हुई आरक्षण व्यवस्था ने क्या वास्तव में सभी आरक्षित वर्गों को समान रूप से लाभ पहुंचाया है या फिर इसका लाभ कुछ समुदायों ने दूसरों की तुलना में अधिक उठाया है?

प्रियंका चतुर्वेदी ने दो टूक यह भी कहा कि वह कठिन सवाल पूछेंगी, जवाब देना होगा। प्रियंका चतुर्वेदी के इस पोस्ट से जनता सहमत नहीं दिख रही। कई लोगों ने यूबीटी नेता के पोस्ट पर कमेंट कर लिखा है कि जब उन्हें ब्राह्मण उम्मीदवारों का डेटा पता लगा, तब उन्होंने आवाज उठाई, लेकिन जब अन्य समुदायों के साथ ऐसा कुछ होता है तो वह चुप्पी साध लेती हैं। हालांकि, प्रियंका चतुर्वेदी ने दावा किया है कि वह उस हर समुदाय के पक्ष में हैं, जिसको भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इस मामले में वह समुदाय ब्राह्मण है।

ओले हैं या तोप के गोले

तेज बारिश से 50 से ज्यादा घरों की छतें टूटीं, कारों के शीशे भी टूटे

क्योंझर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के क्योंझर जिले के पटना ब्लॉक में अचानक आई कालबैशाखी बारिश ने भारी तबाही मचा दी। पटना ब्लॉक के मंगलपुर, गुलुदिपशी, साधुपड़ा, स्वाम, मूषाखरी और डियानाली इलाकों में ओलावृष्टि से व्यापक नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक, 50 से ज्यादा घरों की छतें टूट गई हैं। खासकर एस्बेस्टस से बने मकानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। दोपहर में अचानक मौसम बदला और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। ओलों की मार इतनी तेज थी कि कई घरों की छतें फट गईं और जगह-जगह छप्पर टूटकर गिर गए।

सिर्फ घर ही नहीं, बल्कि वाहनों को भी भारी नुकसान हुआ है। कई कारों के शीशे टूट गए और उनकी छतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं सैकड़ों बाइक भी ओलों की मार से टूट-फूट का शिकार हो गईं। इस भारी नुकसान के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई। मुआवजे की मांग को लेकर मूषाखरी पंचायत के ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 220 को जाम कर दिया। ढेंकिकोट-पटना रोड के मल्लीपशी इलाके में लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। राजमार्ग जाम होने की वजह से सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

मौके पर तनाव की स्थिति बन गई, जिसे देखते हुए प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश की। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों को राहत देने की भी कोशिश की जा रही है। पटना तहसील कार्यालय की टीम लोगों को पका हुआ खाना उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्कूलों में अस्थायी रूप से ठहराने की व्यवस्था करने में जुटी हुई है। फिलहाल इलाके में हालात सामान्य करने और लोगों को जल्द से जल्द राहत दिलाने के प्रयास जारी हैं,

बिष्णुपुर में बम हमले के बाद कर्फ्यू

इंटरनेट बंद और भारी सुरक्षा बल तैनात स्थिति तनावपूर्ण

इंफाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में एक बार फिर हालात खराब हो गए हैं। बिष्णुपुर में बम हमले के बाद भड़की हिंसा के चलते स्थिति बहुत खराब है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने हालात के बारे में बताया कि मणिपुर के 5 घाटी जिलों में हालात तनावपूर्ण लेकिन शांति बनी हुई है। यहां पर एक दिन पहले हुए बम हमले के बाद हिंसा भड़क उठी थी, और इस वजह से 2 बच्चों की मौत हो गई थी।

फिर खराब होते हालात को देखते हुए इन जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया, इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी गईं और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए। अधिकारी ने बताया कि आज बुधवार सुबह किसी नई हिंसा की खबर नहीं मिली है, लेकिन मंगलवार देर रात इंफाल पूर्वी और पश्चिमी जिलों के कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई थी।

इसके चलते पुलिसकर्मियों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े। 2 बच्चों की मौत से गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पूर्वी जिले के खुराई लामलोंग और वांगखेई में, तथा इंफाल पश्चिमी जिले के उरीपोक और क्वाकेइथेल में सड़कों पर टायर भी जलाए। उन्होंने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जो दोनों बच्चों की हत्या में शामिल थे।

अधिकारी ने बताया, "रात भर चली झड़पों के बाद हालात पर काबू पा लिया गया है। आज सुबह किसी नई हिंसा की खबर नहीं मिली है। कुल मिलाकर हालात शांत हैं।" उन्होंने बताया कि इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिमी, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में कर्फ्यू और इंटरनेट सर्विस को सस्पेंड कर दिया गया है।

2014 का कस्टोडियल डेथ मामला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के आरोप रखे बरकरार

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2014 के एक कस्टोडियल डेथ मामले में 8 पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप बरकरार रखने का फैसला सुनाया है। एग्नेलो वाल्डारिस नाम के युवक की हुई मौत के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि पहली नजर में टॉर्चर के सबूत मिले हैं और ट्रायल जरूरी है। बता दें, मुंबई में 2014 के चर्चित कस्टोडियल डेथ मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का आरोप बरकरार रखा है। अदालत ने सितंबर 2022 में स्पेशल ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को सही ठहराया, जिसमें इन पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस चलाने का निर्देश दिया गया था। मृतक एग्नेलो वाल्डारिस की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर कई चोटें सामने आईं, जिससे पुलिस की दलीलों पर सवाल उठे थे। हाईकोर्ट में जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस श्याम चंदक की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि एग्नेलो को गैर-कानूनी पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया था।

अदालत ने यह भी कहा कि कस्टोडियल डेथ के मामलों में सीधा चश्मदीद सबूत मिलना दुर्लभ होता है और ऐसे मामलों में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का महत्व बढ़ जाता है। अप्रैल 2014 में 25 साल के एग्नेलो वाल्डारिस की वडाला रेलवे पुलिस स्टेशन में हिरासत के दौरान कथित तौर पर यातना के कारण मौत हो गई थी। पुलिस विभाग इन आरोपों से पल्ला झाड़ता रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस पर आरोप काफी हद तक सही लगते हैं। वडाला जीआरपी पुलिस ने चेन स्नैचिंग के शक में एग्नेलो और तीन अन्य लोगों (जिनमें एक नाबालिग लड़का भी शामिल था) को गिरफ्तार किया था।

एग्नेलो के पिता लियोनार्ड वाल्डारिस ने खुद पुलिस को सहयोग किया और बेटे को सौंप दिया, क्योंकि पुलिस ने कहा था कि सिर्फ पूछताछ होगी और कोर्ट में पेश किया जाएगा। लेकिन बाप के पास पुलिस ने बेटे की लाश पहुंचाई। परिवार और गवाहों के मुताबिक पुलिस ने उन पर बुरी तरह टॉर्चर किया। बेल्ट और डंडे से मारा, नंगा करके पीटा, उल्टा लटकाया और सेक्सुअल अब्यूज (यौन शोषण) भी किया, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई।

'कागजी कवरेज नहीं जमीनी लाभ चाहिए'

सामाजिक सुरक्षा के सवाल पर सांसद पप्पू यादव ने केंद्र से पूछे सवाल

पूर्णिया, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज को लेकर पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। सांसद ने सरकार से पूछा कि क्या सरकार ने देश के 95 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा, कवरेज और संरक्षण प्रदान किया है। इसके जवाब में केंद्र सरकार ने दावा किया कि देश के करीब 94 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में लाया गया है। लेकिन पप्पू यादव का जोर इस बात पर रहा कि सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचना सबसे बड़ा पैमाना होना चाहिए, खासकर बिहार और पूर्णिया जैसे पिछड़े इलाकों में।

इसी संदर्भ में सांसद पप्पू यादव ने यह भी कहा कि पूर्णिया, सीमांचल और बिहार के गरीब, मजदूर, किसान, विधवा, दिव्यांग, छात्र और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को इन योजनाओं का वास्तविक लाभ किस हद तक मिल रहा है, इसकी जमीनी समीक्षा जरूरी है। उनका मानना है कि सामाजिक सुरक्षा की सबसे अधिक जरूरत उन क्षेत्रों में है जहां गरीबी, पलायन, बेरोजगारी और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी सबसे ज्यादा है।

उन्होंने विशेष रूप से पूर्णिया जैसे इलाकों में योजना की पहुंच, पात्रता, लाभ वितरण और जिला-वार पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, सरकार की ओर से सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने इस विस्तार का श्रेय जनधन, आधार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी व्यवस्थाओं को दिया। साथ ही प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन, पीएम-किसान, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, छात्रवृत्ति योजनाएं और दिव्यांगजन सहायता योजनाएं जैसे कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया गया।

तृणमूल उम्मीदवार लवली मैत्रा के हैशटैग में दिखा बांग्लादेश

बंगाल की राजनीति में छिड़ी नयी बहस

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा चुनाव में बांग्लादेश एक बड़ा मुद्दा होता है। तृणमूल उम्मीदवार लवली मैत्रा का सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट आया है। भाजपा इसको लेकर हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा है कि यह एक भयावह प्रवृत्ति का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि तृणमूल उम्मीदवार की ओर से बंगाल के वोटों को बांग्लादेश के वोटों के रूप में प्रचारित करना आश्चर्यजनक है। क्या पश्चिम बंगाल को लेकर तृणमूल कांग्रेस का यही नजरिया है। बंगाल भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने तृणमूल पर सवाल उठाते हुए इसपर बहस छेड़ दी है। इस मुद्दे पर राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

हालांकि, विवाद के बाद लवली ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया है। बताया जाता है कि लवली मैत्रा के फेसबुक से एक पोस्ट किया गया।

उसमें लिखा था- सोनारपुर दक्षिण के लोगों, आइए अपने वोटों से भविष्य का निर्माण करें। सक्रिय रहें, अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं। इस कैप्शन के नीचे कई 'कीवर्ड' को 'हैशटैग' के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इनमें से एक '#बांग्लादेश वोट' है। भाजपा ने इस बात को प्रमुखता से उठाया है। भाजपा नेता और विधानसभा में नेता विरोधी दल शुभेंदु अधिकारी ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा- ममता बनर्जी ग्रेटर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं।

यह उनका स्पष्ट एजेंडा है। सोनारपुर दक्षिण विधानसभा से लवली के प्रतिद्वंद्वी, सोनारपुर दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार रूपा गंगोपाध्याय ने कहा- मुझे समझ नहीं आ रहा, क्या वह बांग्लादेश में चुनाव लड़ रहे हैं या क्या वह अब भी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाने का सपना देख रहे हैं। उन्हें ज्यादा वोट नहीं मिलेंगे, एसआईआर में कई नाम छूट गए हैं। लेकिन शायद उन्हें अब भी लगता है कि बांग्लादेशी उन्हें वहां से वोट देंगे। तृणमूल प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा- लवली की पोस्ट में हैशटैग को लेकर जो विवाद हुआ है, दरअसल अब तो सभी पार्टियों के उम्मीदवारों के कुछ बेटे सोशल मीडिया संभालते हैं। वो भी यही कर रहे हैं। मैं इसका समर्थन नहीं कर रहा, लेकिन भाजपा एक मामूली बात को मुद्दा बना रही है, उसे यह मौका क्यों दिया जाए।

गंगा किनारे शराब पी रही थी महिला, पुलिस ने रोका तो बोली- 'तुम्हारी रोजी...रोटी हम पर्यटकों से चलती है'

ऋषिकेश, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ऋषिकेश से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें हरियाणा से आई एक महिला पर्यटक और स्थानीय पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बताया जा रहा है कि यह घटना 6 अप्रैल की है और नीलकंठ मार्ग के फूलचट्टी क्षेत्र के पास गंगा किनारे हुई, जहां महिला को सार्वजनिक और पवित्र क्षेत्र में शराब पीते हुए रोका गया। वीडियो के मुताबिक, जब पुलिसकर्मियों ने उसे स्थानीय नियमों का हवाला देते हुए टोका, तो महिला नाराज हो गई और पुलिस पर ही चिल्लाने लगी।

इस दौरान वह यह कहते हुए सुनी गई कि 'तुम्हारी रोज़ी-रोटी हमसे चलती है'। महिला ने दावा किया कि पर्यटक ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा देते हैं। महिला ने यह भी कहा कि वह अपने पैसों से शराब पी रही है और पर्यटकों को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है।

रामपाल को देशद्रोह के केस में मिली जमानत 11 साल बाद जेल से आएंगे बाहर

चंडीगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्वयंभू संत रामपाल को देशद्रोह के एक मामले में जमानत दे दी है। रामपाल को लगभग 11 साल बाद मिली इस राहत से उनके समर्थक काफी खुशी हैं। संत रामपाल फिलहाल हरियाणा के हिसार जेल में बंद हैं। साल 2014 में संत रामपाल की गिरफ्तारी हुई थी। उस दौरान हरियाणा के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम में प्रशासन और समर्थकों के बीच बड़ा टकराव हुआ था।

इस झड़प के दौरान 6 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। इसी मामले से जुड़े विभिन्न आरोपों के तहत संत रामपाल के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए थे, जिनमें देशद्रोह का मामला भी शामिल था। हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद संत रामपाल की जेल से रिहाई अन्य मामलों की कानूनी स्थिति पर निर्भर करेगी, क्योंकि उनके खिलाफ अलग-अलग अदालतों में कई मुकदमे लंबित हैं। बताया जा रहा है कि जमानत की शर्तों का पालन करना उनके लिए अनिवार्य होगा। संत रामपाल सतलोक आश्रम के प्रमुख हैं और उनके अनुयायियों की संख्या देश के कई राज्यों में फैली हुई है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है, वहीं प्रशासनिक स्तर पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है।

रामपाल एक भारतीय आध्यात्मिक उपदेशक और सतलोक आश्रम के संस्थापक हैं। उनका जन्म 1951 में हरियाणा, भारत में हुआ था। धार्मिक नेता बनने से पहले, उन्होंने सिंचाई विभाग में जूनियर इंजीनियर के रूप में काम किया। उन्होंने भगवद गीता, कबीर सागर और अन्य धर्मग्रंथों की व्याख्याओं के आधार पर आध्यात्मिक शिक्षाओं का प्रचार करना शुरू किया। वे 15वीं शताब्दी के संत कबीर की शिक्षाओं का पालन और प्रचार करने का दावा करते हैं। उनके अनुयायी उन्हें एक संत (आध्यात्मिक गुरु) मानते हैं और भक्ति और मोक्ष के उनके दृष्टिकोण में विश्वास करते हैं।

साल 2006 में हरियाणा में रामपाल के अनुयायियों और एक अन्य धार्मिक समूह के बीच झड़पें हुईं, इस घटना की वजह से वह चर्चा में आ गए थे। इसके बाद साल 2014 में हिसार स्थित उनके आश्रम में पुलिस के साथ हिंसक गतिरोध हुआ था, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस को तब रामपाल को गिरफ्तार करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। रामपाल पर गैरकानूनी कारावास बनाने और लोगों को प्रताड़ित करने जैसे कई गंभीर आरोप लगे हैं।

सऊदी क्राउन प्रिंस का डर सच साबित

ईरान ने तोड़ डाला खाड़ी देशों का वर्चस्व, बना मिडिल ईस्ट की महाशक्ति?

तेहरान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद युद्ध के तमाम नतीजों एक नतीजे पर सबसे ज्यादा चर्चा थी। वो ये कि ईरान का या तो वजूद खत्म हो जाएगा या वो खाड़ी के देशों का वर्षों पुराना एकाधिकार खत्म कर देगा। याद कीजिए 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद एक अमेरिकी मीडिया में एक रिपोर्ट आई थी। उसमें कहा गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के लिए बार बार डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया था। इसमें सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा था कि अगर ईरान को ऐसे ही छोड़ दिया गया तो वो और ताकतवर बनकर सामने आएगा। आज वो सच साबित हो गया।

अमेरिका ईरान के वजूद को, उसके अस्तित्व को, उसकी सभ्यता को नहीं मिटा पाया। आने वाले वक्त में क्या होगा किसे खबर लेकिन आज की तारीख में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सामने घुटने पर बैठे नजर आए हैं। उन्होंने ईरान की शर्तों पर समझौता किया है। उनके 'सभ्यता को खत्म कर देंगे' की धमकी से तेहरान डगमगाया नजर नहीं आया। ईरान आज की तारीख में भारी नुकसान के बाद भी इस युद्ध का निर्विवाद विजेता है।

आज के युद्धविराम ने साबित किया है ईरान मिडिल ईस्ट की शक्तियों पर भारी पड़ गया है। खाड़ी देशों की राजनीति पर नजर रखने जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट अली मुस्तफा ने लिखा है 'गल्फ अरब देशों का एकाधिकार अब खत्म हो चुका है। इस क्षेत्र में ईरान एक नई महाशक्ति बनकर उभरा है।' इजरायल वर्षों से ईरान की शक्ति को कुचलने की कोशिश में रहा है लेकिन आज इजरायल में 'मातम' है। इजरायली लीडरशिप को समझ नहीं आ रहा कि इस युद्धविराम पर क्या प्रतिक्रिया दें। विपक्षी नेता यैर लैपिड ने इसे प्रधानमंत्री नेतन्याहू की 'नाकामी' कहा है।

ईरान ने महीने भर से ज्यादा चले इस युद्ध में कतर के रास लाफ़ान एलएनजी प्लांट पर बमबारी कर उसके एक बड़े हिस्से को कम से कम 5 सालों के लिए खत्म कर दिया है। इसके अलावा ईरानी मिसाइल यूएई, सऊदी अरब, कुवैत और खाड़ी के दूसरे हाइड्रोकार्बन-समृद्ध देशों पर कहर बनकर बरसे हैं। सऊदी की तेल कंपनी अरामको पर हमला हुआ और संयुक्त अरब अमीरात पर तो खैर ईरान ने 500 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अपने मुख्य दुश्मन इजरायल को भी पीछे छोड़ दिया।

अमेरिका का घमंड टूटा, मिडिल ईस्ट में नई राजनीति!

ईरान ने अहसास कराया है कि अमेरिका अब कमजोर हो रही महाशक्ति है। मिडिल ईस्ट के देश जो अभी तक अमेरिकी छतरी के नीचे थे वो छतरी अब फट चुकी है। अब मिडिल ईस्ट की राजनीति तेजी से बदलेगी। अब ये देश अमेरिका की 'सुरक्षा पर निर्भर' रहने के बजाय 'रणनीतिक स्वायत्तता' की तरफ बढ़ेंगे। यहां अब चीन आएगा और यकीन मानिए अमेरिका के निकलने की नींव ईरान ने रख दी है।

झरिया में जमीन में पड़ी दरारें, भूधंसान का खतरा

अचानक आई दरारों से लोग दहशत में, घर खाली करने को हुए मजबूर

धनबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। झरिया के चौथाई कुल्ही स्थित धनबाद-सिंदरी मुख्य मार्ग के पास धर्मनगर में अचानक जमीन में पड़ी दरारों ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

इलाके के एक दर्जन से अधिक घरों की दीवारों और फर्श पर लंबी-लंबी दरारें दिखाई देने लगी हैं।जमीन फटने जैसा दृश्य बन गया है, जिससे संभावित भूधंसान का खतरा साफ नजर आने लगा है।

हालांकि अभी तक जमीन धंसी नहीं है, लेकिन दरारों का लगातार चौड़ा होना लोगों में डर पैदा कर रहा है। स्थिति को देखते हुए कई परिवार अपने घरों से सामान निकालकर सुरक्षित जगहों पर जाने लगे हैं।

लोग बताते हैं कि दरारें हर घंटे चौड़ी होती जा रही हैं, जिससे यह अंदेशा बढ़ गया है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है। इलाके में दहशत का माहौल है और लोग रात में घरों के भीतर रहने से भी हिचक रहे हैं।

ईरान से युद्धविराम कर चलते बने ट्रंप अब इजरायल चुकाएगा कीमत

अमेरिका के फैसले से सदमे में नेतन्याहू!

तेल अवीव, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम कर जंग से बाहर निकल आए हैं जबकि सहयोगी इजरायल युद्ध के मैदान से उन्हें हैरान परेशान देख रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जीत का ढिंढोरा पीट दिया है जबकि हकीकत ये है कि ईरान ने अमेरिका की एक भी शर्त नहीं मानी। उल्टा होर्मुज स्ट्रेट पर अब तेहरान का कंट्रोल भी हो चुका है। इजरायल में सदमा है। विपक्षी नेता ने नेतन्याहू पर नाकामी के आरोप लगाए हैं। इजरायली अखबार देश की सरकार से कठिन सवाल पूछ रहे हैं।

अखबारों में पूछा गया है कि क्या वाकई ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोल रहा है? क्योंकि ईरान ने तो आधिकारिक बयान में जहाजों के गुजरने के लिए शर्तें लगा दी हैं। बिना ईरान सेना की इजाजत के कोई भी जहाज होर्मुज से निकल नहीं सकते। युद्धविराम होने के बाद भी ईरान की तरफ से मध्य इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की गईं। इजरायल की इंटेलिजेंस कम्युनिटी को पहले से ही अंदाजा था कि अगर सीजफायर होता है तो इस तरह के हमले हो सकते हैं। ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठन संदेश दे रहे हैं कि वो जीत चुके हैं और इजरायल में पूछा जा रहा है कि युद्ध से क्या हासिल हुआ है। ईरान के पास जो 450 किलो संवर्द्धित यूरेनियम है वो कहां हैं? क्या ईरान ने लिखकर दिया है कि वो भविष्य में परमाणु बम नहीं बनाएगा? इन सवालों का जवाब है नहीं। ईरान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने न्यूज एजेंसियों के जरिए एक 10-सूत्रीय योजना जारी की जिसे वॉशिंगटन को सौंपा गया और डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह योजना बातचीत का आधार बन सकती है। इजरायल ट्रंप के ऐलान से ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

इजरायली अखबार ynet ने लिखा है कि ईरान ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के सामने रखी गई अपनी किसी भी मांग से पीछे नहीं हटा है। हो सकता है कि आने वाले दो हफ्तों में तेहरान का रुख थोड़ा नरम पड़ जाए लेकिन फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति के आशावादी होने की कोई खास वजह नहीं है। ट्रंप बस तनाव कम करने का कोई रास्ता तलाश रहे थे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तानी मध्यस्थों ने उन्हें वह अवसर प्रदान कर दिया है।

सीजफायर खामेनेई की शहादत का नतीजा

ईरानी राष्ट्रपति बोले- इस्लामाबाद में शांति वार्ता में हिस्सा लेगा ईरान

तेहरान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को अमेरिका-ईरान सीजफायर की तारीफ करते हुए इसे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बलिदान का नतीजा बताया। उन्होंने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात भी की है। इस दौरान उन्होंने इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ पाकिस्तान की पहल पर होने वाली शांति वार्ता में तेहरान की भागीदारी की पुष्टि की। इस वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालना है। पेजेशकियन ने X पर लिखा, यह सीजफायर, जिसमें ईरान की चाही गई आम शर्तों को मान लिया गया है, हमारे महान शहीद लीडर खमेनेई के खून का फल है और यह लोगों की एकजुटता की जीत है। उन्होंने आगे कहा, आज से हम हमेशा साथ रहेंगे। चाहे कूटनीति के क्षेत्र में हो, चाहे रक्षा के क्षेत्र में, चाहे सड़कों पर, और चाहे सेवा देने के क्षेत्र में।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि बुधवार दोपहर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन कॉल पर बातचीत हुई। यह बातचीत 45 मिनट से ज्यादा चली। पीएमओ के बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने इस बात की पुष्टि की कि ईरान इस्लामाबाद में होने वाली वार्ताओं में भाग लेगा। अमेरिका ने अभी तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले इस वार्ता में अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है, जिसके लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 10 अप्रैल (शुक्रवार) का निमंत्रण भेजा था।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने बुधवार को इससे पहले कहा था कि जब तक राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस द्वारा कोई घोषणा नहीं की जाती, तब तक कुछ भी अंतिम नहीं माना जाता।

अमेरिका की सबसे खतरनाक मिसाइल थी तैयार

ट्रिगर पर थी ईरानी उंगलियां, तभी 90 मिनट पहले चीन ने बदला खेल

वॉशिंगटन/तेहरान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ने मंगलवार को ईरान को सबसे बड़ी धमकी दी कि अगर ईरान ने अमेरिका की मांग नहीं मानी तो आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी। ईरान ने भी झुकने से इनकार कर दिया था और सभी कूटनीतिक संपर्क तोड़ने की घोषणा कर दी। लेकिन इसके लगभग 10 घंटे बाद ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा कर दी, जिसने ईरान ने भी स्वीकार कर लिया। हालांकि, सीजफायर की घोषणा भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है, लेकिन पर्दे के पीछे यह एक अहम कूटनीतिक रेस थी। इसमें आखिरी समय में चीन की एंट्री के बाद ही यह समझौता पक्का हो पाया। अगर ऐसा न होता तो ईरान में तबाही के लिए ट्रंप ने पूरी तैयारी कर ली थी।

रिपोर्टों से पता चलता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले के लिए अपनी सबसे खतरनाक मिसाइलों में से एक तैयार कर ली थी। ब्लूमबर्ग ने बताया कि अमेरिकी सैन्य अभियान के अगले चरण में स्टील्थ (जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइल एक्सटेंडेड रेंज) क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल करने की योजना थी। यह मिसाइल 950 किमी की दूरी पर मौजूद लक्ष्यों पर हमला कर सकती है।

इसे दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम से बचने के लिए सुरक्षित दूरी से हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

हालांकि, आखिरी पलों में किए गए तेज कूटनीतिक प्रयासों के चलते युद्धविराम समझौता संभव हो गया। डिप्लोमैटिक सूत्रों का कहना है कि चीन के दखल के बिना शायद इस सफलता का मिलना मुश्किल था।

चीन को ईरान के सबसे अहम सहयोगियों में गिना जाता है, लेकिन एक महीने तक चली जंग के दौरान वह खामोश खिलाड़ी बना रहा। इस महीने की शुरुआत में वह तब सामने आया, जब मध्यस्थता की कोशिश कर रहे पाकिस्तान ने चीन से मदद मांगी।

ट्रंप ने भी हिचकिचाते हुए ही सही, चीन का रोल स्वीकार किया। जब एएफपी ने ट्रंप से पूछा कि क्या ईरान पर बातचीत के लिए दबाव डालने में चीन की कोई भूमिका थी, तो उन्होंने कहा, हां, मैंने भी ऐसा ही सुना है। चीन ने ईरान को मनाया।

समाचार एजेंसी एपी ने दो चीनी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रंप की डेडलाइन करीब आने पर चीन ने सीधे ईरान से संपर्क साधा। रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन का ईरान पर सीधा प्रभाव है। सीजफायर की घोषणा से कुछ घंटे पहले चीन और रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव को रोक दिया।

अदालत में मौजूद नहीं हुए गवाह तो गिरेगी पुलिस अधिकारियों पर गाज

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यदि अदालत में गवाहों के गैरमौजूद होने के कारण अपराधी बरी हुए तो संबंधित पुलिस अधिकारी की खैर नहीं। ऐसा होने पर संबंधित इलाके के थानेदार और मामले के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में पुलिस को निर्देश मिलने के बाद राजधानी रांची की पुलिस ने अब आपराधिक मामलों में गवाही नहीं देने वाले गवाहों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है।

रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने पांच-दस साल से लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने इसमें अपना ध्यान उन गवाहों पर केंद्रित किया, जिनकी गवाही अभी तक दर्ज नहीं हो सकी है। समीक्षा बैठक में देखा गया कि किन गवाहों के विरुद्ध न्यायालय की ओर से समन जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वे तामील नहीं हुए हैं। इसके बाद सभी थाना प्रभारियों को साफ निर्देश दिए गए कि वे समन की तामील में तेजी लाएं। इसके साथ यह भी सुनिश्चित करें कि गवाह अदालत में समय पर उपस्थित रहें।

एसएसपी के मुताबिक न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब को प्राथमिकता से रोकना है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि अदालती कार्रवाई आगे बढ़ सके।

अब निर्देशों के मुताबिक थाना प्रभारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि मामले से जुड़े सभी गवाह तय समय पर कोर्ट में मौजूद रहें। उन्होंने इसके लिए गवाहों की निगरानी करनी होगी और आवश्यक होने पर गवाहों से संपर्क करके उन्हें न्यायलय तक लाने का इंतजाम भी करना होगा।

ब्रिटेन में 'आंटी' कहना पड़ा भारी

भारतीय मूल की महिला ने जीता केस, नर्स को लगा भारी जुर्माना

लंदन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कार्यस्थल पर बातचीत के दौरान हम अक्सर सम्मान देने के लिए 'आंटी' या 'अंकल' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेशेवर जगह पर बिना मर्जी के किसी को 'आंटी' कहना कानूनी मुसीबत बन सकता है? ब्रिटेन में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां भारतीय मूल की एक स्वास्थ्यकर्मी ने खुद को 'आंटी' बुलाए जाने पर केस जीत लिया है।

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) में 61 वर्षीय इल्डा एस्तेवेस हेल्थकेयर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं। उनके साथ काम करने वाले नर्स चार्ल्स ओपोंग उन्हें बार-बार 'आंटी' कहकर संबोधित करते थे। इल्डा को यह संबोधन पसंद नहीं था। उन्होंने स्पष्ट रूप से ओपोंग से कहा था कि वे उन्हें उनके नाम से बुलाएं। इसके बावजूद, ओपोंग ने अपनी आदत नहीं बदली। उन्हें सार्वजनिक जगहों जैसे कॉरिडोर और ऑफिस में 'आंटी' कहना जारी रखा। इतना ही नहीं, ओपोंग ने इल्डा से एक अन्य बुजुर्ग सहकर्मी के साथ 'जोड़ी' बनाने की बात भी कही थी। इन बातों से आहत होकर इल्डा ने वॉटफोर्ड एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल में शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान घाना मूल के नर्स ओपोंग ने तर्क दिया कि उनकी संस्कृति में उम्र में बड़ी महिलाओं को सम्मान देने के लिए 'आंटी' कहा जाता है। कोर्ट ने इस सांस्कृतिक पहलू को स्वीकार तो किया, लेकिन इसे उत्पीड़न के दायरे से बाहर नहीं माना। जज जॉर्ज एलीओट की अध्यक्षता वाले पैनल ने कहा कि ओपोंग का मकसद 'भद्दा मजाक' करना था। कोर्ट ने माना कि जब किसी कर्मचारी ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी खास शब्द से संबोधित न किया जाए, तो बार-बार वही शब्द दोहराना एक अपमानजनक माहौल पैदा करता है। कोर्ट ने इसे उम्र और लिंग के आधार पर उत्पीड़न माना।

ट्रिब्यूनल ने वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को आदेश दिया है कि वे इल्डा एस्तेवेस को उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के बदले मुआवजे के रूप में 1,425.15 पाउंड यानी करीब 1.5 लाख रुपये का भुगतान करें। हालांकि, इल्डा की ओर से लगाए गए नस्लीय भेदभाव और वेतन कटौती के अन्य आरोपों को कोर्ट ने खारिज कर दिया।

अज्ञात महिला का अधजला शव मिला

गिरिडीह, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के तीसरी प्रखंड स्थित लोकायनयनपुर थाना क्षेत्र के लेढवा पहाड़ी जंगल में मंगलवार को सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिला। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की स्थिति इतनी खराब थी कि उसकी पहचान नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जंगल के रास्ते से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने सबसे पहले सड़क किनारे पड़े अधजले शव को देखा। उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

लोकायनयनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की। पुलिस आसपास के जंगल और सड़क किनारे साक्ष्य जुटाने के लिए तलाशी अभियान चला रही है।

बदल गया ईरान! ट्रंप बोले- नहीं करेगा यूरेनियम संवर्धन

हथियार देने वाले देशों पर 50 फीसद टैरिफ

वॉशिंगटन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका और ईरान एक साथ काम करेंगे। उन्होंने ईरान में सत्ता परिवर्तन करने का भी दावा किया। इसके अलावा ट्रंप ने ईरान से यूरेनियम बाहर निकालने की भी बात कही है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि जो देश ईरान को हथियार बेचेगा, उस पर अमेरिका तत्काल प्रभाव के 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, अमेरिका ईरान के साथ मिलकर काम करेगा, जिसके बारे में हमने यह तय किया है कि वह एक बहुत ही सफल 'सत्ता परिवर्तन' के दौर से गुजरा है! अब यूरेनियम का संवर्धन नहीं किया जाएगा। अमेरिका, ईरान के साथ मिलकर, जमीन में बहुत गहराई में दबी हुई (बी-2 बॉम्बर्स) सारी परमाणु धूल को खोदकर बाहर निकाल देगा। यह अभी भी, और पहले से ही, बहुत ही कड़ी सैटेलाइट निगरानी के तहत है।

हमले की तारीख से लेकर अब तक किसी भी चीज को छुआ नहीं गया है। हम ईरान के साथ टैरिफ और प्रतिबंधों में राहत देने के मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं, और आगे भी करते रहेंगे। 15 में से कई बिंदुओं पर पहले ही सहमति बन चुकी है।

ट्रंप ने इसके बाद ट्रूथ सोशल पर एक दूसरा पोस्ट किया। इसमें लिखा, जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार सप्लाई करेगा, उसके द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका को बेचे जाने वाले सभी सामानों पर तत्काल प्रभाव से 50% का टैरिफ (शुल्क) लगा दिया जाएगा। इसमें कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी! राष्ट्रपति डीजेटी।

भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम का बुधवार को स्वागत किया और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए ''तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति'' का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। हम पहले भी कहते रहे हैं कि मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।''

मंत्रालय ने कहा, ''इस संघर्ष ने पहले ही लोगों को अत्यंत पीड़ा पहुंचाई है तथा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क को बाधित किया है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध नौवहन और वैश्विक व्यापार जारी रहेगा। ईरान और अमेरिका सशर्त युद्धविराम पर सहमत हुए हैं, जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों के लिए खोलना शामिल है।

बिहार से 6 ज्योतिर्लिंगों और शिरडी तक का सफर आसान

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। धार्मिक यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक खुशखबरी है। बिहार और झारखंड के वो यात्री, साथ में बक्सर जिले से सटे यूपी के बलिया के भी यात्रियों के लिए भारतीय रेल खुशखबरी लेकर आया है।

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड ने छह ज्योतिर्लिंग और शिरडी दर्शन के लिए विशेष ट्रेन के परिचालन की घोषणा की है। ये ट्रेन 11 मई, 2026 से अपनी यात्रा शुरू करेगी। 12 दिनों में ये ट्रेन देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर लोगों को मंदिरों और वहां के धामों का दर्शन कराएगी। इस यात्रा में सबसे खास बात ये है कि एक ही पैकेज में यात्रियों को सारी सुविधा मिलेगी। भारतीय रेल और आईआरसीटीसी की ओर से संचालित ये टूर पैकेज झारसुगुड़ा से शुरू होगा और कुल 11 रात और 12 दिन का सफर होगा।

इस यात्रा के दौरान श्रद्धालु 6 ज्योतिर्लिंगों का दर्शन कर पाएंगे। जिसमें उज्जैन का महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात का सोमनाथ मंदिर, द्वारका के द्वारकाधीश मंदिर और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग शामिल है।

इसके अलावा ट्रेन महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर, नाशिक के त्रंयबकेश्वर ज्योतिर्लिंग और औरंगाबाद के घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग का भी दर्शन कराएगी। एक ही यात्रा में श्रद्धालु कई पवित्र और प्रसिद्ध धामों का दर्शन कर पाएंगे।

14 साल छोटे-बॉयफ्रेंड ने महिला का मंगलसूत्र से गला घोंटा

रायगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 14 साल छोटे उम्र के बॉयफ्रेंड ने शादीशुदा महिला का मर्डर कर दिया। महिला अपने पति को छोड़ चुकी थी और प्रेमी संग पिछले 4 साल से लिव-इन में रह रही थी।

वह अक्सर बीमार रहती थी। 1 अप्रैल को समय पर दवाई नहीं खाती इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। जिसके बाद गुस्से में आकर प्रेमी ने पहले तो थप्पड़ जड़ा फिर मंगलसूत्र से गला घोंटकर मार डाला।

मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। प्रेमी ने मारने की बात छुपाई थी, अस्पताल ने थाने में सूचना दी, जांच के बाद हत्या का खुलासा हुआ। जानकारी के अनुसार, किरोड़ीमल नगर क्षेत्र में रहने वाली धनेश्वरी विश्वकर्मा (40 साल) की 1 अप्रैल को जिंदल अस्पताल में अचानक मौत हो गई। इसकी सूचना कोतरा रोड थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया। मंगलवार (7 अप्रैल) को आई रिपोर्ट में डॉक्टरों ने बताया कि गले पर दबाव पड़ने से दम घुटने के कारण उसकी मौत हुई है। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान परिजनों से पूछताछ में पता चला कि धनेश्वरी की शादी अकलतरा के पोड़ीभाठा निवासी मनोज विश्वकर्मा से हुई थी। लेकिन करीब 4 साल पहले पति से परेशान होकर वह अपने मायके किरोड़ीमल नगर में रहने लगी थी। इसी दौरान उसकी पहचान विकेश बरैठ (26 साल) से हुई। दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और करीब 4 साल से किरोड़ीमल नगर में लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे। धनेश्वरी बीच-बीच में बीमार रहती थी और उसका इलाज विकेश कराता था। करीब एक महीने से उसकी तबीयत ज्यादा खराब थी। इसी बीच उसके पति मनोज विश्वकर्मा के साथ तलाक का मामला भी चल रहा था। 1 अप्रैल को विकेश, धनेश्वरी के साथ था। संदेह के आधार पर डीएसपी अजय नागवंशी ने विकेश से पूछताछ की। काफी पूछताछ के बाद विकेश ने कबूल कर लिया कि उसने धनेश्वरी का गला उसके मंगलसूत्र से दबाकर हत्या की।

बीजेपी के राजनैतिक एजेंडे का हिस्सा है धर्म स्वातंत्र्य बिल

दीपक बैज ने पूछा- आरक्षण विधेयक पर कब होंगे राज्यपाल के साइन

रायपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर राज्यपाल के साइन हो गए हैं। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यह विधेयक बीजेपी के राजनैतिक एजेंडे का हिस्सा था इसलिए बिना कानूनी पहलू का परीक्षण किये ही राज्यपाल ने हस्ताक्षर कर दिया। इस विधेयक के प्रावधान राज्य के विषय क्षेत्र से बाहर था इसे तो राष्ट्रपति के पास अनुमोदन के लिये भेजा जाना था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जब धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर राज्यपाल का हस्ताक्षर हो गया है यह कानून का रूप धारण कर चुका है तो यह उम्मीद की जाती है कि इस कानून का दुरूपयोग सरकार किसी वर्ग के मौलिक और संवैधानिक अधिकारों के हनन का माध्यम नहीं बनेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजभवन में पिछले साढ़े तीन साल से छत्तीसगढ़ आरक्षण संशोधन भी लंबित है। सरकार में उस विधेयक पर अध्ययन के लिये कमेटी भी बनाई है। उस विधेयक के संबंध में सरकार पहल कर राज्यपाल के हस्ताक्षर करवाने के लिये प्रयास क्यों नहीं करती है? धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भाजपा के एजेंडे से जुड़ा था तो इस पर तुरंत हस्ताक्षर हो गया आरक्षण संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर क्यों नहीं हो रहा है?

तिरुवरुप्पु में कान्हा का दिन में लगता है 10 बार भोग

देर होने पर कमजोर हो जाती है 'रहस्यमयी प्रतिमा'

देशभर में कई प्राचीन मंदिर हैं, जहां भगवान श्री कृष्ण अलग-अलग अवतारों में भक्तों के कष्टों को हरते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि केरल की धरती पर ऐसा मंदिर मौजूद है, जो साल के 365 दिन दर्शन के लिए खुला रहता है और ग्रहण लगने पर भी मंदिर में पूजा-पाठ बंद नहीं होता। हम बात कर रहे हैं केरल के तिरुवरप्पु श्री कृष्ण मंदिर की। मान्यता है कि यहां श्रीकृष्ण के दर्शन करने मात्र से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और हर कष्ट से मुक्ति मिलती है। साथ ही दिन में 10 बार भोग भी लगाया जाता है। अगर भोग लगाने में देरी हो जाती है तो प्रतिमा कमजोर हो जाती है।

10 बार लगता है भोग

थिरुवरप्पु बस स्टैंड के पास स्थित तिरुवरप्पु श्री कृष्ण मंदिर को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रसिद्ध हैं। यह पहला मंदिर है, जहां भगवान श्रीकृष्ण को दिन में 10 बार भोग अर्पित किया जाता है, और अगर भोग अर्पित करने में देरी होती है, तो भगवान की प्रतिमा पतली हो जाती है और कमर पर बंधा कमरबंध भी अपनी जगह से खिसकने लगता है। यही कारण है कि ग्रहण के समय भी भगवान को लगातार भोग लगता रहता है।

ग्रहण में भी खुले रहते हैं कपाट

स्थानीय लोक मान्यताओं की मानें तो एक बार ग्रहण की वजह से मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए थे और अगले दिन सुबह जब मंदिर के कपाट खोले गए तो भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा एक दिन में ही कमजोर दिखने लगी थी और कमरबंध कमर से नीचे खिसक गया था। तब से लेकर अब तक मंदिर को रात को नौ बजे बंद किया जाता है और सुबह 2 बजे खोल दिया जाता है। भगवान को पहला भोग सुबह 3 बजे अर्पित किया जाता है।

मंदिर में कुल्हाड़ी रखने की परंपरा

मंदिर में कुल्हाड़ी रखने की परंपरा भी सदियों से चली आ रही है। कुल्हाड़ी रखने के पीछे का कारण है कि अगर मंदिर और गर्भगृह के ताले किसी कारणवश नहीं खुल पाते हैं, तो कुल्हाड़ी की सहायता से ताले और दरवाजे को तोड़ा जा सके। गर्भगृह में मौजूद कृष्ण जी की प्रतिमा भी बहुत खास है, जो काले रंग की है और पीले वस्त्रों और आभूषणों से उनका शृंगार किया गया है। प्रतिमा की चार भुजाएं हैं, जो शंख और अस्त्र धारण किए हुए हैं।

कंस का वध करने के बाद यहां आए थे कृष्णजी

माना जाता है कि यह स्वंयभू प्रतिमा पांडवों को मिली थी, जिसे उन्होंने एक संत को स्थापित करने के लिए दिया था। यह प्रतिमा भगवान के उस रूप को दिखाती है, जब उन्होंने कंस का वध किया था। कंस का वध करने के बाद श्री कृष्ण को बहुत तेज भूख लगी थी और अपनी भूख को शांत करने के लिए वे इसी स्थल पर आए थे। मंदिर के परांगण में अन्य मंदिर भी मौजूद हैं। परिसर में कोचंबलम मंदिर, शिव मंदिर, गणपति, सुबरमणियार और सास्ता के मंदिर भी मौजूद हैं।

पुस्तकें सिर्फ ज्ञान ही नहीं देतीं बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का सही रास्ता भी दिखाती हैं

नियमित रूप से अच्छी पुस्तकें पढ़नी चाहिए। ये हमें सिर्फ ज्ञान ही नहीं देतीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का सही रास्ता भी दिखाती हैं। किताबों से हमें समझ आता है कि जीवन में क्या सही है और क्या गलत। पुस्तकें हमें सिखाती हैं कि सच क्या है और हम अच्छे इंसान कैसे बन सकते हैं। किताबें मन को शांत करती हैं। अच्छी किताबें हमें अच्छे विचार देती हैं।

क्या सच में कुबेर पहले चोर थे? स्कंद पुराण की रहस्यमयी कहानी

धन, समृद्धि और वैभव हर व्यक्ति के जीवन में इनकी अपनी अहमियत होती है। यही वजह है कि जब भी आर्थिक सुख-समृद्धि की बात होती है, तो सबसे पहले कुबेर देव का नाम सामने आता है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर कुबेर देव को ही धन का देवता क्यों कहा जाता है? यह सवाल जितना सरल लगता है, उसका जवाब उतना ही रोचक और अप्रत्याशित है। सनातन परंपराओं में कुबेर का स्थान बेहद खास है, खासकर धनतेरस जैसे अवसरों पर उनकी पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। आम मान्यता है कि कुबेर की कृपा जिस घर पर पड़ती है, वहां कभी आर्थिक तंगी नहीं रहती।

दिलचस्प बात यह है कि कुबेर देव की यह प्रतिष्ठा उन्हें जन्म से नहीं मिली थी, बल्कि इसके पीछे एक ऐसी कथा जुड़ी है जो इंसान की गलतियों, सुधार और भाग्य के अनोखे मेल को दर्शाती है। स्कंद पुराण और रामायण जैसे ग्रंथों में इस रहस्य का उल्लेख मिलता है, जो इस कहानी को और भी जीवंत बना देता है।

कौन हैं कुबेर देव?

कुबेर देव को हिंदू धर्म में धन के अधिपति और यक्षों के राजा के रूप में जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वे लंकापति रावण के सौतेले भाई थे। उनके पिता महर्षि विश्रवा और माता देववर्णिणी थीं। कुबेर को उत्तर दिशा का दिक्पाल भी माना जाता है, यानी वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को उनकी दिशा कहा जाता है। यही कारण है कि घर या दुकान में तिजोरी या धन रखने का स्थान अक्सर उत्तर दिशा में रखने की सलाह दी जाती है।

एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि कुबेर केवल धन के संरक्षक ही नहीं, बल्कि भगवान शिव के परम भक्त भी माने जाते हैं। उनकी भक्ति और तपस्या ने ही उन्हें देवताओं के खजांची का पद दिलाया।

गुणनिधि की कहानी

स्कंद पुराण के अनुसार, कुबेर का पूर्व जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका नाम गुणनिधि था। नाम के विपरीत, उनके स्वभाव में एक बड़ी कमी थी उन्हें चोरी की आदत लग गई थी। जब उनके पिता को इस बात का पता चला, तो उन्होंने गुणनिधि को घर से निकाल दिया। घर से बेघर होने के बाद वह इधर-उधर भटकने लगे। एक दिन उनकी नजर एक शिव मंदिर पर पड़ी, जहां उन्होंने प्रसाद चुराने की योजना बनाई।

एक छोटी घटना, बड़ा परिणाम

मंदिर में एक पुजारी सो रहा था। चोरी को आसान बनाने के लिए गुणनिधि ने दीपक के सामने अपना अंगोछा फैला दिया ताकि रोशनी कम हो जाए और वह पकड़े न जाएं। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पुजारी जाग गया और उसने गुणनिधि को पकड़ लिया। दोनों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें गुणनिधि की मृत्यु हो गई।

अब कहानी यहां मोड़ लेती है जब यमदूत उनके प्राण लेने आए, उसी समय भगवान शिव के गण भी वहां पहुंचे। शिव के गण गुणनिधि को भगवान शिव के सामने ले गए। भगवान शिव ने देखा कि गुणनिधि ने अनजाने में ही दीपक को बुझने से बचाया था। इस छोटे से कार्य को उन्होंने भक्ति के रूप में स्वीकार किया। इसी से प्रसन्न होकर शिव ने गुणनिधि को कुबेर बनने का आशीर्वाद दिया और उन्हें देवताओं के धन का रक्षक बना दिया।

रामायण में भी कुबेर की तपस्या का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि उन्होंने हिमालय में कठोर तप किया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव और माता पार्वती उनके सामने प्रकट हुए। एक प्रसंग के अनुसार, कुबेर ने पार्वती को बाएं नेत्र से देखा, जो उनके तेज को सहन नहीं कर पाया और नष्ट हो गया। इसके बाद शिव ने उन्हें "एकाक्षी पिंगल" नाम दिया।

कुबेर की भक्ति और तपस्या से प्रभावित होकर भगवान शिव ने उन्हें अपार धन और यश का वरदान दिया। यही कारण है कि उन्हें देवताओं का खजांची कहा जाता है।

आज के समय में कुबेर पूजा का महत्व

आज भी लोग धनतेरस और दीपावली के अवसर पर कुबेर देव की पूजा करते हैं। व्यापारियों से लेकर आम गृहस्थ तक, हर कोई उनकी कृपा चाहता है।

वास्तु और ज्योतिष में भी कुबेर का महत्व बताया गया है। माना जाता है कि अगर घर की उत्तर दिशा साफ-सुथरी और व्यवस्थित रखी जाए, तो आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

10 मुखी रुद्राक्ष के चमत्कारी फायदे

रुद्राक्ष को हमेशा से आध्यात्मिक शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना गया है, लेकिन जब बात 10 मुखी रुद्राक्ष की आती है तो इसकी खासियत और भी बढ़ जाती है। कहा जाता है कि यह रुद्राक्ष भगवान विष्णु का रूप माना जाता है और इसे धारण करने से जीवन में आने वाली कई तरह की परेशानियां धीरे धीरे खत्म होने लगती हैं। आज के समय में जब हर व्यक्ति किसी ना किसी तनाव, डर या मानसिक दबाव से गुजर रहा है, ऐसे में 10 मुखी रुद्राक्ष एक प्राकृतिक और आध्यात्मिक सहारा बन सकता है। इसे पहनने से ना सिर्फ मन को शांति मिलती है बल्कि नकारात्मक ऊर्जा से भी सुरक्षा मिलती है। बहुत से लोग इसे बुरी नजर, डर और अनजाने खतरे से बचने के लिए पहनते हैं।

खास बात यह है कि इसे पहनने के लिए किसी खास नियम या पूजा की जरूरत नहीं होती, इसलिए कोई भी इसे आसानी से धारण कर सकता है। अगर आप भी अपने जीवन में संतुलन और सुरक्षा चाहते हैं, तो 10 मुखी रुद्राक्ष के फायदे जानना आपके लिए जरूरी है। इस बारे में विस्तार से बता रहे हैं ज्योतिषाचार्य अंशुल त्रिपाठी।

10 मुखी रुद्राक्ष वह होता है जिसमें ऊपर से नीचे तक दस साफ रेखाएं होती हैं। यही इसकी पहचान होती है। इसे बहुत शक्तिशाली माना जाता है क्योंकि यह सभी दिशाओं में सुरक्षा प्रदान करता है। कई लोग इसे खास तौर पर मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए पहनते हैं।

नकारात्मक ऊर्जा से बचाव

10 मुखी रुद्राक्ष का सबसे बड़ा फायदा यह माना जाता है कि यह नकारात्मक ऊर्जा से बचाव करता है। अगर किसी को बार बार डर लगता है या उसे ऐसा महसूस होता है कि आसपास का माहौल ठीक नहीं है, तो यह रुद्राक्ष एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। इसे पहनने से मन में पॉजिटिव सोच बढ़ती है और डर धीरे धीरे कम होने लगता है।

मानसिक शांति और तनाव में राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। 10 मुखी रुद्राक्ष को पहनने से मन शांत रहता है और तनाव कम करने में मदद मिलती है। जो लोग ज्यादा चिंता करते हैं या नींद की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए यह काफी फायदेमंद माना जाता है।

आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद

कई बार हम अपने काम को लेकर आत्मविश्वास की कमी महसूस करते हैं। ऐसे में 10 मुखी रुद्राक्ष पहनने से अंदर से एक अलग तरह की पॉजिटिव एनर्जी महसूस होती है। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपने फैसले बेहतर तरीके से ले पाता है।

करियर और बिजनेस में लाभ

यह रुद्राक्ष उन लोगों के लिए भी अच्छा माना जाता है जो अपने करियर या बिजनेस में आगे बढ़ना चाहते हैं। इसे पहनने से काम में फोकस बढ़ता है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है। इससे सफलता के मौके भी बढ़ सकते हैं।

बुरी नजर और अनजाने डर से सुरक्षा

बहुत से लोग मानते हैं कि 10 मुखी रुद्राक्ष पहनने से बुरी नजर का असर कम होता है। अगर किसी को बार बार डर लगता है या अनजानी चिंता बनी रहती है, तो यह रुद्राक्ष उसे मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

पहनने का सही तरीका

10 मुखी रुद्राक्ष को आप गले में या हाथ में पहन सकते हैं। इसे पहनने से पहले साफ पानी से धो लेना चाहिए। अगर संभव हो तो सोमवार के दिन इसे पहनना अच्छा माना जाता है। इसे पहनते समय मन में सकारात्मक विचार रखना जरूरी है।

क्यों ट्राय करना चाहिए 10 मुखी रुद्राक्ष

अगर आप अपने जीवन में शांति, सुरक्षा और संतुलन चाहते हैं, तो 10 मुखी रुद्राक्ष एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

यह ना सिर्फ आध्यात्मिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाने में मदद करता है।

राम से पहले के पूर्वज: जानिए भगवान राम की 63 पीढ़ियों के बारे में नाम के साथ

भगवान राम की वंशावली

-ब्रह्माजी के पुत्र मरीचि.
-मरीचि के पुत्र कश्यप.
-कश्यप के पुत्र विवस्वान.
-विवस्वान के पुत्र वैवस्वत मनु.
-वैवस्वत मनु के पुत्र इक्ष्वाकु.
-इक्ष्वाकु के पुत्र कुक्षि.
-कुक्षि के पुत्र विकुक्षि.
-विकुक्षि के पुत्र बाण.
-बाण के पुत्र अनरण्य.
-प्रथु के पुत्र त्रिशंकु.
-त्रिशंकु के पुत्र धुंधुमार.
-धुंधुमार के पुत्र युवनाश्व.
-युवनाश्व के पुत्र मांधाता.
-मांधाता के पुत्र सुसंधि.

राम मंदिर के उद्घाटन की चर्चा के बीच एक सवाल बार-बार सामने आ रहा है-क्या हम सच में भगवान राम के बारे में सब कुछ जानते हैं? बचपन से हमने रामायण की कहानियां सुनीं, राम के आदर्शों को समझा, लेकिन उनके परिवार और वंश के बारे में अक्सर बहुत कम बात होती है। दिलचस्प बात यह है कि राम सिर्फ एक राजा या अवतार नहीं थे, बल्कि एक लंबी और समृद्ध परंपरा के वारिस थे। जैसे हम इतिहास में मुगलों या अन्य राजवंशों की कई पीढ़ियों के बारे में पढ़ते हैं, वैसे ही राम का भी एक विस्तृत वंश रहा है, जो हजारों साल पुरानी मान्यताओं से जुड़ा है। इस लेख में हम उसी वंश की 63 पीढ़ियों को सरल और समझने लायक तरीके से जानेंगे।

राम का वंश: सिर्फ एक नाम नहीं, एक परंपरा

जब हम रामायण की बात करते हैं, तो ध्यान अक्सर राम, सीता और रावण पर ही रहता है, लेकिन राम जिस इक्ष्वाकु वंश में जन्मे, वह अपने आप में एक बड़ी कहानी है। यह वंश सूर्यवंश के नाम से भी जाना जाता है, जहां हर पीढ़ी में एक ऐसा राजा हुआ जिसने समाज के लिए कुछ अलग किया। राम के पिता दशरथ थे, लेकिन उनके पहले भी कई महान राजा हुए जिन्होंने इस वंश को आगे बढ़ाया। यही वजह है कि राम को सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक परंपरा का प्रतिनिधि माना जाता है।

अगर आप गौर करें, तो आज भी कई परिवार अपने "कुल वृक्ष" यानी फैमिली ट्री बनाते हैं। गांवों में बुजुर्ग आज भी अपने दादा-परदादा के नाम गिनाते हैं। यही परंपरा पहले भी थी, बस तब उसे ज्यादा व्यवस्थित तरीके से याद रखा जाता था। राम की वंशावली इसी परंपरा का एक बड़ा उदाहरण है, जो दिखाता है कि इंसान हमेशा अपनी जड़ों से जुड़ा रहना चाहता है।

सुसंधि के दो पुत्र हुए- ध्रुवसंधि एवं प्रसेनजित

-ध्रुवसंधि के पुत्र भरत।
-भरत के पुत्र असित।
-असित के पुत्र सगर।
-सगर के पुत्र असमञ्ज।
-असमंज के पुत्र अंशुमान।
-अंशुमान के पुत्र दिलीप।
-दिलीप के पुत्र भगीरथ।
-भगीरथ के पुत्र ककुत्स्थ।
-ककुत्स्थ के पुत्र रघु।
-रघु के पुत्र प्रवृद्ध थे।
-प्रवृद्ध के पुत्र शंखण।
-शंखण के पुत्र सुदर्शन।
-सुदर्शन के पुत्र अग्निवर्ण।
-अग्निवर्ण के पुत्र शीघ्रग।
-शीघ्रग के पुत्र मरु।
-मरु के पुत्र प्रशुश्रुक।
-प्रशुक के पुत्र अंबरीश।
-अंबरीश के पुत्र नहुष।
-नहुष के पुत्र ययाति।
-ययाति के पुत्र नाभाग।
-नाभाग के पुत्र अज।
-अज के पुत्र राजा दशरथ।
-राजा दशरथ के चार पुत्र हुए- श्रीरामचंद्र, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न।
-भगवान श्रीरामचंद्र के दो पुत्र लव और कुश हुए। आम जिंदगी से जुड़ा एक नजरिया है।

बुढ़ापे में कम से कम इतना जरूर करें कि मन हल्का रखें

आजकल की पीढ़ी के मुंह से कभी-कभी यह बात सुनाई देती है कि मैं चीजों को दिल पर नहीं लेता या लेती हूं। यानी ये लोग जिम्मेदारियों को भी बहुत लाइटली ले लेते हैं। कहते हैं कि दिल पर लेना भी फायदेमंद होता है। कभी-कभी दर्द भी जुनून पैदा करता है।

अब हम इसी बात को पुरानी पीढ़ी से जोड़ें। आज के वृद्ध लोगों ने जो उम्र गुजारी है, उसमें उन्हें कई दर्द मिले होंगे। और मनुष्य के स्वभावानुसार वो दर्द को समेट कर रखता है। जबकि बुढ़ापे में तो यह अटाला सबसे पहले बेच देना चाहिए।

बूढ़े व्यक्तियों को अपना पारिवारिक जीवन ऐसे बिताना चाहिए, जैसे ट्रेन में बैठकर जब हम खिड़की से बाहर दृश्य देखते हैं तो दृश्य लगातार गुजरते जाते हैं और हम सिर्फ बैठे-बैठे मजा लेते हैं। परिवार की गतिविधियों को ऐसे ही देखें। परिवार की कही-सुनी को जानने की ज्यादा कोशिश ना करें। अंत समय में शरीर बीमारियों का घर बन ही जाता है। कम से कम मन हल्का रखें। दिल पर कोई बात लेनी भी हो तो सिर्फ एक ही बात दिल को याद दिलाएं कि चला-चली का समय आ गया, यहां से अच्छे-से चलते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 9 अप्रैल - 2026

भारत का परमाणु दांव

पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के मामले में आयात पर निर्भरता किसी भी देश की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है। ऐसे समय में तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) का क्रिटिकल होना भारत के लिए केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह उपलब्धि भारत की दशकों पुरानी परमाणु रणनीति को जमीन पर उतारने का निर्णायक संकेत देती है। क्रिटिकल होने का अर्थ है कि रिएक्टर में नियंत्रित परमाणु प्रतिक्रिया सफलतापूर्वक शुरू हो चुकी है। बिजली उत्पादन से पहले यह सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। खास बात यह है कि अभी तक व्यावसायिक रूप से संचालित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर केवल रूस के पास था। ऐसे में भारत का इस क्लब में शामिल होना वैश्विक परमाणु तकनीक के मानचित्र पर एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। देखा जाए, तो यह सफलता अचानक नहीं मिली है। यह सात दशक पहले देखे गए उस परमाणु सपने का परिणाम है, जिसमें भारत ने तीन चरणों वाली परमाणु ऊर्जा योजना बनाई थी। पहले चरण में प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) के जरिए यूरेनियम आधारित बिजली उत्पादन पर ध्यान दिया गया। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की स्थापना की गई, जबकि तीसरे चरण में देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग लक्ष्य रखा गया। पीएफबीआर इसी दूसरे चरण की निर्णायक कड़ी है। भारत के पास यूरेनियम सीमित मात्रा में है और इसके लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन समुद्र तटीय क्षेत्रों में थोरियम का विशाल भंडार मौजूद है। असली आत्मनिर्भरता तभी संभव है, जब बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक ईंधन भी देश के भीतर से उपलब्ध हो। पीएफबीआर इसी दिशा में रास्ता खोलता है, क्योंकि यह बिजली बनाने के साथ-साथ नया ईंधन भी तैयार करता है। यही इसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। सरकार ने 2032 तक 22,400 मेगावाट परमाणु बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जबकि वर्तमान क्षमता लगभग 8,000 मेगावाट के आसपास है। इसके साथ ही 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है। यदि पीएफबीआर जैसे प्रोजेक्ट समय पर सफल होते हैं, तो यह लक्ष्य केवल कागजी योजना नहीं रहेगा, बल्कि व्यावहारिक हकीकत बन सकता है। हालांकि परमाणु ऊर्जा के विस्तार की राह आसान नहीं है। सुरक्षा, लागत और आम लोगों के मन में मौजूद आशंकाएं बड़ी चुनौतियां हैं। जापान, फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण कई परमाणु परियोजनाओं को रोक दिया है। लेकिन भारत की स्थिति अलग है। यहां ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है और कोयला व तेल जैसे पारंपरिक स्रोत पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ा रहे हैं। ऐसे में परमाणु ऊर्जा न केवल स्वच्छ विकल्प बनकर सामने आती है, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा का भरोसेमंद आधार भी बन सकती है। खासकर तब, जब भारत के पास थोरियम जैसा अपना स्वदेशी ईंधन मौजूद है। जरूरत केवल इस दिशा में तकनीकी निवेश और राजनीतिक इच्छाशक्ति को निरंतर बनाए रखने की है। स्पष्ट है कि पीएफबीआर केवल एक रिएक्टर नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता का प्रवेशद्वार है। यदि इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने में निरंतरता बनी रही, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतें खुद पूरी करेगा, बल्कि वैश्विक परमाणु ऊर्जा परिदृश्य में भी निर्णायक भूमिका निभा सकेगा। यही असली आत्मनिर्भर भारत की पहचान होगी।

लोगों से 1.90 अरब नेपाली रुपए वसूले गए

स्नेहा सिंह

नेपाल पर्यटन में एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरी दुनिया में चर्चा पैदा कर दी है। नेपाल पुलिस ने एक ऐसा घोटाला पकड़ा है, जिसमें पर्वतारोहियों के साथ अरबों रुपए की ठगी की गई है। शेरपा, ट्रेकिंग गाइड, अस्पताल और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स द्वारा मिलकर पर्वतारोहियों को ठगने का नेटवर्क बनाया गया था। जानकारों के अनुसार वर्ष 2022 से 2025 के दौरान एवरेस्ट पर चढ़ाई करने गए पर्वतारोहियों से रेस्क्यू ऑपरेशन के नाम पर 1.90 अरब नेपाली रुपए, यानी लगभग 1.20 करोड़ डालर वसूले गए हैं। माउंट एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, लांगटांग और मनास्लू जैसे प्रसिद्ध ट्रेक्स पर योजनाबद्ध तरीके से पर्वतारोहियों को लूटा जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2025 में एक घोटाला हुआ था, जिसकी शिकायत एक पर्वतारोही ने की थी। इस शिकायत के आधार पर नेपाल की सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (CIB) ने महीनों तक जांच की। जांच के दौरान जनवरी में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया और बाद में अन्य लोगों को भी पकड़ा गया। 12 मार्च को काठमांडू जिला अदालत में 32 लोगों को आधिकारिक रूप से पेश किया गया और उन पर आरोप लगाए गए। इस मामले में संगठित अपराध, धोखाधड़ी, सरकार के खिलाफ अपराध और अन्य धाराएं लगाई गई हैं।

मामला यह है कि माउंट एवरेस्ट फतह करने का सपना देखने वाले साहसी पर्वतारोहियों को अब केवल ऊंचाई, ठंड या आक्सीजन की कमी का ही नहीं, बल्कि ठगी का भी बड़ा खतरा हो गया है। एवरेस्ट पर चढ़ाई में मदद करने वाले शेरपा और ट्रेकिंग गाइड ही विदेशी पर्वतारोहियों को जानबूझकर बीमार बना देते थे। इसके बाद उनका अनावश्यक रेस्क्यू आपरेशन प्लान कर उन्हें एयरलिफ्ट किया जाता था और अस्पतालों की मिलीभगत से ठगी की जाती थी। जानकारों के अनुसार इस घोटाले से पिछले पांच वर्षों में इंश्योरेंस कंपनियों को लगभग 2 करोड़ डालर का नुकसान हुआ है। नेपाल की सीआईबी द्वारा 32 लोगों की गिरफ्तारी के बाद यह पूरा घोटाला सामने आया।

चिंताजनक बात यह है कि जांच के दौरान यह सामने आया कि मदद के नाम पर जान लेने की तैयारी की जाती थी। कुछ शेरपा, ट्रेकिंग गाइड और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर कंपनियों ने काठमांडू के अस्पतालों के साथ मिलकर धोखाधड़ी का नेटवर्क बना रखा था। ट्रेकिंग गाइड और शेरपा ऊंचाई पर पहुंचने के बाद पर्वतारोहियों के भोजन या चाय में बेकिंग सोडा मिला देते थे। इससे पेट में तेज जलन, उल्टी और चक्कर जैसी स्थिति बनती थी। आम तौर पर ऊंचाई पर ऐसी समस्या होना सामान्य माना जाता है।

जब ऐसे लक्षण दिखाई देते, तो पर्वतारोही घबरा जाते और गाइड से मदद मांगते। गाइड इलाज के नाम पर तुरंत एयरलिफ्ट की सलाह देता। अस्पताल पहुंचने के बाद नकली मेडिकल रिपोर्ट और फर्जी दस्तावेज तैयार कर इंश्योरेंस क्लेम किया जाता। नेपाल चार्टर सर्विस, एवरेस्ट एक्सपीरियंस एंड असिस्टेंस और माउंटेन रेस्क्यू जैसी कंपनियों के इसमें शामिल होने की चर्चा है। जनवरी, 2026 में पुलिस ने इन कंपनियों के छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। अब कुल 32 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इस घोटाले में 1.90 अरब नेपाली रुपए यानी करीब 1.20 करोड़ डालर की ठगी सामने आई है।

आश्चर्यजनक रूप से 2022 से 2025 के बीच लगभग 2000 नकली रेस्क्यू आपरेशन किए गए। कई मामलों में स्वस्थ पर्वतारोहियों को भी बीमार बताकर नीचे लाया गया और उनसे पैसे वसूले गए। कुछ मामलों में धमकाकर भी लोगों को ऐसे फर्जी रेस्क्यू के लिए मजबूर किया गया।

युद्ध विराम या हथियार मांजने की रणनीति?

डॉ घनश्याम बादल

40 दिन के भीषण युद्ध, बारूद की बारिश, ईरान की सर्वोच्च लीडरशिप का खात्मा और बाद के दो दिनों में उसके इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही के बाद भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और उसके बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान की दृढ़ता, अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति समर्पण और उसकी तेल शक्ति तथा हथियारों की छिपी हुई ताकत के बल पर घुटनों के बल आना पड़ा और जैसे-तैसे चीन की मदद से इस युद्ध में सीज फायर करना पड़ा है । यह भी कह सकते हैं कि एपिक फ्यूरी फुस्स सिद्ध हुई।

मध्य-पूर्व की बारूदी ज़मीन पर अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो हफ्तों का “सीजफायर” पहली नजर में शांति का संकेत लगता है, लेकिन गहराई में जाएं तो यह अधिक एक रणनीतिक विराम प्रतीत होता है,ऐसा विराम जिसमें दोनों पक्ष अपनी थकी हुई सैन्य और कूटनीतिक ताकतों को पुनर्गठित कर रहे हैं। यह ठहराव उस संघर्ष की जड़ों को नहीं मिटाता, जो दशकों से अविश्वास, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़ में उलझा हुआ है। इस टकराव के मूल कारणों में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच चली आ रही वैचारिक शत्रुता प्रमुख है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में उसका बढ़ता प्रभाव और इजरायल के प्रति उसका कड़ा रुख, ये सभी कारक अमेरिका की आक्रामक नीति के आधार रहे हैं। वहीं, अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान को आर्थिक रूप से तो कमजोर किया ही, साथ ही उसे क्षेत्रीय स्तर पर अधिक आक्रामक और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया।

दो हफ्तों के इस सीजफायर के पीछे दोनों देशों की रणनीतिक विवशताएं साफ झलकती हैं। अमेरिका, जो अब अपनीप्राथमिकताओं को चीन की चुनौती और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की ओर केंद्रित कर चुका है, मध्य-पूर्व में लंबा युद्ध नहीं चाहता। वहीं ईरान, जो आंतरिक आर्थिक संकट, महंगाई और जन-असंतोष से जूझ रहा है, खुली जंग का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में यह सीजफायर दोनों के लिए “रणनीतिक सांस” लेने का अवसर है। शांति प्रस्तावों की बात करें तो अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों पर लगाम और इजरायल की सुरक्षा की गारंटी को प्रमुख शर्तों के रूप में रखा है। इसके बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान ने अपने संप्रभु अधिकारों की रक्षा करते हुए सभी प्रतिबंधों को हटाने, क्षेत्रीय मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप बंद करने और सुरक्षा आश्वासन की मांग की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच भरोसे की कमी ही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इस पूरे परिदृश्य में चीन की भूमिका खास तौर पर उभरकर सामने आई है। चीन ने खुद को एक संतुलित और जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है। ऊर्जा जरूरतों के चलते ईरान के साथ उसके मजबूत संबंध हैं, वहीं अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए वह कूटनीतिक लाभ उठा रहा है। यह संकट चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व की छवि गढ़ने का अवसर बन गया है। पाकिस्तान भी इस घटनाक्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश करता दिखा है। उसने एक ओर अमेरिका के साथ पुराने रिश्तों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास किया, तो दूसरी ओर इस्लामिक देशों के मंच पर ईरान के प्रति सहानुभूति जताकर संतुलन साधने की कोशिश की। यह दोहरी रणनीति क्षेत्रीय समीकरणों को और जटिल बनाती है। भारत के लिए यह स्थिति एक कठिन कूटनीतिक परीक्षा बनकर उभरी है। एक ओर अमेरिका के साथ उसके गहरे होते रणनीतिक संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान भारत की ऊर्जा सुरक्षा और चाबहार परियोजना के लिहाज से महत्वपूर्ण साझेदार है। लेकिन इस पूरे संकट में भारत की भूमिका लगभग निष्क्रिय नजर आई है,जहां उसने केवल सामान्य बयान जारी कर शांति और संवाद की अपील की है, लेकिन किसी ठोस मध्यस्थता या पहल की कोशिश नहीं की।

यह निष्क्रियता भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक छवि पर सवाल खड़े करती है। जिस भारत को “वैश्विक दक्षिण” का नेता और उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, उससे अपेक्षा थी कि वह इस संकट में एक सक्रिय, संतुलित और प्रभावी भूमिका निभाएगा। लेकिन भारत का सीमित और सतर्क रुख यह संकेत देता है कि वह जोखिम लेने से बचता रहा। इसका असर यह हो सकता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि एक “संतुलन साधने वाले” देश की तो बनी रहे, लेकिन “नेतृत्व करने वाले” देश की छवि कमजोर पड़ेगी। चीन जैसे देश जहां सक्रिय कूटनीति के जरिए अपनी स्थिति मज़बूत कर रहे हैं, वहीं भारत का यह रुख उसे पीछे छोड़ सकता है। अब पाकिस्तान के साथ भारत को घेरने की रणनीति में यदि उसे अमेरिका का समर्थन मिल जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आर्थिक दृष्टि से इस संघर्ष का असर भारत पर सीधे तौर पर तेल कीमतों के माध्यम से पड़ा है। तनाव बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ा है और महंगाई का दबाव भी बना। सीजफायर ने फिलहाल राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत अस्थायी है। आंतरिक राजनीति के स्तर पर सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठना तय है। विपक्ष यह आरोप लगा सकता है कि भारत ने अपनी “रणनीतिक स्वायत्तता” को खो दिया है और वह केवल अमेरिका की नीति के साथ कदमताल कर रहा है। साथ ही यह भी पूछा जाएगा कि भारत, जो खुद को वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, ऐसे महत्वपूर्ण संकट में प्रभावी भूमिका निभाने में क्यों विफल रहा। विधानसभा चुनावों के चुनाव परिणाम पर भी इसका प्रभाव अप्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और उससे जुड़ी महंगाई विपक्ष के लिए एक बड़ा मुद्दा बन सकती है। सरकार इसे वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम बताकर बचाव करेगी, लेकिन जनता पर पड़ने वाला आर्थिक दबाव राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करेगा। भविष्य की राजनीति पर इसका असर और भी व्यापक होगा। यदि भारत अपनी कूटनीतिक निष्क्रियता से बाहर निकलकर सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा, तो वह वैश्विक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण अवसर खो देगा। वहीं, यदि वह संतुलन और साहस के साथ आगे बढ़ता है, तो उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि और प्रभाव दोनों मजबूत हो सकते हैं।

सियासी रण में पांच राज्य: सत्ता की कुर्सी किसके नाम?

योगेश कुमार गोयल

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों ने देश की राजनीति को उबाल पर ला दिया है। केरल से लेकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी तक सियासी हलचल अपने चरम पर है। रैलियों की गूंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। हर राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडे, घोषणापत्र और रणनीति के साथ मैदान में है और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनाव केवल सरकार बनाने का साधन नहीं बल्कि बीते पांच वर्षों के कामकाज का जनमत संग्रह और आने वाले राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण है।

इन पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक रणक्षेत्र है, जो राष्ट्रीय राजनीति की धुरी को प्रभावित कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम भी बेहद दिलचस्प है, असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 मई को घोषित होंगे और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसके पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया। इस बार का चुनावी परिदृश्य कई स्तरों पर जटिल और बहुआयामी है। सत्ताधारी दल जहां अपने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और ‘डबल इंजन’ जैसे नारों के सहारे जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक खामियों को मुद्दा बनाकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। यह संघर्ष अब केवल सत्ता का नहीं रहा बल्कि विचारधारा, नीतियों और विकास के मॉडलों की प्रतिस्पर्धा में बदल चुका है।

सबसे अधिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है पश्चिम बंगाल, जहां राजनीतिक तापमान सबसे ज्यादा है। 294 सीटों वाली विधानसभा में 6.44 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा था जबकि भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस बार मुकाबला और अधिक तीखा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस अपने ‘बंगाल मॉडल’, महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, वहीं भाजपा ‘डबल इंजन’ सरकार के वादे और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रही है। रोजगार, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यहां मुकाबला बेहद कांटे का होगा, एक तरफ ममता बनर्जी की राजनीतिक विरासत दांव पर है तो दूसरी ओर भाजपा के लिए यह पूर्वी भारत में विस्तार का सुनहरा अवसर है।

असम का चुनाव भी कम दिलचस्प नहीं है। 126 सीटों वाली विधानसभा में 2.25 करोड़ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां मुख्य सवाल यही है कि क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर पाएगी या कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी का रास्ता तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर जनता के बीच है। वहीं विपक्ष सीएए-एनआरसी, बेरोजगारी और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रियता ने इस चुनाव को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। असम में परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पूर्वोत्तर भारत में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे।

दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल की राजनीति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का प्रभाव इतना गहरा है कि राष्ट्रीय दलों की भूमिका सीमित हो जाती है। 234 सीटों वाली विधानसभा में 5.67 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में डीएमके गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपने ‘द्रविड़ मॉडल’, सामाजिक न्याय और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर मैदान में है। वहीं एआईएडीएमके गठबंधन महंगाई, बिजली संकट और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोल रहा है। इसके अलावा अभिनेता विजय की पार्टी का चुनावी मैदान में उतरना एक नया समीकरण बना सकता है, खासकर युवा मतदाताओं के बीच।

केरल में 140 सीटों के लिए 2.7 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। यहां का चुनाव पारंपरिक रूप से सत्ता परिवर्तन के लिए जाना जाता रहा है लेकिन पिछले चुनाव में वाम मोर्चे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया था। इस बार यदि वह तीसरी बार सत्ता में आता है तो यह एक नया राजनीतिक अध्याय होगा। वाम मोर्चा अपने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के मॉडल को प्रमुखता दे रहा है जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर हमलावर है। भाजपा भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होता जा रहा है।

पुदुचेरी भले ही छोटा केंद्र शासित प्रदेश हो, लेकिन यहां की राजनीति बेहद संवेदनशील और निर्णायक है। 30 सीटों वाली विधानसभा में 9.44 लाख मतदाता मतदान करेंगे। यहां गठबंधन राजनीति का महत्व सबसे अधिक है, जहां छोटे-छोटे वोट अंतर भी सत्ता की दिशा तय कर सकते हैं। पिछले चुनाव में एनडीए गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल सत्ता वापसी के लिए संघर्षरत हैं। इन सभी राज्यों में एक समान बात यह है कि वोट प्रतिशत और सीटों का समीकरण हमेशा सीधा नहीं होता। कई बार मामूली वोट अंतर भी भारी सीट अंतर में बदल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल बूथ स्तर तक अपनी रणनीति को मजबूत कर रहे हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार ने चुनावी अभियान को एक नई दिशा दी है, जहां नैरेटिव की लड़ाई केवल मैदान में नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी लड़ी जा रही है। चुनावी मुद्दों की बात करें तो इस बार कोई एक मुद्दा हावी नहीं है। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रूप में सामने आ रहे हैं। यही विविधता इन चुनावों को और अधिक जटिल और रोचक बनाती है। राजनीतिक दृष्टि से इन चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। इन राज्यों से आने वाली 116 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यदि भाजपा असम में अपनी पकड़ बनाए रखती है, पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन करती है और दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करती है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और सुदृढ़ हो सकती है। वहीं, यदि तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता बरकरार रखती है तो ममता बनर्जी विपक्षी राजनीति की प्रमुख धुरी बनी रह सकती हैं।

अमेरिका-ईरान सीजफायर

संजय सक्सेना

दुनिया की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो किसी देश की पहचान और उसकी विदेश नीति की असली परीक्षा लेते हैं। पिछले कुछ महीनों में जो कुछ हुआ, वह भारत के लिए एक गहरी सोच का विषय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग को रोकने में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने जो भूमिका निभाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। ट्रंप ने खुद अपने बयान में साफ़ कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ़ और फील्ड मार्शल मुनीर के अनुरोध पर उन्होंने ईरान पर होने वाले हमले को रोका और दो हफ्ते का संघर्ष विराम स्वीकार किया। यह कोई छोटी बात नहीं थी यह उस वक़्त हुआ जब दुनिया एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। इससे पहले भी अक्टूबर में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन में ट्रंप ने मंच से शहबाज़ शरीफ़ को धन्यवाद दिया और आसिम मुनीर को मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल कहा। गाज़ा में युद्ध विराम नौ अक्टूबर को लागू हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान की भूमिका को खुलकर सराहा गया। भारत उस वक़्त कहाँ था? यह सवाल अब सिर्फ़ विपक्षी नेता नहीं, बल्कि दुनिया के कूटनीतिक हलके भी पूछ रहे हैं।भारत की विदेश नीति की एक पुरानी और मज़बूत परंपरा रही है। द्विपक्षीय संबंध, किसी गुट में न जाना, और अपनी स्वायत्तता बनाए रखना। यही नीति नेहरू के ज़माने से चली आ रही है और मोदी सरकार भी इसी रास्ते पर चलती दिखती है। लेकिन आज की दुनिया में जहाँ कूटनीति की जगह संबंधों की गर्मजोशी और व्यक्तिगत रिश्ते तय करते हैं कि किसकी बात मानी जाएगी, वहाँ यह पुरानी नीति काफ़ी नहीं रह गई।मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत रिश्ता हमेशा से चर्चा में रहा है। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे विशाल कार्यक्रम इसी गर्मजोशी की गवाही देते हैं। लेकिन जब ट्रंप ने बार-बार पचास से ज़्यादा मौकों पर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया, तो भारत ने इसे मानने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विराम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से हुआ। पाकिस्तान ने उसी पल को भाँप लिया और उस खाली जगह को भरने के लिए आगे बढ़ गया। विश्लेषकों का कहना है कि भारत के उदास इनकार ने एक ऐसी जगह बना दी जिसे मुनीर और शरीफ़ ने तुरंत भर दिया। यह क्या भारत की कूटनीति की एक बड़ी चूक थी। ट्रंप जैसे नेता को श्रेय देना एक छोटी कीमत होती, लेकिन उस श्रेय को न देने की कीमत बहुत बड़ी निकली। पाकिस्तान ने ट्रंप की हर उपलब्धि पर तालियां बजाईं, उन्हें शांति का दूत कहा, और काहिरा के शांति सम्मेलन में शरीफ़ ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित तक कर दिया। यह चाहे राजनीतिक चालाकी हो या असली सम्मान, इसने पाकिस्तान को वाशिंगटन की नज़रों में एक भरोसेमंद साझेदार बना दिया।अब सवाल उठता है कि भारत ने मध्य पूर्व में शांति के लिए सक्रिय भूमिका क्यों नहीं निभाई। इसके पीछे कई कारण हैं। पहला भारत की नीति रही है कि वह इजरायल और फिलिस्तीन दोनों से अपने संबंध बनाए रखे। भारत के इजरायल से गहरे रक्षा और तकनीकी संबंध हैं और वह उस पर सार्वजनिक दबाव डालने की स्थिति में नहीं है। दूसरा भारत अरब और मुस्लिम देशों के गुट का हिस्सा नहीं है, इसलिए गाज़ा पर उसकी आवाज़ का वह असर नहीं होता जो पाकिस्तान, तुर्किये या मिस्र की होती है। तीसरा भारत का पूरा ध्यान अपने क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से संतुलन बनाने पर लगा है, वैश्विक शांति का मध्यस्थ बनने की राजनीतिक इच्छाशक्ति अभी तक नहीं दिखी।लेकिन इस सबके बावजूद एक कड़वी सच्चाई है। पाकिस्तान को इस पूरी कवायद का जो फायदा मिला, वह यह है कि अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध अब नई ऊँचाइयों पर हैं व्यापार, खनिज, सुरक्षा सहयोग, और क्षेत्रीय रणनीति, सब कुछ एक साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तानी निवेश के द्वार भी खोले और मुनीर को एक ऐसे नेता की तरह पेश किया जिस पर अमेरिका भरोसा करता है। यह पाकिस्तान की उस छवि से बिल्कुल अलग है जो दशकों से आतंकवाद के समर्थक के रूप में बनी थी।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। जो देश खुद को विश्वगुरु और एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, वह जब वैश्विक संकट के समय चुप्पी साधे रहता है, तो दुनिया सवाल पूछती है। भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता है, लेकिन जब बड़े युद्धों को रोकने की बात आती है, तो उसकी भूमिका नदारद रहती है।यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह सब उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जहाँ मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष और उसके बाद के युद्ध विराम को लेकर भारत के भीतर ही विपक्ष ने यह आरोप लगाया कि यह ट्रंप के दबाव में स्वीकार किया गया। यानी एक तरफ़ भारत कह रहा है कि वह किसी बाहरी दबाव में नहीं झुका, और दूसरी तरफ़ पाकिस्तान उसी दबाव को अपनी कूटनीतिक उपलब्धि बताकर दुनिया के सामने परोस रहा है। इस कथा-युद्ध में पाकिस्तान आगे निकल गया। असली सवाल यह है कि भारत आगे क्या करेगा। क्या वह अपनी पुरानी नीति पर कायम रहेगा, या वह भी अब सक्रिय कूटनीति की राह पकड़ेगा? दुनिया तेजी से बदल रही है। जो देश अपनी ताकत का इस्तेमाल केवल अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए करते हैं, वे महाशक्ति नहीं बनते।

हवालात में न्याय कम, थर्ड डिग्री की मार ज्यादा

डॉ. सुरेश मिश्रा

जैसे ही मैंने थाने के हवालात-ए-हुस्न में कदम रखा, वहां की आबोहवा में न्याय की खुशबू कम और थर्ड डिग्री की महक ज्यादा थी। दरोगा जी अपनी कुर्सी पर ऐसे विराजमान थे जैसे किसी सल्तनत के आखिरी वारिस हों और मैं उनकी प्रजा का सबसे फर्जी फरियादी। मैंने जैसे ही हांफते हुए कहा कि सर, लूट हो गई, उन्होंने अपनी मूंछों को कड़क चाय के भाप से सहलाया और बोले अबे ओ केस डायरी के फटे हुए पन्ने, ये जो तू सांसें उखाड़कर 'मुलजिम' जैसी शक्ल बना रहा है, इसके लिए कोई अलग से 'धारा' लगवाऊं या सीधे 'रोजनामचा' में तेरी किस्मत का एनकाउंटर कर दूँ? मैंने दलील दी कि सर चार नामालूम बदमाशों ने मेरा रास्ता रोका, तो उन्होंने बगल में खड़े सिपाही को इशारा किया, देख हवलदार, प्रार्थी को वारदात से ज्यादा अपनी स्टोरी की चिंता है। लिखो इसमें—मजकूर शख्स अपनी लापरवाही की नुमाइश कर रहा था और बदमाशों ने इसे सरकारी माल समझकर कुर्क कर लिया। उनके चेहरे पर वो दफा-302 वाली गंभीरता थी, जिससे लग रहा था कि एफआईआर दर्ज होने से पहले मेरा 'पंचनामा' पक्का है।

मुंशी जी ने अपना वो खानदानी रजिस्टर ऐसे निकाला जैसे वो किसी मुजरिम की हिस्ट्रीशीट हो। दरोगा जी ने पेन की निब से मेज पर दस्तक देते हुए कहा, बेटा, ये जो तूने बैग छिनने की दास्तान सुनाई है, इसमें 'सबूत' कम और 'सिनेमा' ज्यादा है। बैग में क्या था? कोई 'खुफिया दस्तावेज' या बस तेरी 'बेरोजगारी' का कच्चा चिट्ठा? मैंने जैसे ही लैपटॉप और गैजेट्स की लिस्ट गिनानी शुरू की, उन्होंने हाथ उठाकर मुझे बरामदगी के पहले ही खामोश कर दिया। बोले, इतना तामझाम लेकर तू इस गली में 'गश्त' कर रहा था जैसे तू इस इलाके का 'बीट ऑफिसर' हो? ये तो वही बात हुई कि 'माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम'। चोरों ने तो तुझ पर एहसान किया है कि तुझे बोझ से आजाद कर दिया, वरना तू तो ताजीरात-ए-हिंद की किताब बनकर ही घूमता रहता। वहां मौजूद स्टाफ ऐसे ठहाके लगा रहा था जैसे थाना न होकर कॉमेडी सर्कस का रिमांड रूम हो। मुंशी जी ने चुटकी ली, साहब, लिख दो कि बैग को जमानत मिल गई है, इसलिए वो प्रार्थी के पास से फरार हो गया। जब मेरी आंखों से आंसू मुलजिम की तरह टपकने ही वाले थे, तभी दरोगा जी ने एक जोर का ठहाका लगाया और मेज के नीचे से वही बैग निकाल कर मेरे सामने पटक दिया। मेरी तो जैसे शिनाख्त ही खो गई! वो मुस्कुराकर बोले, अबे ओ 'चश्मदीद गवाह', ये बैग बाहर बेंच पर लावारिस पड़ा था। हम तो बस ये देख रहे थे कि अगर सच में तेरी 'कुर्की' हो जाए, तो तू थाने में बयान दर्ज कराएगा या सीधा सुसाइड नोट लिखेगा? ये जो अभी तूने सस्पेंस ड्रामा झेला है, ये तेरी सुरक्षा का चालान था।₹ मैंने कांपते हाथों से बैग उठाया, तो उन्होंने पीछे से आवाज दी, अरे सुन, जाते-जाते इस मुठभेड़ की मिठाई तो खिलाता जा, वरना अगली बार हम तेरी एफआईआर में 'क्लाइमेक्स' ऐसा डालेंगे कि तू खुद को ही मुजरिम घोषित कर देगा! मैं बैग लेकर ऐसे नौ-दो-ग्यारह हुआ जैसे कोई सजायाफ्ता कैदी जेल तोड़कर भागा हो, और पीछे से पूरा थाना 'इंकलाब जिंदाबाद' के बजाय 'हाहाकार जिंदाबाद' के नारों से गूँज रहा था।

सरसों का तेल कान में डालना सुरक्षित है या खतरनाक ?

बहुत से लोग घर पर कान साफ करने के लिए घरेलू उपाय अपनाते हैं। इसमें एक ऐसा नुस्खा है, जो दादी-नानी के समय से अपनाया जा रहा है। इनमें से सबसे बड़ा नुस्खा होता है कान में सरसों का तेल डालना।

आज भी कुछ लोग मानते हैं कि सरसों का तेल कान के भीतर जमा वैक्स को नरम कर सकता है, लेकिन क्या ये वास्तव में सुरक्षित है? आपको ये समझने की जरूरत है कि कान की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। यहां इस लेख में हम आपको बताएंगे कि सरसों का तेल का इस्तेमाल करना चाहिए या नहीं?

सरसों के तेल का इस्तेमाल

कई लोग मानते हैं कि सरसों का तेल कान के मोम को नरम कर सकता है और कान साफ करने में मदद करता है। लेकिन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि सीधे कान में तेल डालना खतरनाक हो सकता है।

ऐसा करने से कान की झिल्ली को चोट लग सकती है। खासतौर पर अगर तेल संक्रमित या गंदा है तो कान में इन्फेक्शन हो सकता है। बच्चे और बुजुर्गों में इससे गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए किसी भी प्रकार का तेल इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

सुरक्षित विकल्प

कान की सफाई के लिए कुछ आसान और सुरक्षित उपाय हैं:

डॉक्टर द्वारा सुझाए गए इयर इरिगेशन सेट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कान में जमा मोम को सुरक्षित रूप से निकालने के लिए डॉक्टर की सलाह से ड्रॉप्स का इस्तेमाल किया जा सकता है।

केवल कान के बाहरी हिस्से की सफाई करें। कभी भी गहराई में इयरबड न डालें, क्योंकि इससे कान की झिल्ली फट सकती है।

कब डॉक्टर से मिलें

यदि आप लगातार कान में दर्द या जलन, कान में रुकावट या बजने की आवाज़, सुनाई कम होना, या सिरदर्द और चक्कर महसूस करें तो तुरंत ENT डॉक्टर से संपर्क करें। ये संकेत किसी गंभीर समस्या की ओर इशारा कर सकते हैं और घरेलू उपायों से इसका समाधान नहीं होगा।

घरेलू उपायों से बचें

सरसों का तेल, सरसों के बीज का पेस्ट, या किसी भी घरेलू तेल का सीधे कान में डालना कान की झिल्ली को नुकसान पहुंचा सकता है। घरेलू उपाय कभी-कभी संक्रमण या एलर्जी भी बढ़ा सकते हैं। सुरक्षित और प्रभावी तरीका हमेशा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही अपनाएं।

मौसम बदलते ही डायबिटीज के मरीजों पर मंडराने लगता है खतरा!

मौसम बदलना न केवल वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि सीधे आपके शरीर पर भी असर डालता है। खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बदलाव चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ठंड, गर्मी या अचानक नमी में ब्लड शुगर लेवल अचानक बढ़ या घट सकता है।

कई बार मौसम बदलते ही शरीर में ऊर्जा की कमी, थकान और कमजोरी महसूस होती है।

इसलिए डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान, दवा और व्यायाम पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। सही समय पर सावधानी बरतने से आप गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं और ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे बदलते मौसम में डायबिटीज के मरीज अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और किन उपायों को अपनाना सबसे ज्यादा फायदेमंद है।

ब्लड शुगर पर मौसम बदलने का क्या असर होता है?

मौसम बदलने का डायबिटीज पर सीधा असर पड़ता है। ठंड के मौसम में शरीर की ऊर्जा खर्च और इंसुलिन की जरूरत बढ़ जाती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल अधिक समय तक स्थिर नहीं रहता। वहीं गर्मियों में पसीना और शरीर में पानी की कमी के कारण शुगर तेजी से घट सकती है। इसलिए मौसम बदलने पर नियमित रूप से ब्लड शुगर जांचना बेहद जरूरी है।

खान-पान में बदलाव करें

बदलते मौसम में डायबिटीज मरीजों को अपने आहार में बदलाव करना चाहिए। हल्का, संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर खाना लेना लाभकारी होता है। तला-भुना और अत्यधिक मीठा खाने से बचें, क्योंकि ये

ब्लड शुगर को अचानक बढ़ा सकता है। मौसमी फल और सब्जियां शामिल करना फायदेमंद रहता है।

व्यायाम और गतिविधि अवश्य करें

ठंड और बरसात में शरीर सुस्त हो जाता है और लोग कम सक्रिय रहते हैं लेकिन नियमित व्यायाम ब्लड शुगर नियंत्रण में मदद करता है। योग, वॉक या हल्की स्ट्रेचिंग भी बहुत असरदार होती है। मौसम के अनुसार हल्के गर्म कपड़े पहनकर घर या बाहर व्यायाम करना सुरक्षित रहता है।

हाइड्रेशन का ध्यान

गर्मी में शरीर में पानी की कमी ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और तरल पदार्थों का सेवन करना जरूरी है। नारियल पानी, नींबू पानी और हर्बल टी जैसे हल्के पेय शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और ब्लड शुगर नियंत्रण में मदद करते हैं।

डॉक्टर से सलाह

मौसम बदलते ही अगर ब्लड शुगर असामान्य दिखे, थकान या कमजोरी बढ़ जाए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। समय पर सलाह लेने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। डॉक्टर आपके दवा या आहार में आवश्यक बदलाव सुझा सकते हैं।

लौकी के फायदे जान लिए तो हर दिन इसे खाना शुरू कर देंगे

लौकी, जिसे अंग्रेज़ी में Bottle Gourd कहते हैं, भारतीय रसोई की एक महत्वपूर्ण सब्ज़ी है। अक्सर लोग इसे देखकर मुंह बना लेते हैं, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ सुनकर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने पर विचार करेंगे। लौकी में बहुत कम कैलोरी होती है, जिसकी वजह से शरीर के लिए काफी लाभदायक है। इसके जूस का सेवन विशेष रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाता है और त्वचा की नमी बनाए रखता है।

आयुर्वेद में भी लौकी को शरीर की विषैले पदार्थों को बाहर निकालने और शरीर को स्वस्थ रखने वाला माना गया है। पर अगर आपको अभी भी इसके लाभ नहीं पता हैं तो इस लेख को आखिर तक पढ़ें, ताकि आपको पता लग सके कि ये लौकी है बेहद काम की।

वजन घटाने में मददगार

लौकी में पानी की मात्रा अधिक और कैलोरी कम होती है।

इसे खाने से भूख नियंत्रित रहती है और वजन कम करने में आसानी होती है।

रोज़ाना सुबह खाली पेट लौकी का जूस पीने से मेटाबोलिज़्म बेहतर होता है।

इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी घटती है।

पाचन में सहायक

लौकी पेट को ठंडक देती है और इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो कब्ज़ दूर करता है।

ये पेट की अम्लता को संतुलित रखता है और गैस की समस्या कम करता है।

नियमित सेवन से पाचन तंत्र मजबूत बनता है और पेट संबंधी समस्याएं कम होती हैं।

हृदय स्वास्थ्य

लौकी का नियमित सेवन हृदय को स्वस्थ रखता है।

ये रक्त में कोलेस्ट्रॉल को संतुलित करता है और रक्त वाहिकाओं को मजबूत बनाता है।

इसके सेवन से हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

ब्लड शुगर नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों के लिए लौकी बहुत फायदेमंद है।

इसका जूस ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है।

नियमित मात्रा में लौकी खाने से शरीर का शुगर नियंत्रण बेहतर होता है।

त्वचा और बाल

लौकी में विटामिन और मिनरल्स होते हैं।

इसका जूस पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है और बाल मजबूत और स्वस्थ रहते हैं।

ये झुर्रियों और त्वचा की रूखापन दूर करने में भी मदद करता है।

शरीर को डिटॉक्स करती है

लौकी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालती है।

इसका सेवन लिवर और किडनी की सफाई में मदद करता है।

गर्मियों में लौकी का जूस पीने से शरीर ठंडा रहता है।

इसके सेवन से गर्मी से होने वाली थकान कम होती है।

गर्मियों में पसीने की बदबू से हैं परेशान तो अपनाएं ये जादुई घरेलू नुस्खे

तपती गर्मी और उमस भरे मौसम में पसीना आना तो आम बात है, लेकिन जब यही पसीना अंडरआर्म्स की दुर्गंध में बदल जाए, तो यह न केवल आपके आत्मविश्वास को कम करता है बल्कि सामाजिक शर्मिंदगी का कारण भी बन जाता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि महंगे से महंगे डियोड्रेंट और परफ्यूम भी कुछ ही घंटों में अपना असर खो देते हैं? दरअसल, पसीने की अपनी कोई गंध नहीं होती, असली वजह तो आपकी त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया और बंद रोमछिद्र हैं।

अगर आप भी पसीने की बदबू कैसे दूर करें, जैसे सवालों का जवाब ढूंढ रहे हैं, तो आप अकेले नहीं हैं। अच्छी खबर यह है कि आपको अब और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। आपके किचन में मौजूद नींबू, बेकिंग सोडा और एप्पल साइडर विनेगर जैसे साधारण तत्व इस समस्या का जड़ से सफाया कर सकते हैं।

इस लेख में गर्मियों के ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताया जा रहा है जो आपको दिनभर फ्रेश और कॉन्फिडेंट बनाए रखेंगे। आइए जानते हैं पसीने की बदबू को अलविदा कहने के वो प्राकृतिक तरीके, जो आपकी स्किन के लिए सुरक्षित भी हैं और असरदार भी।

रोजाना 2 बार नहाएं

गर्मियों में दो बार स्नान कर सकते हैं। सुबह तो स्नान करें ही, साथ ही शाम को नहाएं ताकि दिन भर का पसीना, गंदगी और बदबू दूर हो सकते। नहाने के लिए एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। इससे बैक्टीरिया कम होंगे और बदबू नहीं आएगी

नींबू का इस्तेमाल

अधिकतर लोगों के अंडरआर्म्स से पसीने की बदबू आती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू को अंडरआर्म्स पर रगड़ें। फिर 5 मिनट बाद धो लें। नींबू नेचुरल डियोड्रेंट की तरह काम करता है।

बेकिंग सोडा

अपने अंडरआर्मस में थोड़ा सा बेकिंग सोडा लगा सकते हैं। ये पसीने की नमी को सोखता है और बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया खत्म करता है। ध्यान रखें कि बेकिंग सोडा को चेहरे पर न लगाएं।

फिटकरी का उपयोग

नहाने के बाद फिटकरी के पानी को घोलकर लगा लें। ऐसा करने से बैक्टीरिया खत्म होते है और शरीर से बदबू नहीं आती है। ये पुराने समय का नुस्खा है।

ढीले और कॉटन कपड़े पहनें

अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर से बदबू न आए तो गर्मियों में कॉटन फैब्रिक के ढीले कपड़े पहनें। ये पसीना सोखने में मदद करते हैं। जबकि टाइट कपड़े पसीना बढ़ाते हैं।

ज्यादा पानी पिएं

शरीर को हाइड्रेट रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। इससे टॉक्सिन्स शरीर से बाहर निकलते हैं और अंदर से भी फ्रेशनेस बनी रहती है।

खानपान पर ध्यान दें

गर्मियों में ज्यादा मसालेदार और जंक फूड का सेवन न करें। फल और सब्जियों को डाइट में अधिक मात्रा में शामिल करें। इससे शरीर की गंध में सुधार हो सकता है।

नारियल तेल और टी ट्री ऑयल

नारियल तेल में कुछ बूंद टी ट्री ऑयल की मिलाकर अंडरआर्म्स में लगाएं। ये एंटी बैक्टीरियल है जो आपके शरीर की दुर्गंध को कम करने में भी सहायक है।

कितने किलोमीटर चलने पर बाइक की सर्विसिंग कराना चाहिए? बेहतर माइलेज का राज

अपनी बाइक से प्यार करने वाले हर शख्स के मन में यह सवाल जरूर आता है कि आखिर कितने किलोमीटर चलने के बाद सर्विसिंग कराना सबसे सही रहता है। बता दें कि गर्मियों में बाइक के इंजन पर लोड बढ़ जाता है, जिससे समय पर सर्विसिंग कराना और भी जरूरी हो जाता है। आमतौर पर नई बाइक की पहली सर्विस 500 से 750 किलोमीटर के बीच होती है, जबकि पुरानी बाइक के लिए एक्सपर्ट्स हर 2500 से 3000 किलोमीटर पर सर्विसिंग की सलाह देते हैं। सही समय पर कराई गई सर्विस न केवल आपकी बाइक की उम्र बढ़ाती है, बल्कि आपको 15% से 20% तक बेहतर माइलेज भी देती है। आइए इस लेख में बाइक सर्विसिंग का सही गणित समझते हैं।

किलोमीटर और समय का सही तालमेल

बाइक की सर्विसिंग के लिए किलोमीटर के साथ-साथ समय का ध्यान रखना भी जरूरी है।

पहली सर्विसः नई बाइक को 500-750 किलोमीटर या एक महीने के अंदर सर्विस

कराना चाहिए ताकि मैन्युफैक्चरिंग के दौरान के बारीक कण निकल जाएं।

पहली सर्विस के बाद हर 3000 किलोमीटर पर सर्विसिंग कराएं, अगर बाइक कम चलती है, तो हर 4 महीने में सर्विस जरूरी है।

हर सर्विस पर इंजन ऑयल जरूर बदलें, क्योंकि पुराना और गाढ़ा ऑयल इंजन की ताकत कम कर देता है।

सर्विसिंग के दौरान किन चीजों पर दें ध्यान?

एयर फिल्टर और स्पार्क प्लग - माइलेज बढ़ाने के लिए एयर फिल्टर को साफ करें या बदलें और स्पार्क प्लग की जांच करें।

चेन क्लीनिंग - बाइक की चेन को साफ करवाकर 'ल्यूब' करवाएं, इससे बाइक स्मूथ चलेगी और आवाज नहीं करेगी।

ब्रेक और टायर - दोनों पहियों के ब्रेक पैड्स चेक करें और टायरों में सही हवा का दबाव सुनिश्चित करें।

देरी से सर्विसिंग कराने से क्या होता है?

खराब फिल्टर और पुराने ऑयल की वजह से बाइक पेट्रोल ज्यादा पीने लगती है।

गर्मियों में पुराना इंजन ऑयल जल्दी गर्म होता है, जिससे चलते-चलते बाइक बंद हो सकती है। समय पर 500 की सर्विस न कराने से भविष्य में 10,000 तक का इंजन का काम निकल सकता है।

बेहतर माइलेज के लिए खास टिप्स

कोशिश करें कि सर्विस हमेशा कंपनी के ऑथोराइज्ड सेंटर से ही कराएं ताकि ओरिजिनल पार्ट्स मिलें। सर्विस के बाद बाइक की अच्छे से धुलाई कराएं ताकि जंग न लगे और पेंट की चमक बनी रहे। अगर बाइक से अजीब आवाज आए या पिकअप कम लगे, तो किलोमीटर पूरे होने का इंतजार न करें और तुरंत मैकेनिक को दिखाएं।

बिना एसी-कूलर घर को ठंडा रखने के 7 जबरदस्त देसी तरीके, बिजली बिल भी होगा कम!

गर्मियों का मौसम आते ही घर में रहना किसी चुनौती से कम नहीं लगता। बढ़ता तापमान, तेज धूप और उमस भरी हवा घर को तंदूर जैसा बना देती है। हर किसी के लिए AC या कूलर खरीदना या लगातार चलाना संभव नहीं होता, खासकर जब बिजली का बिल तेजी से बढ़ रहा हो। ऐसे में सवाल उठता है, क्या बिना AC और कूलर के भी घर को ठंडा रखा जा सकता है?

जवाब है हां, बिल्कुल। हमारे पारंपरिक और प्राकृतिक तरीके आज भी उतने ही कारगर हैं जितने पहले हुआ करते थे। सही वेंटिलेशन, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग और कुछ स्मार्ट बदलाव करके आप अपने घर को काफी हद तक ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं।

इन तरीकों की खास बात यह है कि ये न केवल सस्ते हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। साथ ही ये आपकी सेहत के लिए भी बेहतर होते हैं, क्योंकि इनमें कृत्रिम ठंडक के बजाय प्राकृतिक संतुलन होता है। अगर आप भी इस गर्मी में बिना ज्यादा खर्च किए अपने घर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो ये 7 आसान और असरदार टिप्स आपके बहुत काम आने वाले हैं।

खिड़कियों और दरवाजों को दिन में रखें बंद

दिन के समय बाहर की गर्म हवा घर में घुसती है, जिससे तापमान बढ़ जाता है। इसलिए दोपहर में खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और मोटे पर्दों का इस्तेमाल करें। इससे धूप और गर्मी अंदर आने से रुकेगी।

रात में बढ़ाएं वेंटिलेशन

रात के समय तापमान कम होता

है, इसलिए खिड़कियां खोल दें ताकि ठंडी हवा अंदर आ सके। इससे घर का तापमान प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है।

घर में लगाएं पौधे

पौधे न केवल हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि वातावरण को ठंडा भी रखते हैं। खासकर तुलसी, एलोवेरा और मनी प्लांट जैसे पौधे घर के अंदर ठंडक बनाए रखने में मदद करते हैं।

पानी का करें इस्तेमाल

फर्श पर हल्का पानी छिड़कना या खिड़की के पास गीले पर्दे लगाना गर्मी को कम करने का पुराना और असरदार तरीका है। इससे हवा ठंडी होकर अंदर आती है।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कम चलाएं

टीवी, फ्रिज, कंप्यूटर जैसे उपकरण गर्मी पैदा करते हैं। जब जरूरत न हो, इन्हें बंद रखें ताकि घर का तापमान नियंत्रित रहे।

छत को रखें ठंडा

छत पर पानी डालना, सफेद पेंट करवाना या घास/मैट बिछाना गर्मी को कम करने में बेहद प्रभावी होता है। यह सीधे सूर्य की गर्मी को रोकता है।

हल्के रंगों का करें उपयोग

गहरे रंग गर्मी को ज्यादा सोखते हैं, जबकि हल्के रंग उसे परावर्तित करते हैं। इसलिए दीवारों, पर्दों और चादरों में हल्के रंगों का इस्तेमाल करें।

रजनीकांत की युवाओं को सलाह, 'पढ़ाई पर ध्यान दो और नशे-शराब से दूर रहो'

75 साल की उम्र में भी मेगास्टार रजनीकांत फिल्मों में सक्रिय हैं। मेगास्टार रजनीकांत ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए, न कि नशे या शराब जैसी बुरी आदतों में पड़ना चाहिए।

युवाओं के लिए रजनीकांत का खास संदेश

चेन्नई एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए रजनीकांत ने कहा कि युवा अपने जीवन के बारे में गंभीरता से सोचें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युवा गलत रास्ते पर चले तो उनकी जिंदगी जहन्नुम बन सकती है। रजनीकांत ने युवाओं से अपील की कि वे अनुशासन में रहें, पढ़ाई करें और अच्छी आदतें अपनाएं।

रजनीकांत ने कहा, 'युवाओं को अपनी शिक्षा और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ रहें। नशे या शराब के आदी न बनें। अगर आपको चोट लगी तो यह सिर्फ आपका ही नहीं, आपके माता-पिता और परिवार का भी नुकसान है। जिंदगी न सिर्फ आपके लिए, बल्कि आपके प्रियजनों के लिए भी नर्क बन सकती है। अगर आपका कोई दोस्त नशा करता है तो उसके पास न जाएं।'

इन फिल्मों में नजर आएंगे रजनीकांत

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। 'जेलर 2' 2023 की सुपरहिट तमिल फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसे नेल्सन दिलीप कुमार निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म 12 जून 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में रजनीकांत 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन की भूमिका में लौटेंगे और शाहरुख खान और मिथुन चक्रवर्ती जैसे सितारों के कैमियो होने की खबर है।

इसके अलावा रजनीकांत 'थलाइवर 173' फिल्म में भी काम कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सिबी चक्रवर्ती कर रहे हैं। 'थलाइवर 173' को जिसे कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी निर्मित कर रही है। अप्रैल 2026 में शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म पोंगल 2027 में रिलीज हो सकती है।

अंकिता लोखंडे की चढ़ी नस पे नस तो कृष्णा अभिषेक ने की खिंचाई

रिप्लेसमेंट पर बोलीं– करके दिखाई कोई

'लाफ्टर शेफ्स' की तीन सीजन आ चुके हैं, और तीनों ही हिट रहे हैं। इस वक्त तीसरा सीजन चल रहा है, जिसमें कंटेस्टेंट्स कुकिंग के साथ-साथ कॉमेडी भी करते हैं। कृष्णा अभिषेक और अंकिता लोखंडे के बीच देवर-भाभी वाले पल भी खूब पसंद किए जाते हैं। कृष्णा उन्हें चिढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब फिर ऐसा ही हुआ और कृष्णा अपनी फेवरेट 'भौजी' अंकिता की खिंचाई करने लगे। मेकर्स ने इसका प्रोमो भी रिलीज किया है। शो में एक सरप्राइज एंट्री भी हुई।

कृष्णा अभिषेक ने 'भौजी' अंकिता लोखंडे को चिढ़ाया

'लाफ्टर शेफ्स 3' के शेयर किए गए प्रोमो में अंकिता लोखंडे अचानक ही जमीन पर बैठ जाती हैं। यह देख कृष्णा अभिषेक बोलते हैं, 'भौजी की नस पे नस चढ़ गई है तो वो शूट नहीं कर पा रही हैं। तो रिप्लेसमेंट का अब टाइम आ गया है।' यह सुनकर अंकिता हंसते हुए बोलती हैं, 'करके दिखाए रिप्लेस कोई, मैं मान जाऊंगी।'

देबिना बनर्जी की एंट्री, सभी उनकी ओर भागे तो अंकिता हैरान

तभी शो में देबिना बनर्जी की सरप्राइज एंट्री होती है, और सभी हैरान रह जाते हैं। वह प्लेट में लड्डू लेकर एंट्री करती हैं और सभी उनका स्वागत करते हैं। देबिना को देख अंकिता हैरान रह जाती हैं। सभी कंटेस्टेंट्स अंकिता की खिंचाई करते हुए उन्हें शो से बाहर भेजते हैं। कृष्णा, अंकिता को मेन गेट के पास ले जाते हैं और उनके सिग्नेचर स्टाइल में गाते हुए बाहर भेजते हैं। कृष्णा बोलते हैं, 'आप हमें कहती थीं ना आ आ आ आ... अब हम कहेंगे जा जा..।' यह सुनकर सभी जोर-जोर से हंस पड़ते हैं।

फैंस ने किया रिएक्ट- हमें अंकिता चाहिए, देबिना नहीं

इस प्रोमो पर फैंस के भी काफी कमेंट्स आ रहे हैं। वो कृष्णा अभिषेक और अंकिता की बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, अंकिता की रिप्लेसमेंट की बात पर वो भड़क गए और कहा कि अंकिता बेस्ट हैं, उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। फैंस ने देबिना बनर्जी को बोरिंग भी बता दिया। उन्होंने कहा कि शो में उन्हें सिर्फ अंकिता चाहिए, देबिना बनर्जी नहीं।

'लाफ्टर शेफ्स 3' में ये हैं कंटेस्टेंट्स

'लाफ्टर शेफ्स 3' में अभी जो कंटेस्टेंट्स नजर आ रहे हैं, वो हैं- करण कुंद्रा, एल्विश यादव, अली गोनी, जन्नत जुबैर, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, निया शर्मा, सुदेश लहरी, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल। वहीं भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह इसके होस्ट हैं।

अमिताभ बच्चन को क्या हुआ? 83 की उम्र में 'अंतिम सत्य' की चिंता, कहा- मन के भीतर कितनी बातें चल रहीं

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने ब्लॉग पर काफी कुछ बयान कर रहे हैं। 83 साल के मेगास्टार ने बीते दिनों जहां घर पर बैठने और रूटीन लाइफ में काम के नहीं होने पर 'खालीपन' और 'बेचैनी' की बात की थी, वहीं अब उन्होंने 'मन के भीतर चल रही कितनी ही बातों' का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि एक 'शांत और चिंतन भरा दिन' बिताने के दौरान उन्होंने जिंदगी की अनिश्चितताओं और जीवन के अर्थ की निरंतर खोज पर विचार किया। वह लिखते हैं कि वह जवाबों की तलाश कर रहे हैं, कुछ जवाब मिले भी, लेकिन ज्यादातर अनसुलझे और अस्पष्ट रह गए हैं।

'कौन बनेगा करोड़पति' के 17 में से 16 सीजन होस्ट कर चुके बिग बी ने अपने नए ब्लॉग में लिखा, 'एक शांत और चिंतन भरा दिन... खुद के साथ, अपने आस-पास के माहौल के साथ और अपनी परिस्थितियों के साथ... मन के भीतर कितने ही विचार और बातें चल रही हैं, खुद से ही बातें कर रहा हूं... जवाबों की तलाश में... कुछ जवाब मिल भी रहे हैं, लेकिन ज्यादातर तो कोई जवाब नहीं मिल रहा या फिर जो मिल रहे हैं, वे भी अस्पष्ट हैं।'

अमिताभ बोले- हर दिन, पल की शांति में, दुनिया का अजूबा

नितेश तिवारी के 'रामायण' में जटायू का किरदार निभा रहे अमिताभ बच्चन आगे लिखते हैं, 'हर दिन, पल की शांति में, दुनिया का अजूबा, 'क्यों, क्या और कहां' का अजूबा...

लेकिन जो जवाब मिलते हैं, उन पर कभी भी पूरी तरह भरोसा नहीं हो पाता... कितने ही लोगों ने अपनी पूरी जिंदगी यह पता लगाने में बिता दी कि 'क्यों' और 'कैसे'... लेकिन वे भी कुछ ऐसे शब्दों पर आकर रुक जाते हैं, जो शायद उस विचार का विश्लेषण तो करते हैं, लेकिन कभी भी कोई पक्का और अंतिम जवाब नहीं दे पाते।'

'आप खाली हाथ आए थे... और वैसे ही जाएंगे'

वह आगे कहते हैं, 'यह सच है... क्योंकि अगर जवाब बिना किसी सवाल के मिल जाता, तो वह जवाब कहलाता ही नहीं... वह तो उस विचार का अंतिम सत्य होता जिसने आपको सोचने पर मजबूर किया... संक्षेप में कहें तो, बस एक ही और एकमात्र अंतिम सत्य है... आप खाली हाथ आए थे... और वैसे ही खाली हाथ वापस जाएंगे।'

'किसी भी सवाल का कोई एक पक्का जवाब नहीं होता'

ब्लॉग के आखिर में महानायक ने कहा, 'आप सबसे सच्चे रूप की तलाश करते हैं, लेकिन आपकी यह तलाश कभी किसी खोज पर आकर खत्म नहीं होती... वह खोज हमेशा हाथ नहीं आती... क्योंकि उसे इसी तरह से बनाया गया है। किसी भी सवाल का कोई एक पक्का जवाब नहीं होता... हर विचार की कई अलग-अलग धाराएं होती हैं... और उनमें से सभी धाराएं मिलकर किसी एक अंतिम सत्य तक नहीं पहुंचतीं... और इसलिए... मैं सोचता रहता हूं।'

दो दिन पहले की थी 'खालीपन' और 'बेचैनी' की बात

दो दिन पहले उन्होंने अपने पिछले ब्लॉग में लिखा था, 'एक ऐसा दिन जो 'आलस' भरा था... कोई खास वजह नहीं थी... बस हर दिन काम न करना मुझे परेशान करने वाला लगता है... और जब आप हर दिन एक तय शेड्यूल के हिसाब से काम नहीं करते... तो आदतों को बनाने का जो पूरा सिलसिला पहले से चला आ रहा था... वह दिन अचानक कामों का एक ऐसा रहस्य बन जाता है, जो आम तौर पर पूरी तालमेल के साथ चलते हैं। आप सोचते हैं कि आज का दिन वैसा क्यों नहीं बीत रहा जैसा आप आम तौर पर चाहते हैं। इसलिए अगर हमारे अंदर इस बात की थोड़ी भी समझ हो, तो 'हमारे आस-पास शांति और सुकून बना रहे', लेकिन कुछ लोगों के साथ ऐसा कभी नहीं होता और यह एक और बेचैनी का सबब बन जाता है। कहते हैं कि चिंता में जीना मन और शरीर दोनों के लिए हानिकारक होता है, और इस बात की कमजोरी के चलते चिंता भरा दिन बिताना बिल्कुल भी जरूरी नहीं है।'

'वाराणसी' की कहानी लीक, शिव भक्त बने महेश बाबू की 'मास्टरमाइंड' से भिड़ंत

एसएस राजामौली की अगली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सिनेमा जगत में जबरदस्त हलचल मची हुई है. हाल में फिल्म की कहानी ऑनलाइन लीक होने की खबरें आ रही हैं, जिसने फैंस का रोमांच को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है. बताया जा रहा है कि फिल्म से जुड़ी एक वीएफएक्स कंपनी ने गलती से कहानी का एक छोटा सा हिस्सा शेयर कर दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है. इस सिनॉप्सिस के मुताबिक, फिल्म में महेश बाबू एक 'शिव भक्त' के किरदार में नजर आएंगे, जो समय की सीमाओं को लांघकर एक ऐसी प्राचीन ब्रह्मांडीय शक्ति की तलाश में निकलता है जो सदियों से रहस्य बनी हुई है. लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब उसे पता चलता है कि जिस मिशन पर वह निकला है, उसके पीछे एक खतरनाक मास्टरमाइंड का हाथ है जो दुनिया पर राज करना चाहता है.

फिल्म के स्केल और कहानी की गहराई को देखते हुए अब यह चर्चा भी तेज है कि 'वाराणसी' को दो हिस्सों में रिलीज किया जा सकता है. सूत्र बताते हैं कि एसएस राजामौली को लगता है कि तीन घंटे का समय भी इस एपिक जैसी कहानी को पूरी तरह पर्दे पर उतारने के लिए कम पड़ेगा. ठीक 'बाहुबली' की तरह, राजामौली इस बार भी दर्शकों को एक लंबा और भव्य सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं, ताकि कहानी के हर पहलू और प्राचीन रहस्यों को विस्तार से दिखाया जा सके. फिल्म का बजट करीब 1000 से 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्मों की लिस्ट में सबसे ऊपर खड़ा कर देता है. दो पार्ट में फिल्म लाने का फैसला न केवल कहानी के साथ न्याय करेगा, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी नया इतिहास रच सकता है.

'वाराणसी' को 2027 में रिलीज करने की योजना

दिलचस्प बात है कि फिल्म का नाम 'वाराणसी' होने के बावजूद इसकी ज्यादातर शूटिंग असली बनारस में न होकर हैदराबाद में बने एक विशाल सेट पर हो रही है. मेकर्स ने वहां रत्नेश्वर महादेव मंदिर की एक ऐसी नकल तैयार की है जिसे देखकर असली और नकली में फर्क करना मुश्किल है. कहानी के फ्लैशबैक और मौजूदा सीन्स को शूट करने के लिए पानी में डूबे हुए मंदिरों के भव्य ढांचे बनाए गए हैं. हैदराबाद के अलावा फिल्म की शूटिंग ओडिशा और केन्या की खूबसूरत लोकेशंस पर भी की गई है. प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे बड़े सितारों से सजी यह फिल्म अप्रैल 2027 में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. तब तक फैंस के लिए महेश बाबू और इस 'मास्टरमाइंड' की भिड़ंत के बारे में सोचना ही किसी रोमांच से कम नहीं है.

पान मसाला विज्ञापन केस में सलमान खान को राहत! राजस्थान हाई कोर्ट ने कम की एक्टर की मुश्किल

राजस्थान हाई कोर्ट ने सलमान खान को राहत दी है। अब अभिनेता को 13 अप्रैल को जयपुर जिला उपभोक्ता आयोग-II के सामने पेश होने की जरूरत नहीं है। आयोग ने सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह तारीख पहले अभिनेता के लिए 'अंतिम अवसर' के तौर पर तय की गई थी। ऐसा न कर पाने की स्थिति में गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने थे। राजस्थान हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

सलमान के खिलाफ शिकायत

यह मामला योगेंद्र सिंह बडियाल की तरफ से दायर एक शिकायत से जुड़ा है। अपनी शिकायत में उन्होंने पान मसाला और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान पर गुमराह करने वाले विज्ञापन दिखाने का आरोप लगाया गया है। इन उत्पादों का प्रचार 'केसर-युक्त इलायची' और 'केसर-युक्त पान मसाला' के तौर पर किया गया था।

बडियाल ने तर्क दिया, 'इस तरह के दावे सुरक्षा और गुणवत्ता के बारे में एक गलत धारणा बनाते हैं, जबकि यह बात जगजाहिर है कि पान मसाला के सेवन से कैंसर सहित स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे जुड़े होते हैं।'

विज्ञापन पर रोक के बावजूद लगे होर्डिंग

6 जनवरी, 2026 को आयोग ने इन उत्पादों के प्रचार और विज्ञापन पर अंतरिम रोक लगा

दी थी। हालांकि, खबरों के मुताबिक 9 जनवरी को भी विज्ञापन जारी रहे। जिनमें जयपुर, कोटा और अन्य शहरों में लगे होर्डिंग्स भी शामिल थे। इसे आयोग ने अपने आदेश का उल्लंघन माना।

आयोग ने दी थी कार्रवाई की चेतावनी

इसके बाद उपभोक्ता आयोग ने सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए। हालांकि उन पर अमल नहीं हुआ। हाल ही में हुई एक सुनवाई के दौरान, आयोग ने इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और आदेश का पालन न किए जाने की स्थिति में और भी सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी। हालांकि राजस्थान हाई कोर्ट ने सलमान खान को राहत दी है।

हीरोइनों पर भारी अल्लू अर्जुन की रियल लाइफ 'श्रीवल्ली'

अल्लू अर्जुन का 44वां जन्मदिन पर उनके परिवार के बारे में जानें

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का आज 44वां जन्मदिन है। साउथ इंडस्ट्री से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले अल्लू ने अपनी एक्टिंग और स्टाइल के दम पर पैन इंडिया स्टार बनने तक का सफर तय किया है। इसी मौके पर आज एक्टर को कई सेलेब्स ने जन्मदिन पर विश किया है।

साउथ के बेहतरीन एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर अपने फैंस को तोहफा दिया है। मेकर्स के साथ मिलकर उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म का नाम और पोस्टर रिवील किया है। पहले उनकी इस फिल्म को 'AA22xA6' के नाम से जाना जाता था।

अल्लू अर्जुन आज भारतीय सिनेमा के बड़े स्टार हैं, जिनका स्टारडम देश में ही नहीं, विदेश में भी सिर चढ़कर बोलता है. सुपरस्टार के फैंस उनकी हर एक बात को नोटिस करते हैं. दौलत-शोहरत के अलावा अल्लू अर्जुन एक भरे-पूरे परिवार के मुखिया भी हैं. अल्लू अर्जुन की तरह उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी भी पॉपुलर हैं, मगर वह कोई एक्ट्रेस नहीं हैं. वे एक बिजनेसवुमन हैं.

स्नेहा रेड्डी के पिता एक मशहूर हस्ती हैं. वे जिस 'सिएंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के चेयरमैन हैं, जिसमें उनकी बेटी प्लेसमेंट और एकेडमिक विंग की निदेशक हैं. स्नेहा रेड्डी के साथ अल्लू अर्जुन की प्यार की शुरुआत अमेरिका में एक छोटी सी मुलाकात के साथ हुई थी. रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू अर्जुन अपने दोस्त की शादी में पहुंचे थे, जहां स्नेहा भी गेस्ट बनकर पहुंची थीं. अल्लू अर्जुन पहली दफा जब स्नेहा से मिले थे, तब उन पर मुलाकात का ऐसा असर हुआ कि कुछ दिनों बाद उनके बीच चैट होने लगी. स्नेहा का रिस्पॉन्स भी पॉजिटिव रहा, जिसकी वजह से दोनों के बीच मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया.

अल्लू अर्जुन और स्नेहा ने शुरू में अपने रिश्ते को सीक्रेट रखा. सालों की डेटिंग के बाद जब अल्लू अर्जुन के पिता को उनके अफेयर के बारे में पता चला, तो बेटे ने भी स्नेहा संग शादी की इच्छा जाहिर कर दी.

अल्लू अर्जुन ने 26 नवंबर 2010 को स्नेहा से सगाई की और करीब 3 महीने बाद शादी कर ली. स्नेहा ने परिवार की जिम्मेदारियों के बीच 2016 में 'पीकाबू' नाम से वेंचर शुरू किया, जो फोटोशूट की सेवाएं देता है. अल्लू-स्नेहा की शादी को 15 साल गुजर गए हैं. कपल दो बच्चों के मम्मी-पापा हैं. बेटे का नाम अयान है और बेटी का अरहा. स्नेहा ने कंप्यूटर साइंस से पोस्ट ग्रेजुएशन किया है. वे अमेरिका से पढ़ाई करने के बाद अपने और पिता के बिजनेस को आगे बढ़ाने में लगी हैं.

स्नेहा की नेटवर्थ करीब 42 करोड़ रुपये बताई जाती है. वे बिजनेस की तमाम जिम्मेदारियों के साथ परिवार को भी साथ लेकर चलती हैं. यही खूबी उन्हें लाखों नेटिजेंस के बीच पॉपुलर बनाता है.

तेलुगु एक्ट्रेस पूजिता कौन हैं? पति पर 9 औरतों संग अवैध संबंध के आरोप, बेडरूम में चादर ओढ़ करता था बातें

साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस पूजिता जोन्नालगड्डा एक बार फिर चर्चा में हैं। फिल्म 'दिल पेला मुद्दुला पुलिस' से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने अपने पति पर अवैध संबंध के संगीन आरोप लगाए हैं। 130 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकीं पूजिता के बेहद इमोशनल इंटरव्यू के वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इसमें उन्होंने अपनी शादीशुदा जिंदगी की दर्दनाक आपबीती बयान की है। करीब 14 साल के वैवाहिक जीवन के संघर्षों के बारे में खुलकर बात करते हुए जहां वह कई बार भावुक हुईं, वहीं पति को लेकर चौंकाने वाले दावे किए। पूजिता ने बताया कि उनके पति का कम से कम 9 औरतों के साथ अवैध संबंध रहे हैं। यही नहीं, उन्होंने उन पर करोड़ों के गहने चोरी के भी आरोप लगाए।

पूजिता मूल रूप से तेलुगू एक्ट्रेस हैं। टॉलीवुड में उन्होंने 70 से अधिक फिल्मों में काम किया है। जबकि वह तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में भी काम करती हैं। वह इससे पहले साल 2016 में तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने अपने पति वी. विजय गोपाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। 'लेडीज स्पेशल' फिल्म की एक्ट्रेस ने तब कहा था कि उनके पति ने धोखे से एक IAS अधिकारी रेखा रानी से शादी की और उसके पहले से कई महिलाओं संग अवैध संबंध रहे

हैं।

पूजिता बोलीं- बेटे के जन्म के बाद से बिगड़ने लगे रिश्ते

अब इसे संयोग कहिए या दुर्भाग्य, पूजिता की खुद की जिंदगी की यह उथल-पुथल उनके फिल्मी किरदारों से मेल खाती है, जहां वह अक्सर किसी की 'दूसरी पत्नी' के किरदार में नजर आई हैं। पूजिता ने वायरल इंटरव्यू में कहा है कि उन्होंने विजय गोपाल के साथ करीब 14 साल पहले शादी की थी। दोनों का एक बेटा भी है। हालांकि, बेटे के जन्म के कुछ साल बाद से ही उनके रिश्ते में दरार आने लगी।

एक्ट्रेस ने कहा- मुझसे तलाक लिए बिना कर ली दूसरी शादी

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनका बेटा 7 साल का था, तब वी. विजय गोपाल ने उन्हें छोड़ दिया था और दूसरी महिला से 'अवैध शादी' कर ली। साल 2016 में 'मलयालम मनोरमा' की रिपोर्ट में इस बाबत एक पुलिस शिकायत का जिक्र मिलता है। जहां एक्ट्रेस ने कहा था कि उनके पति विजय गोपाल ने बिना उनसे तलाक लिए रेखा रानी से शादी रचा ली है, जो कानूनी तौर पर अवैध है। उन्होंने तब भी पति के अवैध संबंधों का जिक्र किया था।

'उसके कम से कम 9 महिलाओं संग रहे अवैध संबंध'

एक्ट्रेस पूजिता ने दावा किया है कि उनके पति के कम से कम 9 महिलाओं संग संबंध रहे हैं। उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन के तबाह होने के पीछे इसे कारण बताया है। एक्ट्रेस यह बताते हुए भावुक हो गईं और कहा कि उन्होंने हमेशा पूरी ईमानदारी से अपना रिश्ता निभाया, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ और सिर्फ धोखा मिला।

'मैंने पूजिता से शादी नहीं की, हमारा सिर्फ शारीरिक रिश्ता था'

दूसरी ओर, विजय गोपाल ने पुलिस शिकायत के बाद ही इन आरोपों का खंडन कहा था कि उन्होंने कहा कि एक्ट्रेस पूजिता के साथ उनके सिर्फ शारीरिक संबंध रहे हैं और उन्होंने कभी उनसे शादी नहीं की थी।

पूजिता ने विजय पर लगाए करोड़ों के गहने चोरी के आरोप

एक्ट्रेस ने पति पर एक और चौंकाने वाला आरोप लगाया। दावा किया कि वी. विजय गोपाल ने उनके घर से करीब 2.5 करोड़ रुपये के सोने के गहने चुराए। एक्ट्रेस के इस इंटरव्यू पर अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा और बहस हो रही है। कई यूजर्स एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतरे हैं।

वह घर आता और मारपीट करता था। फिर उसका एक एक्सीडेंट हो गया। उसका सिर दो हिस्सों में बंट गया था। वह खून से लथपथ था। उसे अपोलो हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां भी उसने डॉक्टरों को गालियां दीं, जिसके बाद डॉक्टरों ने इलाज करने से मना कर दिया।

पूजिता बोलीं- उससे पूछती थी तो वह पीटता था

एक्ट्रेस ने यह भी बताया था कि जब कभी वह विजय गोपाल से इस बारे में सवाल करती थीं और उनका झगड़ा होता था और वह उन्हें पीटता भी था। वह कहती हैं, 'वह घर आता और मारपीट करता था। फिर उसका एक एक्सीडेंट हो गया। उसका सिर दो हिस्सों में बंट गया था। वह खून से लथपथ था। उसे अपोलो हॉस्पिटल ले जाया गया।

वहां भी उसने डॉक्टरों को गालियां दीं, जिसके बाद डॉक्टरों ने इलाज करने से मना कर दिया। तब मैं वहां गई... अपने जान-पहचान के एक डॉक्टर को बुलाया और उस आदमी का इलाज करवाया।' पूजिता ने दावा कि विजय गोपाल ने जिस IAS अफसर से शादी की थी, वह उससे भी अलग हो गया है। वह बोलीं, 'उसने उसे छोड़ दिया और किसी दूसरे आदमी से शादी कर ली।

पवार परिवार में सुप्रिया सुले सबसे अमीर

उनके बाद हैं सुनेत्रा, तीसरे नंबर पर खिसके शरद पवार

पुणे, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अजित पवार के निधन से खाली हुई बारामती विधानसभा सीट के लिए उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने अपना नामांकन दाखिल किया है। एनसीपी-एसपी ने उम्मीदवार नहीं उतारा, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी की सदस्य कांग्रेस ने चुनाव मैदान में प्रवेश किया है। इस बीच सुनेत्रा पवार के चुनावी हलफनामों से पता चला है कि एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले पवार परिवार में सबसे अमीर हैं। जबकि उनके पिता और पार्टी प्रमुख शरद पवार इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

सुनेत्रा पवार के पास कितनी दौलत?

चुनावी हलफनामों के अनुसार, सुप्रिया सुले के पास 167 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति है। जो कि शरद पवार की संपत्ति से लगभग तीन गुना ज़्यादा है। शरद पवार के पास 61 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के पास 122 करोड़ रुपये की संपत्ति है। ये आंकड़े बारामती उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान सामने आए। इससे चुनाव में परिवार बनाम संपत्ति को लेकर बहस तेज हो गई है।

बारामती सीट पर कब है चुनाव?

बारामती विधानसभा सीट के लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

पवार परिवार का गढ़ मानी जाने वाली बारामती सीट को महाराष्ट्र के सबसे प्रतिष्ठित राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्रों में से एक माना जाता है और यह चुनाव अब राजनीतिक विरासत, भावनात्मक जुड़ाव और विकास के मॉडलों की कसौटी बन गया है।

नामांकन दाखिल कर क्या बोलीं सुनेत्रा पवार?

इस सप्ताह की शुरुआत में सुनेत्रा पवार ने बारामती सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे कांग्रेस उम्मीदवार आकाश मोरे के खिलाफ सीधे मुकाबले का मंच तैयार हो गया। बारामती के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बारामती का हर नागरिक मेरे परिवार का सदस्य है। मैं आपको कभी अकेला महसूस नहीं होने दूँगी। बारामती का विकास उसी तेज गति से आगे बढ़ता रहेगा, जैसा कि अतीत में होता रहा है।

बारामती सीट लगातार आठ बार अजित पवार का कब्जा

दरअसल सुनेत्रा के पति अजित पवार की जनवरी के अंत में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

उन्होंने बारामती सीट लगातार आठ बार जीती थी। शुरुआत में उन्हें निर्विरोध जिताने की मांग उठ रही थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी के मैदान में उतरने के बाद अब सीधा मुकाबला तय हो गया है। सुनेत्रा पवार हाल ही में बारामती से लोकसभा चुनाव में अपनी ननद सुप्रिया सुले से हार गई थीं।

शारदा चिटफंड केस में सुदीप्त सेन को जमानत

आखिरी 2 मामलों में एचसी से राहत

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शारदा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपी सुदीप्त सेन को आखिरी दो मामलों में जमानत दे दी। 13 साल से जेल में बंद सेन की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। ये मामले उत्तर 24 परगना के बरासात थाने से जुड़े हैं। सुदीप्त सेन को पहले ही उसके खिलाफ दर्ज 300 मामलों में जमानत मिल चुकी थी। इनमें सीबीआई द्वारा दर्ज चार केस भी शामिल हैं।

सुदीप्त सेन को अप्रैल 2013 में जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप है कि उसने शारदा ग्रुप के जरिए लाखों लोगों से सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी की।

प्रयागराज में पीपा पुल बहा, 4 शहरों में ओले गिरे

मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंसी यूपी के 25 शहरों में आंधी-बारिश

प्रयागराज/कानपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह से लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, जौनपुर और अलीगढ़ समेत 25 जिलों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है।

मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर और लखीमपुर में दोपहर बाद ओले गिरे। सड़कों-खेतों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई।

प्रयागराज के मेजा में गंगा फेरी घाट पर बना पांटून (पीपा) पुल पानी के तेज बहाव में बह गया। बाराबंकी में चलती रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया।

गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंस गई। ग्रामीण इलाकों में कई जगह खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल डूब गई।

मौसम विभाग ने आज 47 जिलों में बारिश और 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

योगी ने किसानों के नुकसान को लेकर अफसरों को 24 घंटे में सर्वे के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुआवजा दिलाने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि सरकार अन्नदाताओं के साथ खड़ी है। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं, मंगलवार की बात करें तो आगरा, मथुरा समेत 15 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। कानपुर-झांसी में कई पेड़ और पोल उखड़ गए।

लखनऊ में खराब मौसम की वजह से दो फ्लाइट्स लैंड नहीं कर पाईं। उन्हें वाराणसी डायवर्ट करना पड़ा। इस दौरान फ्लाइट आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही।

परमाणु ऊर्जा का शक्तिमानः स्वदेशी फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तैयार

400 साल की बिजली गारंटी, ऐसा करने वाला भारत दुनिया का दूसरा देश

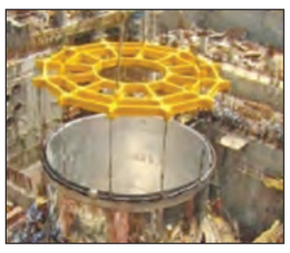

कलपक्कम/तमिलनाडु, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में वह कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसने दुनिया के विकसित देशों को चौंका दिया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी-BHAVINI) का 500 मेगावाट का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) अब कमर्शियल उत्पादन लिए तैयार है।

इसे बनाने में 200 से अधिक भारतीय एमएसएमई और निजी कंपनियों ने कलपुर्जे बनाए हैं। इस वजह से भारत पर किसी भी तरह के विदेशी प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होगा।

रूस के बाद भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने इस जटिल तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर उतारा है। इसे किसी विदेशी मदद के बिना, पूरी तरह स्वदेशी इंजीनियरिंग से तैयार किया गया है। इससे भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम के स्टेज-3 का रास्ता खुलेगा और थोरियम से परमाणु बिजली बनाना संभव होगा।

परमाणु विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य रिएक्टरों की तुलना में 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' कहीं अधिक उन्नत होते हैं। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितना ईंधन (यूरेनियम) इस्तेमाल करता है, उससे कहीं ज्यादा पैदा करता है। इसीलिए इसे 'ब्रीडर' कहा जाता है। भारत के पास यूरेनियम के भंडार सीमित हैं, लेकिन थोरियम का विशाल भंडार है।

यह रिएक्टर भारत के 'तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम' के दूसरे चरण की शुरुआत है, जो भविष्य में थोरियम के इस्तेमाल का रास्ता खोलेगा। परमाणु विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका, फ्रांस ने परमाणु रिएक्टर के एक ही डिजाइन-पेशराइज्ड वाटर रिएक्टर (पीडब्ल्यूआर) को अपनाया। जर्मनी और ब्रिटेन की कोशिश नाकाम रही। भारत ने इस जटिल इंजीनियरिंग चुनौती को स्वीकार किया।

भारत में लगभग 9.63 लाख टन थोरियम का भंडार है। एक बार जब हम तीसरे चरण में पूरी तरह प्रवेश कर जाएंगे, तो ये भंडार भारत को अगले 400 वर्षों तक निर्बाध बिजली प्रदान करने में सक्षम होंगे। परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोदकर के विजन का जिक्र करते हुए विशेषज्ञ बताते हैं कि हालांकि इस परियोजना में समय लगा, जो 'मेक इन इंडिया' की बड़ी मिसाल है।

यह भारत की 'ऊर्जा संप्रभुता' का घोषणा-पत्र जैसा है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे हादसा

बीटेक के बाद ऋषिकेश नीलकंठ मन्नत मांगने जा रहे दिल्ली के दो दोस्तों की मौत

बागपत, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बागपत में दो इंजीनियर दोस्तों की मंगलवार आधी रात के बाद करीब डेढ़ बजे सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों को सोमवार को ही बीटेक की डिग्री मिली थी। दोनों कार से नौकरी की मन्नत मांगने दिल्ली से ऋषिकेश के नीलकंठ मंदिर जा रहे थे। बागपत के पुलिस इंस्पेक्टर बृजेश कुमार के मुताबिक, हादसा बागपत शहर कोतवाली क्षेत्र में हुआ। दरअसल, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे अभी निर्माणाधीन है। 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे। मरने वालों के नाम इंजीनियर कपिल (24) और प्रयाग कौशिक (25) दिल्ली के नांगलोई के रहने वाले थे। दोनों अपने-अपने परिवार के इकलौते बेटे थे। प्रयाग के पिता राजेंद्र कौशिक नीति आयोग में अंडर सेकेटरी हैं।

पश्चिम बंगाल में चुनावी डयूटी में लगे बीएसएफ और सीआरपीएफ कंपनी कमांडरों को होटल और गेस्ट हाउस में स्टे करने पर रोक

आदेश की होने लगी मुखालफत

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया में तैनात किए गए बीएसएफ और सीआरपीएफ समेत तमाम सीएपीएफ के मामले में अब एक नया मसला तूल पकड़ता जा रहा है। मसला है सीएपीएफ के कंपनी कमांडरों को होटल और गेस्ट हाउस छोड़कर अपनी कंपनियों के साथ ही स्कूलों में स्टे करने का। जिसके खिलाफ सीएपीएफ के कंपनी कमांडर खुलकर सामने आ गए हैं। इनका कहना है कि यह आदेश सीएपीएफ ग्रेड-वन अधिकारियों को परेशान करने वाला और चुनाव आयोग के नियमों के खिलाफ है।

कंपनी कमांडरों ने की शिकायत

आदेशों का विरोध करते हुए बीएसएफ के एक कंपनी कमांडर ने तो बाकायदा इसकी लिखित में शिकायत पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए सीएपीएफ और स्टेट फोर्स के लिए कोऑर्डिनेटर के रूप में तैनात किए गए पश्चिम बंगाल सेक्टर में आईजी पुलिस से की है। सीएपीएफ कैडर अधिकारियों का कहना है कि यहां 12 मार्च से बीएसएफ और सीआरपीएफ समेत सीएपीएफ के तमाम बलों के जवानों को आवश्यकतानुसार तैनात करना शुरू कर दिया गया था। जिसमें सीएपीएफ के तमाम कंपनी कमांडरों को होटल और गेस्ट हाउस में स्टे करने की सुविधा दी गई थी।

आदेश पर क्या है अधिकारियों का कहना

पिछले दिनों अचानक एक आदेश जारी करके कंपनी कमांडरों की भूमिका निभा रहे असिस्टेंट कमांडेंट और इससे उपर के अधिकारियों को होटल और गेस्ट हाउस छोड़कर स्कूलों में अपनी कंपनियों के साथ ही शिफ्ट होने के आदेश जारी कर दिए गए। अधिकारियों का कहना है कि स्कूलों में ना तो मूलभूत सुविधाएं हैं और ना ही स्टे करने का अनुकूल माहौल।

आईपीएस अफसरों के लिए भी जारी होगा ऐसा ही आदेश?

अधिकारियों का कहना है कि सीएपीएफ के कंपनी कमांडरों को तो स्कूलों में स्टे करने के आदेश दे दिए गए। लेकिन क्या इसी तरह के आदेश आईपीएस अफसरों के लिए भी जारी किए जाएंगे?

अगर नही तो यह अधिकारियों के साथ भेदभाव पूर्ण नीति है। इससे चुनावी डयूटी पर भी असर पड़ेगा। इस बात की शिकायत चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के सीईओ को भी की गई है। शिकायत में कहा गया है कि प्रशासन को दिए गए इस आदेश को वापस लेना चाहिए या इसमें संशोधन करना चाहिए।

सर्वे- 29 में से 23 देश भविष्य को लेकर चिंतित

भारत के 65 फीसदी लोग मानते हैं कि देश सही दिशा में - इप्सोस

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इस साल दुनियाभर में कई महत्वपूर्ण व्यवधान देखने को मिले हैं, जिनमें पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भी शामिल है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। पूरी दुनिया के लोग भविष्य को लेकर चिंतित है और निराशा बढ़ रही है।

इसके बीच भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों में उम्मीद की किरण बरकरार है। ग्लोबल रिसर्च फर्म इप्सोस ने मार्च 2026 की एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट का शीर्षक है 'वाट वरीज द वर्ल्ड' यानी पूरी दुनिया को सबसे ज्यादा क्या चितिंत करता है।

रिपोर्ट में सर्वे किए गए 29 में से 23 देशों के अधिकांश लोग अपने भविष्य को लेकर नकारात्मक सोच रखते हैं लेकिन भारत, सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड जैसे देश इस ट्रेंड से अलग खड़े हैं। सर्वे में शामिल भारत के 65% लोगों का मानना है कि देश सही दिशा में जा रहा है। दुनिया में यह औसत महज 39% है। सर्वे में उन प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर नागरिकों की राय भी शामिल की गई है जो उनके दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। सर्वे में कई लोगों ने माना है कि तेल और गैस आपूर्ति पर बढ़ता दबाव भविष्य में चुनौती बन सकता है।

अपराध-हिंसा-बेरोजगारी सबसे बड़ी चिंताएं

वैश्विक चिंताओं में अपराध, हिंसा, बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और सामाजिक असमानता, वितीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार प्रमुख हैं। भारत में भी इसी तरह की चिंताएं देखने को मिलती हैं, लेकिन प्राथमिकताओं का क्रम अलग है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, अपराध और हिंसा के अलावा वित्तीय और राजनतिक भ्रष्टाचार भारतीयों की सबसे बड़ी चिंताएं हैं।

5 घंटे तालाब में छिपा रहा 400 चोरियों का मास्टरमाइंड

कमल की डंठल से लेता रहा सांस, एसी कोच से महिला का पर्स खींचकर भागा था

जबलपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जबलपुर में पुलिस और एक शातिर अंतरराज्यीय चोर के बीच मंगलवार शाम फिल्मी ड्रामा देखने को मिला। पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपी खितौला रेलवे स्टेशन के पास एक काई से भरे तालाब में कूद गया। वह करीब 5 घंटे तक पानी के अंदर छिपा रहा।

चौंकाने वाली बात यह है कि वह सांस लेने के लिए कमल की डंठल (कमल-नाल) का सहारा लेता रहा। आखिरकार गोताखोरों की मदद से उसे दबोच लिया गया।

घटना रीवा-इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन की है। एसी कोच में एक महिला का पर्स चोरी करने की कोशिश के दौरान आरोपी आरपीएफ की नजर में आ गया। जैसे ही ट्रेन सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन के पास धीमी हुई, आरोपी कूदकर भागने लगा।

आरपीएफ जवानों ने पीछा किया तो वह खितौला के एक गहरे और काई से भरे तालाब में जा कूदा। रात के अंधेरे और घनी शैवाल के कारण वह पुलिस की आंखों से ओझल हो गया।

तीन विजुअल से समझें घटनाक्रम

खितौला थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम ने जब रेस्क्यू शुरू किया तो पाया कि आरोपी पानी की सतह पर नहीं है। शातिर चोर ने खुद को पूरी तरह पानी में डुबो लिया था।

केवल एक पाइपनुमा कमल-नाल के जरिए बाहर से ऑक्सीजन ले रहा था। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसे काई के बीच से ढूंढ़ निकाला।

बीजेपी का आरोप- कोलकाता रेप-मर्डर पीड़िता की मां से बदसलूकी

प्रचार के दौरान हमले की कोशिश ममता बनर्जी ने भवानीपुर से नामांकन भरा

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पानीहाटी सीट से बीजेपी उम्मीदवार रत्ना देबनाथ ने बुधवार को अपने साथ बदसलूकी का आरोप लगाया। रत्ना कोलकाता रेप-मर्डर पीड़िता की मां हैं।

उन्होंने कहा कि प्रचार के दौरान TMC के गुंडों ने मुझे मारने की कोशिश की। मुझे ज्यादा चोट नहीं आई, लेकिन मेरे साथ आए कार्यकर्ता घायल हुए हैं।

बीजेपी का आरोप है कि कुछ महिलाएं 'जय बंगला' के नारे लगाते हुए विरोध करनी लगी। कुछ कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने सभी आरोपों को खारिज किया है।

इधर, सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा।

भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा सुवेंदु नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ रहे हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था।

वहीं, असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थम गया।

रांची-रामगढ़, हजारीबाग समेत कई जिलों में बारिश

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची सहित पूरे झारखंड में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। राजधानी रांची, धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, बोकारो, गिरिडीह और चाईबासा में तेज हवा के साथ बारिश हुई। आठ अप्रैल को राज्य के कई जिलों में आकाश में बादल छाये रहने के साथ मेघ गर्जन, तेज हवा और कहीं-कहीं ओलावृष्टि के साथ मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने विशेष रूप से पूर्वी और आसपास के मध्य भाग के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, नौ अप्रैल को भी रांची सहित 14 जिलों में गरज-चमक और तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है।

लगातार बारिश और थंडरस्टॉर्म की वजह से राज्य के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है, जिससे लोगों को अप्रैल में भी ठंड का एहसास हो रहा है।

रांची, खूंटी, लोहरदगा और लातेहार के लोग इस मौसम को शिमला जैसी ठंडक वाला अनुभव बता रहे हैं।

बीते 24 घंटों में कांके का न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री दर्ज किया गया। रांची में तो दोपहर के समय भी तेज धूप के बीच अचानक बारिश ने मौसम को और अनिश्चित बना दिया। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। ओलावृष्टि और तेज हवा के कारण टमाटर, फूलगोभी जैसी फसलों को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

केमिकल से बन रहा था टमाटर सॉस

खाद्य विभाग ने मारा छापा, मचा हड़कंप

हापुड़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पन्नापुरी में संचालित एक कथित नकली टमाटर सॉस फैक्ट्री पर छापेमारी की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। विभाग को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि यहां पर घटिया और मिलावटी टमाटर सॉस तैयार कर बाजार में सप्लाई किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को योजनाबद्ध तरीके से फैक्ट्री पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में ड्रमों में भरा संदिग्ध तरल पदार्थ बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में इन ड्रमों में केमिकल रंग और एसिड जैसे खतरनाक तत्वों की मौजूदगी की आशंका जताई गई है। इसके अलावा तैयार सॉस, कच्चा माल और निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण भी मौके से जब्त किए गए। सहायक आयुक्त खाद्य विभाग सुनील कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सॉस नकली और मिलावटी प्रतीत हो रही है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सभी संदिग्ध नमूनों को प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया गया है, ताकि सटीक रूप से यह पता लगाया जा सके कि इसमें किन-किन रसायनों का इस्तेमाल किया गया है।

निशांत का अनुभव 'जीरो बटा सन्नाटा' : बोले तेज प्रताप

बिहार को लेकर तेजस्वी को दी नसीहत

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान तेज प्रताप यादव ने निशांत कुमार, नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और शराबबंदी सहित कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। तेज प्रताप यादव ने कहा कि पटना में बोरिंग रोड पर महिलाएं सिगरेट पीती हुई नजर आती हैं। महिलाएं सिगरेट का धुआं उड़ाती हैं और पुरुष उनका मुंह देखते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में कोई शराबंदी नहीं रही। खुलेआम शराब का सेवन किया जा रहा है।

तेज प्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव को भी नसीहत दी। तेजस्वी के केरल में बिहार को लेकर दिए बयान को लेकर जब तेज प्रताप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि तेजस्वी को दूसरे राज्यों में जाकर बिहार को 'गरीब' नहीं कहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बिहार के बाहर या देश के बाहर जाकर अपने राज्य की बुराई करना पूरी तरह गलत है। बिहार के युवाओं का दिल बहुत बड़ा है, तेजस्वी को राज्य की छवि को इस तरह धूमिल नहीं करना चाहिए।'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के उपमुख्यमंत्री बनने की चर्चाओं पर तेज प्रताप ने बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार अगर डिप्टी सीएम बनते हैं तो ये खुशी की बात है। लेकिन जहां तक राजनीति का सवाल है, उनका अनुभव अभी 'जीरो बटा सन्नाटा' है। उन्होंने कहा कि तेज प्रताप ने यह भी जोड़ा कि उम्र में बड़े होने के नाते वह निशांत का सम्मान करते हैं। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब मैं राजनीति में आया था तब मेरे पास भी अनुभव नहीं था, लेकिन समय के साथ बहुत कुछ सीखा।

सेंसेक्स 2946 अंक चढ़कर 77,563 पर बंद, निफ्टी 874 अंक बढ़कर 23,997 पर पहुंचा

मुंबई अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद आज यानी बुधवार 8 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 2946 अंक (3.95%) चढ़कर 77,563 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 874 अंक (3.78%) ऊपर है, ये 23,997 पर बंद हुआ। आज ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही।

निफ्टी का ऑटो, बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी इंडेक्स 5% ऊपर बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग पर 2 हफ्ते के लिए ब्रेक लग गया है। दोनों देशों ने पाकिस्तान-चीन की मध्यस्थता के बाद इस सीजफायर पर सहमति जताई है।

ट्रंप ने ईरान पर रोकी कार्रवाई, तेल के दाम गिरे

दो हफ्ते की मोहलत से उछला अमेरिकी बाजार

वॉशिंगटन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संभावित बड़े हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुरक्षित गुजरने की अनुमति देता है, तो फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोकी जा सकती है। इस फैसले का असर तुरंत वैश्विक बाजारों पर दिखा।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत करीब 18% गिरकर लगभग 92.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 6% गिरकर 103.40 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि, ये कीमतें अभी भी युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। एसएंडपी 500 के फ्यूचर्स लगभग 2.4% ऊपर चले गए, जिससे निवेशकों में भरोसा बढ़ता नजर आया। बाजार को उम्मीद है कि अगर तनाव कम होता है, तो आर्थिक हालात भी स्थिर हो सकते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि ईरान पर होने वाले संभावित हमले और बमबारी को फिलहाल दो हफ्तों के लिए रोक दिया गया है। ट्रंप ने बताया कि यह एक 'दोनों तरफ से लागू होने वाला सीजफायर' होगा, यानी इस दौरान न अमेरिका हमला करेगा और न ही ईरान कोई आक्रामक कदम उठाएगा। हालांकि इस समझौते के लिए एक बड़ी शर्त रखी गई है, ईरान को तुरंत, पूरी तरह और सुरक्षित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना होगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान की तरफ से 10 बिंदुओं वाला एक कारगर शांति प्रस्ताव आया है, जिससे 28 फरवरी से चल रहे युद्ध को खत्म करने का रास्ता निकल सकता है।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगे नहीं होंगे

› आरबीआई ने ब्याज दर 5.25% पर बरकरार रखी › 2025 में चार बार में 1.25% की कटौती

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

2025 में चार बार में 1.25% की कटौती

फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था। मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई। जून में तीसरी बार आरबीआई में दरों में 0.50% कटौती की थी। दिसंबर में 0.25% की कटौती के बाद ब्याज दरें 5.25% पर आ गई थी।

ब्याज दर में बदलाव नहीं करने की वजह

आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, महंगाई में फिर से उछाल आने का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश की वजह से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी होने की आशंका है। ईरान-इजरायल जंग की वजह से सप्लाई चैन पर बुरा असर पड़ रहा है। आरबीआई अभी 'रुको और देखो' की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। बैंक अभी दुनिया भर के आर्थिक हालातों पर नजर रखना चाहता है। इसी वजह से ब्याज दर में बदलाव नहीं किया गया।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की बड़ी बातें

भारत की मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिति मजबूत है; ईरान युद्ध की वजह से हालात चुनौतीपूर्ण हैं।

एनर्जी (तेल-गैस) की कीमतें बढ़ने से ग्लोबल ग्रोथ पर खतरा मंडरा रहा है।

युद्ध की वजह से बढ़ी अनिश्चितता का असर इकोनॉमी के आउटलुक पर पड़ रहा है।

हर दो महीने में होती है आरबीआई की मीटिंग

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। आरबीआई की मीटिंग हर दो महीने में होती है। वित्त वर्ष 2026-27 में मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की कुल 6 बैठकें होंगी। पहली बैठक 6-8 अप्रैल 2026 को हुई है।

रेपो रेट क्या है, इससे लोन कैसे सस्ता होता है?

आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अक्सर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं यानी बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाता और घटाता क्यों है?

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।

पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	मीन	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मीन....	04-49 बजे
मेष.....	06-25 बजे
वृष.....	08-09 बजे
मिथुन..	10-10 बजे
कर्क...	12-22 बजे
सिंह....	14-34 बजे
कन्या...	16-41 बजे
तुला....	18-46 बजे
वृश्चिक..	20-56 बजे
धनु.....	23-10 बजे
मकर...	01-17 बजे
कुंभ....	03-07 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर **,** ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-09**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष, सूर्यास्त. **18 -26**
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष गुरुवार **09 April 2026**
तिथि - सप्तमी **21-19** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - मूल **08-47** तक उप पूर्वाषाढा
योग - परिघ **17-57** तक उप शिव
करण - विष्टी **08-12** तक उप बव
विशेष: भद्राकाल **08-13** तक
मूल नक्षत्र **08- 12** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-51 से
15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-08 - 07-39 शुभ	अमृत	18-27 - 19-57 शुभ
रोग	07-39 - 09-12 अशुभ	चंचल	19-57 - 21-24 शुभ
उत्पात	09-12 - 10-45 अशुभ	रोग	20-24 - 22-51 अशुभ
चंचल	10-45 - 12-18 शुभ	काल	22-51 - 00-17 अशुभ
लाभ	12-18 - 13-51 शुभ	लाभ	00-17 - 01-44 शुभ
अमृत	13-51 - 15-24 शुभ	उत्पात	01-44 - 03-11 अशुभ
काल	15-24 - 16-57 अशुभ	शुभ.	03-11 - 04-38 शुभ
शुभ.	16-57 - 18-27 शुभ	अमृत	04-38 - 06-08 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है । अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका दिन शांत, केंद्रित काम के अनुकूल हो सकता है, जहाँ धैर्य से काम आता है। रचनात्मक या विचारशील कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करें, लेकिन ध्यान भटकाने वाली चीज़ों या अवास्तविक लक्ष्यों से बचने के लिए सतर्क रहें। अपनी कल्पनाशील प्रवृत्ति को अपनाने से प्रेरणा मिल सकती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपके करियर को आत्मविश्वास और दयालुता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप दूसरों की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहते हुए दैनिक कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। सहायक व्यक्ति, विशेष रूप से महिलाएँ, आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। विचारशील संचार सहकर्मियों के साथ मजबूत, स्थायी बंधन बनाने में मदद करता है, जिससे सकारात्मक और संतुलित कार्य वातावरण बनता है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
स्पष्ट सोच और योजना से आपका काम और पढ़ाई बेहतर होती है। आत्मविश्वास आपको खुद को अच्छी तरह से व्यक्त करने में मदद करता है, जबकि एक स्थिर मानसिकता प्रगति की ओर ले जाती है। रचनात्मक विचार आसानी से आते हैं, और आपका समय बिल्कुल सही लगता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिकी कोर्ट से गौतम अदाणी को राहत

एसईसी फ्रॉड केस खारिज करने की याचिका स्वीकार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई तय करने की अनुमति दे दी है, जिसमें अदाणी की ओर से अमेरिकी प्रतिभूति व विनिमय आयोग एसईसी) के कथित धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की मांग की है। न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी की ओर से दायर प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस की मांग स्वीकार की जाती है और पक्षों को सुनवाई की तारीख तय करने का निर्देश दिया जाता है।

क्या था मामला?

यह मामला नवंबर 2024 में एसईसी और अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि अदाणी समूह ने भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए 25 करोड़ डॉलर से अधिक की कथित रिश्वत देने की योजना बनाई और इस जानकारी को अमेरिकी निवेशकों व बैंकों से छिपाया।

इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की

तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था। हालांकि, अदाणी समूह ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। कंपनी का कहना है कि उसके किसी भी अधिकारी या इकाई पर अमेरिकी भ्रष्ट आचरण कानून (एफसीपीए) के तहत आरोप तय नहीं हुए हैं और अदाणी ग्रीन एनर्जी इस मामले में पक्षकार भी नहीं है।

अदाणी पक्ष ने क्या दिया तर्क?

अदाणी और उनके वकीलों ने अदालत में दायर याचिका में कई आधारों पर केस खारिज करने की मांग की है। उनकी ओर से दी गई दलील में कहा गया कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह की कोई गलती सिद्ध नहीं होती है। अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं।

अदाणी समूह के वकीलों की ओर से दी गई दलील

अमेरिकी अदालत का इस मामले पर अधिकार क्षेत्र नहीं बनता है।

कथित रिश्वतखोरी के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है।

निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ, बांड की पूरी राशि और ब्याज 2024 में चुका दिया गया है।

कथित बयान सामान्य कॉरपोरेट दावे हैं, जिन्हें धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता है।

वकीलों ने यह भी कहा कि 75 करोड़ डॉलर का बॉन्ड इश्यू अमेरिका के बाहर किया गया था और इसमें अमेरिकी निवेशकों की सीधी भागीदारी नहीं थी।

कोयला व पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार : संजीव कुमार कस्सी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आ रही रुकावटों के बीच भारत सरकार ने देशवासियों को बड़ी राहत दी है। अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र ने साफ किया है कि भारत में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। एक ओर जहां कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, वहीं दूसरी ओर, विदेश में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार का यह आधिकारिक बयान अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है। आइए जानते हैं सरकार की ओर से क्या-क्या कहा गया। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव कुमार कस्सी ने देश में बिजली उत्पादन को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश की खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है, जिससे उपभोक्ताओं को बहुत ही कम समय के नोटिस पर कोयले की आपूर्ति की जा सकती है। देश की कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयला आधारित बिजली से पूरा होता है।

चांदी आज 13 हजार रुपये बढ़कर 2.44 लाख रुपये पर पहुंची

सोना 4 हजार रुपये महंगा हुआ, इस साल 19 हजार रुपये दाम बढ़े

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद सोने और चांदी में आज यानी 8 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 4 हजार रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले 7 अप्रैल को इसकी कीमत 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 13 हजार रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2.31 लाख रुपए प्रति किलो थी। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

ईरान युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडरा रहे हैं खतरे! आरबीआई ने किया आगाह

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट तय करने वाली आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन की बैठक आज खत्म हो गई। समिति के अध्यक्ष और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इसमें लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने आगाह किया कि पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई से भारतीय इकॉनमी के लिए पांच बड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं। इससे महंगाई, ग्रोथ और देश की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ सकता है। भारत अपना करीब 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि लगातार बढ़ रहीं वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण कई सेक्टरों पर जोखिम दिखना शुरू हो गया है। अगर सप्लाई में बाधा आगे भी बनी रहती है तो इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है। आरबीआई ने कहा कि अगर सप्लाई चेन की सामान्य स्थिति बहाल नहीं हुई तो सप्लाई का शुरुआती झटका आने वाले दिनों में व्यापक डिमांड शॉक में बदल सकता है।

महंगाई बढ़ने का खतरा

आरबीआई का कहना है कि पहला जोखिम यह है कि कच्चे तेल की कीमत में तेजी से मंहगाई बढ़ सकती है और चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। दूसरा जोखिम यह है कि एनर्जी मार्केट्स, फर्टिलाइजर्स और दूसरी कमोडिटीज में बाधा से इंडस्ट्री, एग्रीकल्चर और सर्विसेज पर असर पड़ सकता है। इससे देश में उत्पादन घट सकता है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक भारतीय इकॉनमी के लिए तीसरा जोखिम यह है कि बढ़ती अनिश्चितता, जोखिम से बचने की बढ़ती प्रवृत्ति और सुरक्षित एसेट्स की मांग से घरेलू लिक्विडिटी की स्थिति टाइट हो सकती है। इससे उपभोग और निवेश प्रभावित हो सकते हैं। ईरान युद्ध से चौथा जोखिम यह है कि ग्लोबल ग्रोथ की कमजोर संभावनाओं के कारण बाहरी मांग में कमी आ सकती है और रेमिटेंस का इनफ्लो घट सकता है।

टैक्सपेयर्स के लिए आ गया है नया 'फॉर्म 121', इसका फायदा उठाने का तरीका

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आयकर विभाग या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक बड़ा बदलाव घोषित किया है। आयकर विभाग ने फॉर्म 121 के रूप में एक नया फॉर्म जारी किया है। यह फॉर्म मुख्य रूप से इंटरेस्ट और डिविडेंड जैसी आय पर टीडीएस कटने से बचाने के लिए बनाया गया है। यह पहले से चले आ रहे फॉर्म 15G और 15H की जगह लेगा। इससे बैंक एफडी या डाकघर की सावधि जमा पर मिलने वाली ब्याज तथा किसी कंपनी के शेयरहोल्डर को डिविडेंड इनकम पर टीडीएस कटने से बचाने में मदद मिलेगी।

क्या है इस फॉर्म की विशेषता

आपको पता ही होगा कि एक अप्रैल 2026 से न्यू इनकम टैक्स एक्ट लागू हो गया है। पहले इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत 60 साल से कम उम्र के लोगों को फॉर्म 15जी और वरिष्ठ नागरिकों को फॉर्म 15एच का उपयोग करना होता था। नए इनकम टैक्स कानून में इन दोनों फॉर्म की जगह अब फॉर्म 121 का प्रावधान किया गया है। जब एक ही फॉर्म अस्तित्व में आ गया तो अब उम्र के चलते अलग-अलग फॉर्म के उपयोग करने से मुक्ति मिलेगी।

नया फॉर्म कैसे आएगा काम?

फॉर्म 121 के जरिए अब टैक्सपेयर्स घोषित कर देंगे कि किसी खास वित्त वर्ष में उनकी आमदनी इतनी रहने वाली है। और इस पर कोई इनकम टैक्स नहीं बनता है। इसे समय रहते बैंक या ब्याज जारी

करने वाले संगठन के पास जमा करना होगा। साथ ही शेयरहोल्डर्स को कंपनी के पास यह फॉर्म जमा करना होगा। मान लें कि सोनिका का विभिन्न बैंकों में कई फिक्स डिपॉजिट अकाउंट है। उनके पास कई कंपनियों का शेयर भी है। बैंक एफडी पर नियमित रूप से ब्याज क्रेडिट किया जाता है। साथ ही शेयर पर भी डिविडेंड मिलता है। इस आमदनी पर टीडीएस काट लिया जाता है। अब यदि मोनिका अप्रैल महीने में ही फॉर्म 121 भर कर जमा कर देती हैं तो टैक्स ईयर 2026-27 में उनका एक पैसा भी टीडीएस नहीं काटा जाएगा।

कहां काम आएगा फॉर्म 121

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का फॉर्म 121 किसी कंपनी के पास, जिसका आपके पास शेयर हो में काम आएगा। इसके साथ ही भविष्य निधि संगठन या ईपीएफओ से निकासी, पेंशन, इंश्योरेंस कमीशन, मकान किराया, म्यूचुअल फंड से होने वाली आमदनी, जीवन बीमा पॉलिसी से मिलने वाली इनकम, किसी मियादी जमा से मिलने वाले ब्याज आदि में काम आएगा। यह फॉर्म भर कर जमा कर देने से संबंधित संगठन उसका टीडीएस नहीं काटेंगे।

फार्म 121 कब तक वैलिड रहता है

यह फार्म एक बार जमा करने के बाद साल भर के लिए वैलिड होता है। यह साल जमा करने वाले दिन से नहीं गिना जाएगा। बल्कि इसकी गिनती टैक्स ईयर में होगी। मान लिया जाए कि आपने किसी साल दो अप्रैल को यह फॉर्म भर कर बैंक में जमा किया तो यह अगले साल 31 मार्च तक वैलिड होगा। यदि आपने इस फार्म को अक्टूबर में जमा किया है तो भी यह अगले साल के 31 मार्च तक ही वैलिड होगा।

अगर जमा नहीं करें तो

अगर आप बैंक, कोई कंपनी या अन्य संगठन में फॉर्म 121 जमा नहीं करते हैं और आपकी आमदनी टैक्स की सीमा से कम भी है, तो भी एक सीमा के बाद आपका टीडीएस काट लिया जाएगा। एक बार टीडीएस काट लिया जाए तो फिर इसका रिफंड आपको वित्त वर्ष समाप्त होने के बाद इनकम टैक्स रिटर्न फार्म भरने के बाद ही मिलेगा।

पीएम के दौरे पर मदन राठौड़ ने रिफाइनरी को बताया 'गेम चेंजर'

बोले- 90 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे. सीएम भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली 'भाग्यरेखा' बताया.

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रिफाइनरी दौरे को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इसे प्रदेश के लिए गेम चेंजर बताया है. उन्होंने कहा कि यह दौरा राजस्थान के विकास के लिए अहम साबित होगा. राठौड़ ने रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2007-08 में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने की थी, लेकिन बाद में आई अशोक गहलोत सरकार ने गलत एग्रीमेंट किया. उनके मुताबिक, उस समय हुए एमओयू में करीब 37,036 करोड़ रुपये क्रूड निकालने वाली कंपनी को 15 साल तक देने की शर्त रखी गई, जिससे राज्य को नुकसान हो रहा था. उन्होंने यह भी कहा कि उस दौरान सोनिया गांधी को बुलाकर शिलान्यास कराया गया, लेकिन कोई वित्तीय सहयोग नहीं दिया गया.

करीब 4,000 करोड़ रुपये की बचत

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि बाद में वसुंधरा राजे सरकार ने समझौते में संशोधन किया, और राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाकर 12.9% कर दी गई, इससे राजस्थान को फायदा हुआ और अब नए सिरे से करीब 4,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है. उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से करीब 90 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा, और अब राज्य को सिर्फ 16,845 करोड़ रुपये ही देने होंगे.

बालोतरा का पानी रिफाइन कर पूरी की जाएगी

राठौड़ ने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2018 के बाद सरकार बनने पर भी इस परियोजना पर कोई काम नहीं हुआ, और सरकार निष्क्रिय रही. उन्होंने यह भी बताया कि रिफाइनरी के लिए पानी की जरूरत बालोतरा का पानी रिफाइन कर पूरी की जाएगी.

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजस्थान के दौरे को लेकर भी उन्होंने स्वागत किया. ईरान युद्ध सीजफायर में राठौड़ ने कहा कि सीजफायर की मध्यस्थता के मुद्दे पर पाकिस्तान का रुख नकल जैसा है, और उसमें समझ की कमी दिखती है.

उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष को भी राष्ट्रीय हित में खड़ा होना चाहिए.

साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा नारी शक्ति को सम्मानजनक स्थिति देना है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि सभी सदनों में महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ाया जाए.

जारी है अशोक गहलोत की 'इंतज़ार शास्त्र' सीरीज़

अब खेल-खिलाड़ियों को लेकर साधा भजनलाल सरकार पर निशाना

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस सीरीज का चैप्टर-17 जारी किया, जिसमें उन्होंने जोधपुर के खेल बुनियादी ढांचे की बदहाली का मुद्दा उठाकर भजनलाल सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। गहलोत का आरोप है कि सरकार की अनदेखी के कारण करोड़ों की लागत से बना 'राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट' आज सफेद हाथी साबित हो रहा है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को अपनी डिजिटल सीरीज 'इंतजारशास्त्र' के 17वें अध्याय के जरिए प्रदेश की खेल राजनीति में उबाल ला दिया है। गहलोत ने जोधपुर स्थित राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और अमृतलाल स्टेडियम की उपेक्षा को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि जब खेलेगा राजस्थान, तो खिलेगा राजस्थान का नारा दिया जा रहा है, तो फिर तैयार

इंफ्रास्ट्रक्चर को ताले में क्यों बंद रखा गया है?

स्टेट स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट : सब कुछ तैयार...

अशोक गहलोत ने अपनी पोस्ट में उल्लेख किया कि जोधपुर में NIS पटियाला की तर्ज पर एक विश्वस्तरीय 'राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट' का निर्माण कांग्रेस सरकार के दौरान किया गया था। संस्थान की पूरी इमारत, सिंथेटिक ट्रैक और स्पोर्ट्स सेंटर बनकर तैयार हैं।

गहलोत का दावा है कि सब कुछ तैयार होने के बावजूद सरकार यहाँ कोचों की नियुक्ति नहीं कर रही है, जिससे प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ट्रेनिंग नहीं मिल पा रही है।

अमृतलाल स्टेडियम : दुर्दशा पर सवाल

जोधपुर के ऐतिहासिक अमृतलाल स्टेडियम को लेकर भी गहलोत ने सरकार की 'सुस्ती' पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि रखरखाव के अभाव में स्टेडियम का बुनियादी ढांचा दम तोड़ रहा है। खेल सुविधाओं के अभाव में जोधपुर के युवा खिलाड़ी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

'लापरवाही नहीं, यह युवाओं के साथ अन्याय है'

पूर्व मुख्यमंत्री ने भजनलाल सरकार की कार्यप्रणाली को 'अदूरदर्शी' बताते हुए कहा कि करोड़ों रुपये का निवेश करने के बाद उसे उपयोग में न लाना सार्वजनिक धन की बर्बादी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जोधपुर का होने के कारण इन प्रोजेक्ट्स को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है, जो कि मारवाड़ के युवाओं के साथ सरासर अन्याय है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी 'क्रेडिट वॉर'

'इंतजारशास्त्र' सीरीज के जरिए गहलोत एक-एक करके उन सभी प्रोजेक्ट्स की लिस्ट जनता के सामने रख रहे हैं, जो उनकी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट थे। उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वर्तमान सरकार विकास कार्यों को गति देने के बजाय उन्हें रोकने में लगी है।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम, वसुंधरा ने पुरुष कार्यकर्ताओं को मंच से उठाकर महिलाओं को बैठाया

बांसवाड़ा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारतीय जनता पार्टी देशभर में पार्टी स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी के अंतर्गत दो दिन की यात्रा पर आईं पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने बुधवार को बांसवाड़ा में इस कार्यक्रम का आगाज किया। इससे पहले उन्होंने मंच पर बैठे पुरुष पदाधिकारियों को उठाकर सामने बिठाया और मंच पर महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को स्थान दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बुधवार दोपहर भाजपा कार्यालय पहुंचीं। यहां जिलाध्यक्ष पूंजीलाल गायरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गाजे-बाजे से उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे पार्टी कार्यालय के सभागार में पहुंचीं। सभागार में मंच पर उनके समीप जिलाध्यक्ष गायरी, विधायक, पूर्व मंत्री धनसिंह रावत,

भवानी जोशी, संसदीय सचिव भीमा भाई आदि बैठे थे, जबकि सामने की ओर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल भंडारी और अन्य महिला पदाधिकारी बैठी थीं।

वसुंधरा राजे ने मंच पर अपने समीप बैठे सभी पुरुष पदाधिकारियों से कहा कि वे सामने कुर्सियों पर बैठें। आज मंच पर महिलाओं को बैठने का अवसर मिलेगा। इसके बाद सभी पुरुष पदाधिकारी सामने जाकर बैठ गए और मंच पर पूर्व सभापति मंजुबाला पुरोहित, पूर्व जिला प्रमुख लक्ष्मी निनामा, प्रधान निर्मला मकवाना, लीला पडियार, गायत्री शर्मा और सोनिया वैष्णव सहित महिला पदाधिकारियों को बैठाया गया।

अपने संबोधन में वसुंधरा राजे ने त्रिपुरा सुंदरी का उल्लेख करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अधिनियम 2023 में पारित हुआ था और आगामी 2029 से लोकसभा व विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं का मान-सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है। महिलाओं को आगे बढ़ाने का यह अभियान बांसवाड़ा से शुरू किया गया है, जो उनके सम्मान का प्रतीक है। राजे ने कहा कि महिलाओं ने वर्षों से यह सपना देखा था लेकिन उन्हें राजनीति में पर्याप्त अवसर नहीं मिलते थे। अब इस अधिनियम से उन्हें सम्मान और भागीदारी दोनों मिलेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाएं अक्सर घर-परिवार के कार्यों में व्यस्त रहती हैं और कई बार राजनीति को पार्ट-टाइम रूप में लेने की सोचती हैं, जबकि राजनीति पार्ट-टाइम का कार्य नहीं है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, मुख्य प्रबंधक 20000 रुपये रिश्वत लेते हुआ ट्रैप

दौसा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रोडवेज पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है. एसीबी की टीम ने मुख्य प्रबंधक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम दौसा आगार को 20000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया है. बताया जा रहा है कि एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम द्वारा बुधवार (8 अप्रैल) को मुख्य प्रबंधक राजस्थान पथ परिवहन निगम दौसा विश्राम मीणा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी हैल्पलाईन नम्बर 1064 पर परिवादी की शिकायत मिली थी. जिसपर एसीबी की टीम ने सत्यापन कर कार्रवाई की है.

गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी दिसंबर 2025 में बीमार हुआ था और वह इलाज के लिए छुट्टी पर गया था. वहीं जब जनवरी 2026 में इलाज करवाकर वापस ड्यूटी पर आया तो उसने मेडिकल संबंधित सभी सर्टिफिकेट और दस्तावेज एलडीसी भगवत जी को सौंप दिया था. वहीं जब परिवादी मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा के पास 25 मार्च को जब मेडिकल लीव को अप्रूव करवाने गया तो इसकी एवज में विश्राम मीणा ने उससे 20000 रुपये रिश्वत की डिमांड की और उसे परेशान करने लगा.वहीं शिकायत पर एसीबी की टीम ने 2 अप्रैल और 7 अप्रैल को 20000 रुपये की मांग करते हुए सत्यापन किया गया. वहीं एसीबी टीम ने रिश्वत लेते हुए मुख्य प्रबंधक राजस्थान पथ परिवहन निगम दौसा आगार को गिरफ्तार किया है. अब इस मामले में उससे पूछताछ की जा रही है. जबकि अन्य रिश्वत की जानकारी भी निकाली जा रही है.

पंचायत और निकाय चुनाव कराने में क्यों हो रही देरी?

पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव ने बता दी वजह

जैसलमेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र में एक जन जागरुकता बैठक आयोजित की गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार आयोजित यह बैठक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सम के तत्वावधान में मंडल कांग्रेस कमेटी फतेहगढ़ और से ग्राम पंचायत मोढा के बोगनियाई मुख्यालय पर की गई।

उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जैसलमेर के पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव ने कहा कि वर्तमान सरकार पंचायती राज एवं निकाय चुनाव समय पर नहीं करवा रही है। उन्होंने बताया कि पंचायती राज विभाग और नगरीय निकायों में जनता का कोई प्रतिनिधि न होने से आमजन के कार्य नहीं हो रहे हैं, जिससे प्रदेश की जनता में आक्रोश है।

धनदेव ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर चुनाव किसी

न किसी बहाने आगे खींच रही है, जो आमजन के हित में नहीं है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सम के अध्यक्ष मुराद फकीर साहब ने कहा कि आगामी किसी भी चुनाव में कांग्रेस को जिताने के लिए हर कार्यकर्ता को मेहनत करनी होगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, झिनझिनयाली मंडल की विभिन्न ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष भी बनाए गए, जिन्हें कांग्रेस की रीति-नीति आमजन तक पहुंचाने को कहा गया। बैठक में ब्लॉक एवं मंडल कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य, नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन धनपत सिंह मोढा ने किया। राजस्थान में पंचायती राज और नगरीय निकाय चुनावों को लेकर सियासी और कानूनी पारा चढ़ा हुआ है। एक तरफ जहां राज्य निर्वाचन आयोग हाईकोर्ट के अवमानना नोटिस का सामना कर रहा है। वहीं, दूसरी तरफ राज्य सरकार की 'प्रक्रिया जारी है' वाली सुस्त रफ्तार ने चुनावों पर अनिश्चितता के बादल मंडरा दिए हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अब यह माना जा रहा है कि सरकार इन दोनों चुनावों को एक साथ अक्टूबर-नवंबर 2026 में करवाने की रणनीति पर काम कर रही है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने 15 अप्रैल तक चुनाव संपन्न न कराए जाने पर राज्य निर्वाचन आयोग को अवमानना नोटिस जारी किया है। इसके जवाब में आयोग अब न्यायालय को यह बताने की तैयारी में है कि देरी उसकी ओर से नहीं, बल्कि राज्य सरकार से समय पर सूचनाएं न मिलने के कारण हुई है।

सरेआम हुई गोवंश की हत्या से सनातनियों में रोष

अजमेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। शंकराचार्य चतुरंगिणी सहसर्वाध्यक्ष साध्वी जगदंबा, बाबूलाल जांगिड़ (गोसेवाधीश पश्चिमांचल), एवं यतेंद्र शास्त्री (गौ सांसद अजयमेरु क्षेत्र)ने बताया कि सनातन धर्मावलंबियों की आराध्य गौमाता व धर्म के प्रतीक वृषभ पर आए दिन राजस्थान में अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं। अजमेर में सरेआम हुई गोवत्स की नृशंस हत्या न केवल क्रूरता की पराकाष्ठा है बल्कि सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए गहरा धार्मिक आघात है।

यह सब तब हो रहा है जब केंद्र और राजस्थान में गोवंश प्रेमी सरकार है। ऐसी घटनाएं सनातनियों की आस्था और विश्वास पर चोट पहुंचा रहीं हैं साथ ही मानवता पर भी काला धब्बा लगाती हैं। ऐसी क्रूरता को रोकने में सरकारें लगातार विफल होती जा रही हैं और गौ-हत्यारों व गौतस्करों के हौसले बुलंद दिखाई देते हैं। ऐसे में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में चल रहे चारों आम्नाय शंकराचार्य पीठों द्वारा समर्थित व सनातनियों द्वारा संचालित गौमाता राष्ट्रमाता अभियान की संचालन समिति की ओर से राज्य सरकार से गो हत्यारे अपराधी को आजीवन कारावास जैसी कठोर से कठोर कार्रवाई से दंडित करने की मांग की गई है। इसके साथ ही राजस्थान की राज्य माता के रूप में स्वदेशी गौवंश को प्रतिष्ठित करने की मांग की गई है , जिससे गौवंश को पशु सूची से बाहर निकाल कर उन्हें सनातन संस्कृति के अनुरूप यथोचित सम्मान और कड़ी सुरक्षा दिया जा सके। गौवंश के लिए गौ अभयारण्य बनाए जाएं, ओरण भूमि सुरक्षित की जाए व गोचर भूमि अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराकर गौवंश के संरक्षण, गौसेवा व गौसुरक्षा के लिए उपलब्ध कराई जाए।

भारत सरकार से भी मांग है कि गौहत्या पर मृत्यु दंड जैसे कठोर देशव्यापी कानून बनाकर गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देकर पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए।

रालोपा प्रमुख बेनीवाल का कांग्रेस व भाजपा पर बड़ा हमला, बोले-चोर चोर मौसेरे भाई

भरतपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने भरतपुर में भाजपा और कांग्रेस दोनों पर एक साथ तीखा प्रहार किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा दोनों चोर-चोर मौसेरे भाई की तरह काम कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा भी उन्हीं रास्तों पर चल रही है, जिन पर पहले कांग्रेस चलती रही. इससे भ्रष्टाचार, अवैध खनन और भर्ती घोटालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. नागौर सांसद एवं रालोपा प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने कहा कि भरतपुर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला है, इसके बावजूद पूर्वी राजस्थान अपराध में नंबर एक बना है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में जिस अवैध खनन को भाजपा मुद्दा बनाती थी. वहीं, अब भाजपा राज में भरतपुर, अलवर और डीग में चरम पर है. अरावली पर्वतमाला को बुरी तरह नुकसान

पहुंचाया जा रहा है. इसमें सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की संलिप्तता बताई जा रही है.

उपचुनाव में भाजपा-कांग्रेस की मिलीभगतः उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के संज्ञान में सब कुछ होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. इसके पीछे का कारण वही बता सकते हैं. बेनीवाल ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए. उपचुनाव को लेकर भी उन्होंने बड़ा आरोप लगाया. बेनीवाल ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस शासन के दौरान हुए बड़े घोटालों में किसी बड़े आरोपी पर कार्रवाई नहीं की. उन्होंने दावा किया कि उपचुनावों के दौरान राजनीतिक समझौते हुए. इसके चलते कांग्रेस ने कमजोर उम्मीदवार उतारे और कई सीटों पर उसकी जमानत तक जब्त हो गई. उन्होंने इसे दोनों दलों की मिलीभगत करार दिया.

पूर्ववर्ती की गड़बड़ी दोहरा रही भजनलाल सरकारः आरएलपी प्रमुख ने कहा, उनकी पार्टी राजस्थान को बचाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है. हर मुद्दे पर सड़क से सदन तक लड़ती रही है. उन्होंने भरतपुर-धौलपुर के जाटों को केंद्र में ओबीसी आरक्षण देने की मांग दोहराई और आर्थिक आधार पर सभी जातियों को आरक्षण देने की बात कही. पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत के कार्यकाल का जिक्र करते हुए बेनीवाल बोले, उस समय जो गड़बड़ियां हुईं, अब वही स्थिति वर्तमान सरकार में भी देखने को मिल रही है.

भीषण हादसा

ट्रक से भिड़ी कार, एक की दर्दनाक मौत, दो गंभीर

बीकानेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भारत माला एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हुई तो दो गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि बीकानेर (लूणकरणसर) में भारत माला सड़क पर बुधवार अलसुबह यह बड़ा सड़क हादसा हो गया। लूणकरणसर-कालू रोड इंटरचेंज के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मृतक के शव को लूणकरणसर सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

नाबालिगों ने बनाई प्लानिंग, चेन स्नेचिंग गैंग का पर्दाफाश, 2 आरोपी अरेस्ट

प्रतापगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले में बढ़ रहे चेन स्नेचिंग की वारदातों में अब बाल अपचारियों की संलिप्तता उजागर हो रही है। धरियावद धरियावद पुलिस ने एक महिला के गले से चेन छीनने के असफल प्रयास के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में बाल अपचारियों ने प्लानिंग करने और सहयोगी साथियों का खुलासा किया। जिस पर पुलिस ने आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है।

धरियावद थाना प्रभारी हजारीलाल मीणा ने बताया कि दो अप्रैल को शाम के समय कौशल्यादेवी पत्नी देवेंद्र जैन सब्जी खरीदकर अपने घर लौट रही थीं। घर के मुख्य द्वार पर मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने उनकी चेन छीनने का प्रयास किया। कौशल्या देवी के आवाज लगाने पर दोनों युवक मंगरीफला रोड की तरफ भाग गए। इस संबंध में देवेंद्र जैन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। घर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में पूरा घटनाक्रम स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के हुलिए के आधार पर दो बाल अपचारियों को डिटेन किया। मनोवैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकी पूछताछ में दोनों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ में बाल अपचारियों ने बताया कि एक अप्रैल को वे अजय कीर और जय शर्मा के साथ अजय की सब्जी के ठेले पर मिले थे, जहां चेन लूटने की योजना बनाई गई थी। अजय कीर और जय शर्मा योजना के सहयोगी के रूप में सामने आए।

घटना के दिन महिला के गले में सोने की चेन देखकर आरोपियों की नियत खराब हो गई। आरोपी अजय ने बाल अपचारी को फोन किया व मोटर साइकिल लेकर तुरंत बुलाया और चेन छीनने का प्रयास किया, लेकिन हड़बड़ाहट में असफल रहने पर दोनों भाग गए।

कपड़े प्रेस करने वाले के खाते में 598 करोड़!

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने नोटिस भेजा, उड़ गए होश

अजमेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर में सड़क किनारे ठेला लगाकर कपड़े प्रेस करने वाले एक व्यक्ति को इनकम टैक्स विभाग से 598 करोड़ रुपए से ज्यादा के लेन-देन का नोटिस मिला है। नोटिस मिलने के बाद से पीड़ित गहरे सदमे और डर में है। रामनगर क्षेत्र निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उसे 1 अप्रैल 2026 को इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिला, जिसमें करोड़ों रुपए के हीरे-जवाहरात के कारोबार से जुड़े ट्रांजेक्शन का हिसाब मांगा गया था। यह नोटिस देखकर वह पूरी तरह हैरान रह गया, क्योंकि उसका इस तरह के किसी भी कारोबार से कोई लेना-देना नहीं है। मामले में वकील राकेश ठाड़ा से सलाह लेने पर खुलासा हुआ कि जितेंद्र के पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर उसके नाम पर बैंक अकाउंट खोला गया है और उसी के जरिए भारी-भरकम लेन-देन किया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि जितेंद्र के पास फिलहाल उसका पैन कार्ड भी नहीं है क्योंकि करीब दो साल पहले वह खो गया था।

जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि पाली निवासी एक डायमंड कारोबारी शत्रुघ्न सिंह ने जितेंद्र के पैन कार्ड का दुरुपयोग कर न सिर्फ बैंक अकाउंट खुलवाया, बल्कि उसी के आधार पर जीएसटी नंबर भी हासिल कर लिया।

25 करोड़ की ड्रग्स के साथ निकला पाकिस्तानी कनेक्शन

बाड़मेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सरहदी जिले बाड़मेर में एटीएस और बाड़मेर पुलिस ने मिलकर एक बड़े नशा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। सदर थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर इको कार से पाकिस्तान से लाई गई पांच किलो आइस क्रिस्टल ड्रग के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद नशे की बाज़ार में कीमत करीब 25 करोड़ रुपये आंकी गई है। बाड़मेर जिला पुलिस अधीक्षक एसपी चुनाराम जाट और एटीएस एसपी ज्ञानचंद यादव ने इस पूरे ऑपरेशन का खुलासा किया। एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि गुजरात एटीएस से मिली गुप्त सूचना के आधार पर राजस्थान एटीएस और बाड़मेर पुलिस की संयुक्त टीम ने सदर थाना इलाके में घेराबंदी की। तलाशी में इको कार से पांच किलो आइस क्रिस्टल ड्रग बरामद हुई और रामसर थाना क्षेत्र के सज्जन का पार गांव के निवासी सलमान खान तथा शंकरा राम को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा पुलिस ने कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

400 करोड़ के घोटाले में बैंक खातों तक पूरा सिस्टम हैक

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। डिजिटल हस्ताक्षरों के माध्यम से 400 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने इस प्रकरण में दिल्ली की एक व्यावसायिक संस्था, कई चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) और डिजिटल हस्ताक्षर जारी करने वाली अधिकृत कंपनियों की भूमिका को संदिग्ध माना है।

शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि लगभग 400 व्यक्तियों के कूटरचित (फर्जी) डिजिटल हस्ताक्षर तैयार कर विभिन्न संस्थाओं के खातों से करोड़ों रुपए निकाल लिए गए। इस मामले में सोमवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में चौकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि इस सिंडिकेट के निचले स्तर के गुर्गों को केवल एक से 2 लाख रुपए दिए जाते थे, जबकि ठगी की मुख्य राशि दिल्ली की एक संस्था के माध्यम से दुबई भेजी जा रही थी। पुलिस उनके दुबई नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

पवन खेड़ा पहुंचे तेलंगाना हाईकोर्ट

असम में अपने खिलाफ दर्ज मामले में मांगी अग्रिम जमानत

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया है और असम में अपने खिलाफ दर्ज मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। यह मामला तब दर्ज किया गया था जब उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाए थे। हालांकि उनकी याचिका अभी सूचीबद्ध नहीं हुई है। दरअसल असम पुलिस लगातार पवन खेड़ा की तलाश कर रही है और उसने दिल्ली में खेड़ा के आवास पर छापेमारी भी की थी।

पवन खेड़ा पर असम में केस दर्ज

असम पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। इसमें मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के परिवार को निशाना बनाने वाली टिप्पणियों से जुड़े जालसाजी, मानहानि और आपराधिक साजिश के कई आरोप शामिल हैं। गुवाहाटी में क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में 6 अप्रैल को दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) मुख्यमंत्री की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा की शिकायत के आधार पर फाइल की गई थी। शिकायत में खेड़ा पर 5 अप्रैल को हुई दो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान झूठे और मनगढ़ंत दावे करने का आरोप लगाया गया है।

कौन सी धाराएं लगाएं

एफआईआर के अनुसार, यह

मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के कई प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया है। इनमें दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जालसाजी, जाली दस्तावेजों को असली के तौर पर इस्तेमाल करना, मानहानि, आपराधिक साजिश और सार्वजनिक शांति भंग करने वाले कृत्यों से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

क्या आरोप लगाए

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि खेड़ा ने अपनी मीडिया ब्रीफिंग के दौरान ऐसे दृश्य सामग्री पेश की और सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री प्रसारित की, जिससे यह संकेत मिलता था कि रिंकी भुइयां सरमा के पास मिस्र, एंटीगुआ और बारबुडा सहित कई देशों की नागरिकता या पासपोर्ट हैं। साथ ही, उनके पास संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जारी किया गया एक गोल्डन कार्ड है।

खेड़ा ने क्या कहा था?

खेड़ा की ओर से यह दावा भी किया गया था कि उनके पास अघोषित विदेशी संपत्तियां हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के व्योमिंग में स्थित एक कंपनी से उनके संबंध हैं। रिंकी भुइयां सरमा ने सभी आरोपों को पूरी तरह से नकारते हुए उन्हें बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिखाए गए दस्तावेज जाली थे, जिन पर नकली मुहरें और क्यूआर कोड लगाए गए थे, ताकि वे सरकारी रिकॉर्ड जैसे दिखें।

एफआईआर में क्या?

एफआईआर में इस बात का भी जिक्र है कि ये दावे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर फैलाए गए, जिसके कारण कथित तौर पर लोगों में गुस्सा भड़का, ऑनलाइन उत्पीड़न हुआ और रिंकी भुइयां सरमा और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। इसमें आरोपों के समय को लेकर भी चिंता जताई गई है। यह बताया गया है कि ये आरोप असम में 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से ठीक कुछ दिन पहले सामने आए, जिससे चुनावी माहौल पर असर पड़ने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच का काम वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा गया है, जो जांच के हिस्से के तौर पर डिजिटल और भौतिक, दोनों तरह के सबूतों की जांच करेंगे।

बुनाई उद्योग पर कच्चे तेल की कीमतों का असर

राजन्ना सिरसिल्ला, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी का असर तेलंगाना के सिरसिल्ला बुनाई उद्योग पर भी देखने को मिल रहा है। इससे सूत और कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी होने से बुनकरों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, पॉलिएस्टर और सूती धागे के दामों में 30 से 35 रुपये प्रति किलो तक की वृद्धि हुई है। पहले जहां पॉलिएस्टर धागा 110 रुपये प्रति किलो मिलता था, अब यह 140 रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह सूती धागे की कीमत भी बढ़कर 180 रुपये प्रति किलो हो गई है। बढ़ती लागत के कारण बुनकरों ने उत्पादन कम कर दिया है। साथ ही, कपड़े की प्रसंस्करण लागत भी बढ़कर 4 रुपये प्रति मीटर हो गई है। बुनकर संगठनों ने बताया कि पहले से ही लंबित बिलों और ऑर्डर की कमी से जूझ रहे उद्योग पर यह नई स्थिति और दबाव डाल रही है। उन्होंने सरकार से बकाया भुगतान जल्द जारी करने की मांग की है।

डंपिंग यार्ड के विरोध में विधायक का आंदोलन तेज

करीमनगर, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने डंपिंग यार्ड के विरोध में गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कचरा डंपिंग यार्ड से स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। विधायक ने मंगलवार को डंपिंग यार्ड के खिलाफ 24 घंटे की दीक्षा शुरू की थी, जिसे बुधवार को जेएसी सदस्यों द्वारा जूस पिलाकर समाप्त कराया गया। इस दौरान उन्होंने अपने आंदोलन का समर्थन करने वाले सभी वर्गों का आभार जताया। कौशिक रेड्डी ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार अपना निर्णय वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

वाइजाग में कुत्तों का कब्रिस्तान

50, 000 तक खर्च कर बनवाते स्मारक और लिखवाते हैं भावुक संदेश

विशाखापत्तनम, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुत्ते को पहला ऐसा जानवर माना जाता है जिसने मृत्यु के बाद भी इंसान का साथ निभाया। पुरातत्वविदों को एक बार उत्तरी इज़राइल में 12000 साल पुरानी एक कब्र मिली थी, जहां एक महिला को एक पिल्ले के साथ दफनाया गया था, दोनों को एक साथ ही अंतिम विश्राम दिया गया था। हज़ारों सालों और अलग-अलग जगहों के बाद, यही गहरा रिश्ता अब आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक नए रूप में सामने आया है। यहां विशाखापत्तनम के कई लोगों ने अपने प्यारे पालतू जानवरों के लिए कब्रें और स्मारक बनवाए हैं।

भूरे पत्थरों और रेत की ये शांत कतारें दिखाती हैं कि ये साथी उनके लिए कितने प्यारे थे, और उनके बीच का रिश्ता कितना गहरा था। कुछ लोगों ने तो यह इच्छा भी ज़ाहिर की है कि वे मृत्यु के बाद या अगले जन्म में अपने पालतू जानवरों से फिर से मिलें। वहीं, कुछ कुत्तों के मालिकों ने पत्थरों पर मृत्यु की तारीख लिखने के बजाय 'हमेशा के लिए' लिखवाया है, ताकि यह दिखाया जा सके कि उनका रिश्ता इस शारीरिक जीवन के बाद भी बना रहेगा।

लिखे हैं दिल को छू लेने वाले मेसेज

अप्पूघर इलाके में समुद्र तट पर बिखरे हुए इन स्मारक पत्थरों पर दिल को छू लेने वाले संदेश लिखे हैं, जैसे: 'काश तुम हमारे घर वापस आ सको'; 'तुमने हमारे दिलों पर अपने पंजों के निशान छोड़ दिए हैं'; 'चिन्नोडा मल्ली रावली' (प्यारे बच्चे, तुम्हारा फिर से जन्म हो); 'तुम्हारी कमी बहुत ज़्यादा खलती है'; 'जब तक मैं तुमसे मृत्यु के बाद न मिलूं, स्वर्ग में शांति से विश्राम करो'; 'मेरी सबसे मुश्किल विदाई'; और 'तुम हमारी ज़िंदगी से चले गए हो, लेकिन हमारे दिलों से कभी नहीं'। कुछ पत्थरों पर लिखा है: 'आत्मा से मेरा भाई' और 'चिन्नी कृष्णुडु' (छोटा कृष्ण)।

विशाखापत्तनम की लॉसन बे कॉलोनी में किराने का सामान बेचने वाले थोक व्यापारी रघुराम ने बताया कि उन्होंने यह स्मारक अपने कुत्ते 'स्नूपी' की याद में बनवाया है, जिसकी कुछ साल पहले मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, 'हम उसे अपने दो बेटों की तरह ही अपना बच्चा मानते थे। आठ साल तक हमारे साथ रहने के बाद उसकी मौत हो गई। हमारा परिवार समय-समय पर उसकी कब्र पर जाकर उसे याद करता रहता है।'

किसी का बेटा-बेटी तो किसी का भाई-बहन

लगभग सभी पत्थरों पर मरे हुए पालतू जानवरों को प्यार से 'छोटी गुड़िया', 'बहादुर बेटा', बाबू, नन्ना, या कन्ना (प्यारा बच्चा) कहकर पुकारा गया है। वहीं, जिन लोगों ने ये स्मारक बनवाए हैं, उन्होंने खुद को मम्मी, डैडी या भाई-बहन के रूप में बताया है। उदाहरण के लिए, एक पत्थर पर एक कुत्ते को 'प्यारी बेटी' और 'बहन' बताया गया है, जिसने परिवार को 'बेहद खुशी और ज़िंदगी भर की यादें' दीं। एक और स्मारक पर लिखा था, 'आज़ादी से दौड़ो, मेरे बच्चे, तुम्हारी कमी हमेशा खलेगी।'

स्मारकों पर मरने की तारीख का जिक्र

कुछ पत्थरों पर इन पालतू जानवरों के गुज़रने के शुभ समय का भी ज़िक्र है। उदाहरण के लिए, एक कुत्ते के बारे में लिखा है कि उसकी मौत 2025 में गुरु पूर्णिमा के दिन हुई थी, जबकि एक और पिछले साल अक्षय तृतीया के दिन गुज़र गया था। विशाखापत्तनम के एमवीपी कॉलोनी इलाके में पालतू जानवरों का सामान बेचने वाली करीं किरण ने कहा कि पालतू जानवरों के साथ रिश्ता कभी-कभी परिवार के सदस्यों के साथ रिश्ते से भी गहरा हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'जब पालतू जानवरों के मालिक हमारी दुकान पर आते हैं, तो वे जिस तरह की देखभाल और प्यार दिखाते हैं, उससे साफ़ पता चलता है कि वे उनसे कितने गहरे जुड़े हुए हैं। वे सबसे अच्छा खाना चुनते हैं, छोटी-सी भी तकलीफ़ होने पर परेशान हो जाते हैं, और अपने पालतू जानवरों की ज़िंदगी के छोटे-छोटे पलों का भी जश्न मनाते हैं।'

किरण ने आगे कहा कि यह जुड़ाव पालतू जानवर के गुज़र जाने के बाद भी कम नहीं होता। किरण ने कहा, 'जब कोई पालतू जानवर गुज़र जाता है, तो ऐसा लगता है जैसे कोई बच्चा या कोई करीबी साथी बिछड़ गया हो। इसीलिए अप्पूघर जैसे स्मारक इतने अपने-से लगते हैं। ये उस बिना शर्त वाले प्यार को हमेशा अपने साथ रखने का एक तरीका हैं।'

पालतू जानवरों को दफ़नाना जितना दिल तोड़ने वाला होता है, इन स्मारकों को बनवाना उतना ही महंगा भी हो सकता है; इस्तेमाल किए गए पत्थर के आकार और सामग्री के आधार पर इसकी लागत 20,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक हो सकती है। परिवार कभी-कभी इन जगहों पर आते हैं, अक्सर इन पालतू जानवरों के जन्मदिन या पुण्यतिथि पर। कई लोग पत्थरों को साफ़ करने के लिए भी नियमित रूप से आते हैं, क्योंकि अगर ऐसा न किया जाए तो पास के समुद्र तट से उड़कर आई रेत उन्हें ढक लेगी।

आधुनिक नेत्र अस्पताल स्थापित किया जाएगा : कोमटिरेड्डी

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

नलगोंडा, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को नलगोंडा शहर के मन्यम चेल्का क्षेत्र में नव निर्मित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) का उद्घाटन किया। यह केंद्र 1.91 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। यह उद्घाटन हेल्थ वीक समारोह के दौरान किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि नए स्वास्थ्य केंद्र से नलगोंडा सरकारी जनरल अस्पताल पर बढ़ते मरीजों के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस केंद्र के निर्माण में सरकार के साथ-साथ प्रतीक फाउंडेशन ने 50 लाख का योगदान दिया है। केंद्र में आवश्यक बुनियादी ढांचा, चिकित्सा उपकरण और स्टाफ की व्यवस्था की गई है। मंत्री ने डॉक्टरों को निर्देश दिए कि वे मरीजों को बेहतर प्राथमिक उपचार, जरूरी जांच सुविधाएं और समय पर उच्च केंद्रों के लिए रेफरल सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर वर्गों पर ध्यान देने को कहा। इस मौके पर मंत्री ने घोषणा की कि जिले में तीन एकड़ भूमि पर एक आधुनिक नेत्र अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जो प्रतीक फाउंडेशन और एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से बनाया जाएगा। दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष व्यवस्था भी की गई है, जिसके तहत डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर एक निजी मेडिकल स्टोर के माध्यम से आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

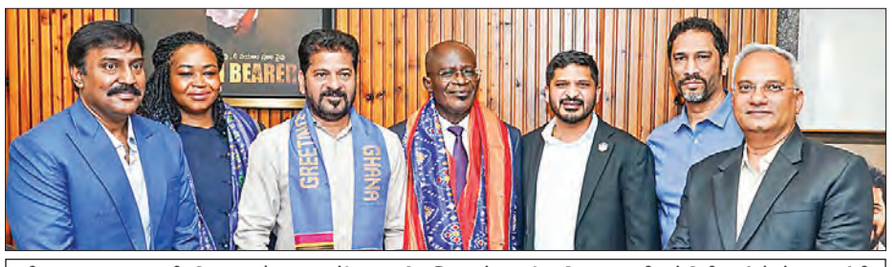

सीएम आवास जुबली हिल्स , हैदराबाद में घाना रिपब्लिक के हाई कमिश्नर क्वासी ओबिरी-डांसो ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। हाई कमिश्नर के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारी संभालने के बाद क्वासी ओबिरी-डांसो पहली बार हैदराबाद आए। हाई कमिश्नर ने घाना और तेलंगाना के बीच रिश्ते जारी रहने की इच्छा ज़ाहिर की।

हिंदी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया था डॉ. मोटुरी सत्यनारायण ने : शुक्ल

प्रतिमा का अनावरण, राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने पद्म भूषण डॉ. मोटुरी सत्यनारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रीय एकता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया।राज्यपाल ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, बापूजी नगर, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद में डॉ. मोटुरी सत्यनारायण की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उनकी जीवनी तथा संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका 'समन्वय दक्षिणी' का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में श्री शुक्ल ने कहा कि तेलुगु भाषी होते हुए भी डॉ. सत्यनारायण ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया और इसके प्रचार-प्रसार के लिए उत्तर भारत तक गए। उन्होंने आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी के प्रचार और राष्ट्रीय चेतना जगाने के कारण डॉ. सत्यनारायण को कारावास भी झेलना पड़ा, लेकिन उनका संकल्प अडिग रहा। राज्यपाल ने कहा कि संविधान सभा में डॉ. सत्यनारायण ने भारतीय भाषाओं के विकास और हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने में अहम योगदान दिया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल की स्थापना कर अपने विचारों को आगे बढ़ाया। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. सत्यनारायण ने कभी हिंदी को थोपने का प्रयास नहीं किया, बल्कि इसे संवाद और समन्वय की भाषा के रूप में बढ़ावा दिया। उनका जीवन राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और भाषाई सौहार्द का प्रेरणास्रोत है।

इरिसेट और आईआईटी (बीएचयू) के बीच समझौता ज्ञापन

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरीं एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट), सिकंदराबाद ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी/बीएचयू), वाराणसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को परियोजना/अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे सिगनलिंग तथा स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली- कवच से परिचित कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य परियोजनाओं पर सहयोग को सुदृढ़ करना तथा स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली — कवच एवं आधुनिक रेलवे सिगनलिंग प्रणालियों के क्षेत्र में नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों का अन्वेषण करना है। इरिसेट, आईआईटी (बीएचयू) के संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से इन पहलों में सहयोग करेगा तथा छात्रों को बेहतर शिक्षण अनुभव प्रदान करने हेतु इरिसेट में उन्नत प्रयोगशाला सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा। यह पहल रेलवे मंत्रालय के मिशन क्षमता सह दक्षता निर्माण के अंतर्गत की गई है।

शरद कुमार श्रीवास्तव, आईआरएसएसई, महानिदेशक, इरिसेट एवं प्रो. अमित पात्रा, आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर रेलवे के अधिकारी टी. रमेश बाबू, वरिष्ठ आचार्य (सिगनल-II एवं कवच) तथा आईआईटी (बीएचयू) के अधिकारी प्रो. राजेश कुमार, डीन आर एंड डी एवं प्रो. कल्पना चौधरी, प्रोफेसर, विद्युत इंजीनियरीं विभाग उपस्थित थे।

सड़क हादसे में तीन की मृत्यु

मदनूर, 8 एप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल हाइवे 161 पर सडक हादसे में तीन मजदूरों की मौत गई।

पुलिस अधिकारी मोहन रेड्डी ने एक प्रेस मिट में बताया कि मंगलवार देर रात तीनों मजदूर एक मोटर सायकिल से घर लौट रहे थे। तब कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल के मेनूर गांव के समीप हुए एक सड़क हादसे उनकी मौत हो गई। मृतकों में बड़ा एकलारा गांव के नागु (48), सचिन (17) और नागलगांव गांव के अशोक (21) हैं।

हादसा तब हुआ जब उनकी बाइक लच्छन गेट पर सड़क पर खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। दुर्घटना के कारण सचिन की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल नागु और अशोक को स्थानीय लोगों द्वारा बंसवाड़ा अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

जर्मनी के कौशल प्रशिक्षण मॉडल का अध्ययन कर रहे मंत्री

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने जर्मनी के हनोवर में चैंबर ऑफ स्किल्ड क्राफ्ट्स के अधिकारियों से मुलाकात की। जर्मनी में कौशल आधारित उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक स्वायत्त सार्वजनिक संस्था है, जिसके देशभर में 53 क्षेत्रीय केंद्र हैं। यह संस्था कारीगरों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करती है। मंत्री ने इस दौरान वहां की शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली, कार्यस्थल की कार्यप्रणाली और मानव संसाधन विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एचडब्लूके कैंपस के सीईओ वोल्कर श्मोल्ज से भी मुलाकात की। इसके बाद मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल ने प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा किया, जहां उन्होंने पाठ्यक्रम, करियर मार्गदर्शन और कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा प्रशिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों से बातचीत की।

आर्थिक नीति केंद्र की शुरुआत

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महिंद्रा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर शोध, संवाद और नीतिगत सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक नीति केंद्र की शुरुआत की है। इस केंद्र के तहत पहला कार्यक्रम 'हैदराबाद: भारत के जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना' विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यजुलु मेडुरी ने कहा कि यह केंद्र देश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाएगा। वहीं, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की डीन डॉ. अनादि सरन पांडे ने बताया कि इससे सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में संस्थान की भूमिका और मजबूत होगी।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में पधारे भक्तों ने भाग लिया जिसमें राजेंद्र अग्रवाल, गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला दीपक बाबू चंद्रकांत डकोटिया राहुल सिंघल सेसैया विजय कुमार अग्रवाल बाबूलाल केडिया, विनोद टिकमानी डॉ. राधा कृष्ण मोहन लाल मित्तल माया अग्रवाल संध्या अग्रवाल विजया लक्ष्मी विजया रेड्डी आदि।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

भारतीय युद्धपोत 'त्रिकंड' ...

यह दौरा पश्चिमी नौसैनिक कमान के कमांडर-इन-चीफ उप-नौसेनाध्यक्ष कृष्णा स्वामीनाथन की केन्या यात्रा के साथ हो रहा है।

भारतीय पोत के मोम्बासा प्रवास के दौरान यहां कई पेशेवर, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही भारतीय दल केन्या रक्षा बलों को महत्वपूर्ण सामग्री भी सौंप रहा है। भारतीय युद्धपोत के कमांडिंग अधिकारी अगले कुछ दिनों में केन्या की सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा के दौरान भारत और केन्या के बीच उच्चस्तरीय रक्षा संवाद भी हुआ। भारत के उच्चायुक्त डॉ आदर्श स्वाइका और उप-नौसेनाध्यक्ष कृष्णा स्वामीनाथन ने केन्या के रक्षा सचिव डॉ पैट्रिक मरिरु से मुलाकात की। इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों पक्षों ने सैन्य नेतृत्व के नियमित उच्चस्तरीय दौरों, संस्थागत बैठकों तथा बढ़ते रक्षा सहयोग की सराहना की। इसी दौरान, एक परियोजना के अंतर्गत केन्या रक्षा बलों को 1.5 टेस्ला क्षमता की एमआरआई मशीन प्रदान करने हेतु एक कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

मोम्बासा में 'त्रिकंद' पर आयोजित कार्यक्रम में उप-नौसेनाध्यक्ष कृष्णा स्वामीनाथन ने केन्या नौसेना के कमांडर मेजर जनरल पॉल ओटिएनो को 100 इंसास राइफल और 50,000 गोलियां सौंपीं। यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और विश्वास को और मजबूत करता है। मोम्बासा से प्रस्थान के साथ ही युद्धपोत 'त्रिकंद' केन्या नौसेना के जहाजों के साथ समुद्री में महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास करेगा।

'हिजबुल्ला के खिलाफ ...

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस्राइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले का समर्थन करता है, जिसमें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को दो हफ्ते के लिए स्थगित किया गया है। यह निर्णय इस शर्त पर आधारित है कि ईरान तत्काल होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दे और अमेरिका, इस्राइल व क्षेत्रीय देशों पर सभी हमले बंद करे।

इस्राइल ने यह भी दोहराया कि लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ उसके ऑपरेशन जारी रहेंगे। सेना दक्षिणी लेबनान में जमीनी कार्रवाई और अन्य इलाकों में हवाई हमले कर रही है, जिसका उद्देश्य हिजबुल्ला की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है, ताकि उत्तरी इस्राइल पर हमलों को रोका जा सके।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को फिलहाल टालने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दो हफ्तों के लिए बमबारी और हमले रोकने को तैयार है, बशर्ते ईरान सुरक्षित और तत्काल रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने पर सहमत हो। तेहरान में ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भी इस अस्थायी युद्धविराम को स्वीकार कर लिया है। ईरान ने संकेत दिया है कि अगर उस पर हमले बंद रहते हैं, तो उसकी सैन्य कार्रवाई भी रुकेगी। साथ ही, ईरान ने अगले दो हफ्तों के दौरान अमेरिका के साथ वार्ता के लिए सहमति जताई है।

'रॉकेट लॉन्चिंग खत्म ...

उन्होंने इसमें शामिल जोखिमों पर जोर देते हुए कहा कि कोई भी गलत कमांड आप जानते हैं कि इसका नतीजा क्या होगा।

चंद्रयान-3 के संबंध में नारायणन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट एक स्वायत्त लैंडिंग अनुक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने का श्रेय मिशन संचालन टीमों को दिया। उन्होंने सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-L1 मिशन के साथ, भारत के उन चुनिंदा देशों के विशिष्ट समूह में शामिल होने का भी उल्लेख किया।

इसरो चेयरमैन ने इस बात पर जोर दिया कि मिशन के ऑपरेशन सिर्फ एक टीम तक ही सीमित नहीं होते, बल्कि इनमें डिजाइनर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और सिस्टम स्पेशलिस्ट मिलकर काम करते हैं। उन्होंने उनकी भूमिका को 'बहुत अहम' बताया और कहा कि अक्सर इसे उतनी पहचान नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। भविष्य की बात करते हुए नारायणन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्लाउड-आधारित ग्राउंड सिस्टम जैसी टेक्नोलॉजी बहुत जरूरी हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि जो चीजें 10 से 15 साल पहले बहुत एडवांस मानी जाती थीं, वे अब आज के समय की जरूरत बन गई हैं।

जयपुर मेट्रो फेज ...

यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी।

खाद सब्सिडी (खरीफ 2026)

सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं। इसका मकसद किसानों को सस्ती कीमत पर खाद उपलब्ध कराना है, ताकि खेती की लागत कम हो सके। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस योजना के तहत कंपनियों को सब्सिडी दी जाएगी, जिससे किसान को सीधे सस्ता खाद मिलेगा। सरकार का दावा है कि इससे खेती को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादन में सुधार होगा।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश के सबसे बड़े ऊर्जा परियोजना में से एक है। इसकी लागत बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपये कर दी गई है। यह परियोजना राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रहा है और इसमें पेट्रोल, डीजल के साथ कई पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे। इस रिफाइनरी से देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इसके साथ ही करीब 25 हजार लोगों को रोजगार मिला है और आगे भी रोजगार के मौके बनेंगे। यह परियोजना 2026 में शुरू होने की उम्मीद है और इससे औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

टीएमसी का आरोप ...

हम 4 लोग प्रतिनिधिमंडल के रूप में गए। ममता बनर्जी ने नौ पत्र लिखे। एक का भी जवाब नहीं मिला। हमने कहा कि अगर मोदी जी या शाह जी ने पत्र लिखा होता, तो आप जरूर जवाब देते। दूसरी बात- हमने पूरी तरह तथ्य और तस्वीरों के साथ अपना मामला रखा। हमने 5-6 उदाहरण दिए कि भाजपा के लोग कहां तैनात हैं। फिर हमने कहा, इनका भी तबादला करो। तभी उन्होंने कहा-गेट लास्ट। अगर मैं झूठ बोल रहा हूं, तो ऑडियो या वीडियो जारी करें। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने डेरेक ओ'ब्रायन से बैठक में शालीनता बनाए रखने को कहा था। लेकिन डेरेक आयोग के परिसर में चिल्लाने लगे और अनुचित व्यवहार करने लगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जिन्होंने जीते 14 खिताब, पॉइंट्स टेबल में वो सबसे नीचे

टॉप-5 में एक-एक बार के चैंपियन

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की जीत के बाद आईपीएल के 19वें सीजन का पॉइंट्स टेबल कमाल का हो गया है. यहां जिनकी झोली में सबसे ज्यादा खिताब हैं, वही टीमें सबसे नीचे हैं. वहीं जिन टीमों ने सिर्फ एक-एक बार ही ये जाना है कि चैंपियन बनना क्या होता है, वो टॉप-5 में शामिल हैं. सीधी भाषा में कहें तो प्ले ऑफ की रेस में फिलहाल आगे हैं. 7 अप्रैल को गुवाहाटी में खेले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 11-11 ओवर के थ्रिलर में 27 रन से हराया.

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान	3	3	0	0	+2.403	6
2	पंजाब	3	2	0	1	+0.637	5
3	आरसीबी	2	2	0	0	+2.501	4
4	दिल्ली	2	2	0	0	+1.170	4
5	हैदराबाद	3	1	2	0	+0.275	2
6	लखनऊ	2	1	1	0	-0.542	2
7	मुंबई	3	1	2	0	-0.715	2
8	कोलकाता	3	0	2	1	-1.964	1
9	गुजरात	2	0	2	0	- 0.424	0
10	चेन्नई	3	0	3	0	-2.517	0

इन टीमों ने मिलकर जीते 14 खिताब

अब सवाल है कि वो टीमें कौन सी हैं, जिनके खाते में कुल मिलाकर 14 खिताब दर्ज हैं? उनमें एक राजस्थान रॉयल्स से हारने वाली मुंबई इंडियंस है, जिसके पास 14 में से 5 आईपीएल खिताब अकेले है. मुंबई इंडियंस की ही तरह चेन्नई सुपर किंग्स के पास भी 5 खिताब है. वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के पास आईपीएल की 3 ट्रॉफी है जबकि गुजरात टाइटंस ने एक बार खिताब जीता है.

जिन्होंने मिलकर जीते 14 खिताब, वो सबसे नीचे

आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में 7 अप्रैल को हुए मुकाबले के बाद मुंबई इंडियंस अब तक खेले 3 मैचों में 1 जीत और 2 हार के साथ 2 अंक लेकर छठे स्थान पर है. उसका रन रेट -0.715 का है. वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स 8वें नंबर पर है. इस टीम का 1 मुकाबला बारिश में धुला जबकि बाकी 2 में हार का सामना करना पड़ा. इसका रन रेट -1.964 का है. गुजरात टाइटंस अब तक खेले दोनों मैच हारकर 9वें नंबर पर है. इसका रन रेट -0.424 का है. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स अपने तीनों मैच हारने के बाद सबसे आखिरी पायदान यानी 10वें स्थान पर है. उसका रन रेट -2.517 है.

एक बार की आईपीएल चैंपियन आरआर बनी टेबल टॉपर

पॉइंट्स टेबल की टॉपर टीम राजस्थान रॉयल्स है, जिसने मुंबई इंडियंस को हराने के बाद ये कामयाबी हासिल की है. उसके 3 मैचों में 3 जीत के साथ 6 अंक हैं और रन रेट 2.403 का है. इस टीम ने एक बार आईपीएल का खिताब जीता है. पंजाब किंग्स पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है, जिसके 3 मैचों के बाद 5 अंक है. पंजाब का रन रेट 0.637 का है.

टॉप-5 में एक-एक बार के ये चैंपियन भी

आईपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी ने अपने दोनों मुकाबले जीते हैं और 2.501 की रन रेट के साथ ये टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है. जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने भी दोनों मुकाबले जीते हैं मगर रन रेट में आरसीबी से पीछे होने के चलते ये टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है. इसका रन रेट 1.170 का है. आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल की टॉप -5 टीमों में 5वें नंबर पर साल 2016 की चैंपियन टीम सनराइजर्स हैदराबाद है. इस टीम ने अब तक खेले 3 मैचों में एक जीत दर्ज की है और इसका रन रेट 0.275 का है.

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

आयुष शेट्टी का धमाका

वर्ल्ड नंबर-सात फेंग को सीधे गेम में चटाई धूल

निंगबो, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने चीन के वर्ल्ड नंबर-सात ली शी फेंग को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की। निंगबो में खेले गए इस मुकाबले में आयुष ने सीधे गेम में 21-13, 21-16 से जीत दर्ज की। 51 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह हावी नजर आए।

यह आयुष और ली शी फेंग के बीच पहला मुकाबला था, लेकिन अनुभव की कमी के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने कोई दबाव नहीं दिखाया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियन फेंग के खिलाफ इस जीत ने आयुष को एक बड़े स्टार के रूप में उभारा है। इस जीत के बाद आयुष शेट्टी अब अगले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन से भिड़ेंगे। यह मुकाबला उनके लिए क्वार्टरफाइनल का टिकट तय करेगा।

यह पहली बार नहीं है जब आयुष ने किसी बड़े खिलाड़ी को हराया हो। इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन में वर्ल्ड नंबर-छह चोउ तिएन-चेन को हराकर सभी को चौंका दिया था और बाद में खिताब भी अपने नाम किया था। भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्तो ने भी शानदार शुरुआत की। उन्होंने थाईलैंड की जोड़ी को 21-14, 11-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

हालांकि, सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा नहीं रहा। अशित सूर्या और अमृता प्रमुथेश को हार का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी की जोड़ी भी बाहर हो गई।

अब सभी की नजरें भारत के स्टार खिलाड़ियों पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन पर टिकी हैं, जो अपने अभियान की शुरुआत करने वाले हैं। सिंधू का मुकाबला मलयेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन भी अपने पहले मैच में उतरेंगे। आयुष शेट्टी की यह जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए एक बड़ा संकेत है कि नई पीढ़ी अब बड़े मंच पर खुद को साबित करने लगी है। अगर यह लय जारी रही, तो भारत इस टूर्नामेंट में कई और बड़े उलटफेर कर सकता है।

वैभव सूर्यवंशी, बिहारी हैं, संस्कारी हैं, क्रिकेट में चमत्कारी हैं

गुवाहाटी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। 'हां हम बिहारी हैं जी, थोड़े संस्कारी हैं जी. माटी को सोना कर दे, वैसी कलाकारी हैं जी...' मनोज तिवारी का ये गाना भले ही वैभव सूर्यवंशी पर ना फिल्माया गया हो मगर उसकी लाइनें 15 साल के युवा बल्लेबाज पर पूरी तरह से फिट बैठती हैं. IPL में दुनिया भर के खिलाड़ियों के बीच वैभव सूर्यवंशी ने जो अपनी हुकूमत जमाई है, उसने बिहार को नई पहचान दिलाई है. एक बिहारी सब पर भारी, ये बात सही मायनों में वैभव ने जमाने भर को बतलाई है. आसान नहीं होता 14-15 साल की उम्र में वर्ल्ड क्रिकेट के बड़े नामों के बीच अपने बल्ले की गूंज को सुनाना. मगर वैभव ने ऐसा करने के साथ-साथ आईपीएल के जरिए अपने संस्कारों का नमूना भी पेश किया. उन्होंने वो करामात किए, जिसे दुनिया ने क्रिकेट में चमत्कार समझा.

बिहार की पहचान वैभव सूर्यवंशी

बिहार में क्रिकेट की बदहाली किसी से छिपी नहीं है. ऐसे में आसान नहीं था वैभव के लिए अपने पांव वहां से बाहर निकालना. लेकिन, वो कहते हैं ना कि काबिलियत को बस एक मौका चाहिए होता है. वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के ट्रायल को पास कर उस मौके को दोनों हाथों से लपका. आईपीएल 2025 वो मंच बन गया, जहां से वैभव सूर्यवंशी को नाम और पहचान मिली. वैभव सूर्यवंशी ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा. वो IPL 2026 के दौरान भी अपनी कामयाबियों के नए-नए किस्से लिख रहे हैं. वो अपनी कही बातों को सच कर रहे हैं.

आईपीएल 2026 से पहले हुए नमन अवॉर्ड में वैभव सूर्यवंशी ने कहा था कि पहला गेंद मिला तो वो वही उड़ा देंगे. आईपीएल 2026 में वो वैसा ही करते दिख रहे हैं. लेकिन, मजा तब आया जब उन्होंने बुमराह की पहली गेंद को भी उड़ा दिया. बुमराह के खिलाफ पहली गेंद पर छक्का लगाकर 15 साल के वैभव ने वर्ल्ड क्रिकेट के लिए बड़ा संदेश छोड़ा तो बिहार को गौरवान्वित महसूस कराया. आमतौर पर बिहार की चर्चा दूसरी वजहों को लेकर होती थी लेकिन अब ऐसा होने की वजह वैभव सूर्यवंशी बन गए हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने संस्कारों से भी खूब

जीता दिल

बिहार जहां गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ वो सदियों से संस्कारों की जमीन भी रहा है. आईपीएल के दौरान वैभव सूर्यवंशी के खेल में जितना अनुशासन दिखा है, उतना ही उनके संस्कार भी चर्चा में रहे हैं. फिर चाहे वो पिछले सीजन धोनी के पांव छूने वाली घटना रही हो या फिर IPL 2026 में गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा को झुक कर प्रणाम करना. संस्कार से भरी अपनी हरेक तस्वीर से वैभव सूर्यवंशी ने ना सिर्फ बिहार की छाप छोड़ी है बल्कि लोगों का दिल भी जीता है.

मैदान के बाहर संस्कारी मगर मैदान के अंदर...

हालांकि, आदर भाव वाले ये संस्कार क्रिकेट का मुकाबला शुरू होते ही वैभव सूर्यवंशी की डिक्शनरी में फिर नहीं दिखते. अपने से उम्र में बड़े जिन खिलाड़ियों और गेंदबाजों को वो फील्ड के बाहर पूरा सम्मान देते दिखते हैं, मैच में उनके खिलाफ उतरते ही पूरी तरह से तबाही मचा देते हैं. ठीक वैसे ही जैसा मुंबई इंडियंस के खिलाफ जसप्रीत बुमराह का किया और जिसे देखने के बाद श्रीलंकाई दिग्गज एंजलो मैथ्यूज ने कहा कि ऐसे खेलता है जैसे इसके अंदर गेंदबाजों के लिए को आदर-सम्मान नहीं है. उन्होंने वैभव को अद्भुत टैलेंट माना.

क्रिकेट में 'चमत्कारी' वैभव सूर्यवंशी

प्रदेश से बिहारी, मिजाज से संस्कारी वैभव सूर्यवंशी का एक तीसरा रुप भी है, जिसे दुनिया चमत्कारी कहती है. ये चमत्कारी रूप उनका क्रिकेट के मैदान पर दिखता है. जहां तक लोग सोच नहीं पाते वैभव उससे पार निकल जाते हैं. आईपीएल में बड़े-बड़े रिकॉर्ड रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी ऐसे तोड़ रहे हैं, जैसे उनके लिए वो फूंक मार देने भर का काम है. फिर चाहे वो पिछले सीजन सबसे तेज शतक जड़ने वाले भारतीय बनने का रिकॉर्ड रहा हो या फिर बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ उनकी पहली गेंद को ठिकाने लगाने वाला कारनामा करना. 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी का वैसा करना चमत्कारी ही लगता है.

वैभव के कोच का दावा- इस सीजन तोड़ेंगे गेल का रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी अपने सामने खड़े हर बैरियर तोड़ रहे हैं. हर सस्पेंस को खत्म कर रहे हैं. आईपीएल के लिए उन्होंने अपना एक लक्ष्य भी सोचा है और वो है क्रिस गेल के 175 रनों वाला रिकॉर्ड तोड़ना. वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा ने दावा किया है कि वो इसी सीजन उस रिकॉर्ड को तोड़ेंगे.

वैभव सूर्यवंशी का इंडिया खेलना क्यों होगा खास?

एक के बाद एक सफलताओं की कहानी गढ़ते हुए जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी ने बहुत कम समय में वैभव ने टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दी है, उसने बिहार क्रिकेट को गौरवान्वित किया. ऐसा नहीं है कि टीम इंडिया की जर्सी पहनने वाले क्रिकेटर बिहार से पहले नहीं निकले. मगर उन्होंने वहां तक का सफर दूसरे स्टेट से खेलकर पूरा किया. वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया की जर्सी पहनते हैं तो पहली बार ऐसा होगा, जब बिहार में खेला, बिहार से निकला एक लड़का, वर्ल्ड क्रिकेट के सीने पर अपनी धाक जमाता दिखेगा.

दीपिका की वापसी, सविता संभालेंगी गोलपोस्ट

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा हो गई है। सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अर्जेंटीना दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, वर्ल्ड कप 2026 और एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारियों को परखने और संयोजन मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

इसी अहम पड़ाव से पहले भारतीय टीम में फॉरवर्ड दीपिका की वापसी ने अटैक को नई धार दी है। अनुभवी गोलकीपर सविता फिर गोलपोस्ट की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाला हॉकी विश्व कप और एशियाई खेल नजदीक ही हैं।

मुमताज खान की भी वापसी

हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए जो 24 सदस्यीय टीम चुनी है वह अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती हुई नई प्रतिभाओं का मेल है। भारतीय मिडफील्ड को स्थिरता, सूझबूझ और नई ऊर्जा प्रदान करने वालीं सलीमा टेटे कप्तानी जारी रखेंगी। डिफेंडर ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान की भी वापसी हुई है। इससे टीम का डिफेंस और अटैक दोनों मजबूत हुआ है।

टीम में शायद जिसका सबसे ज्यादा इंतजार था वह फॉरवर्ड दीपिका कुमारी हैं। दीपिका ने चोट से उबरने के बाद वापसी की है। दीपिका भारत की मुख्य ड्रैग-फ्लिकर की भूमिका फिर से संभालेंगी। दीपिका की गैरमौजूदगी में नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अन्नू जैसी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

भारतीय टीम अब और भी ज्यादा संतुलित

खासतौर पर अन्नू ने क्वालिफायर मैचों के दौरान जोरदार ड्रैग-फ्लिक करने की अपनी क्षमता से सभी को प्रभावित किया। दीपिका की वापसी से टीम को और गहराई और अनुभव मिला है। इससे अब यह टीम और भी ज्यादा संतुलित और विपक्षी टीमों के लिए खतरनाक नजर आ रही है। भारत की अनुभवी गोलकीपर और भारतीय हॉकी की सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक सविता की भी टीम में वापसी हुई है। सविता क्वालिफायर के लिए उपलब्ध नहीं थीं। उनकी गैरमौजूदगी में बिचू देवी ने साबित किया कि वह इस स्तर पर खेलने की पूरी हकदार हैं।

इस युवा गोलकीपर ने अपनी उम्र से कहीं ज्यादा परिपक्वता, फुर्ती और धैर्य का प्रदर्शन किया। सविता के साथ टीम में उनका लगातार बने रहना गोलकीपिंग की जगह के लिए एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है और कोचिंग स्टाफ को मजबूत बेंच-स्ट्रेंथ देता है।

13 से 17 अप्रैल तक 4 मैच खेलेगी भारतीय टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम 13, 14, 16 और 17 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच खेलेगी। सभी मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे) से खेले जाएंगे।

अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपरः सविता, बिच्छू देवी खारिबाम।

डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, ललथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता।

मिडफील्डरः वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग, ऋतुजा दादासो पिसल, इशिका।

फारवर्डः बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेम्सियामी, मुमताज खान।

टूटी हॉकी स्टिक से शुरुआत कर भारतीय सीनियर हॉकी टीम में जगह पक्की करने वाली 18 साल की सुनेलिता टोप्पो की अनकही कहानी। क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी की तरह सुनेलिता भारतीय हॉकी की नई 'वंडर किड' बनकर उभरी हैं। पढ़ें कैसे उन्होंने अभावों और समाज के तानों को मात देकर यह मुकाम हासिल किया। उनका सफर युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम हटाए गए

ढाका, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप विवाद के बाद बांग्लादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को हटा दिया। बोर्ड के 6 अन्य डायरेक्टर्स ने भी इस्तीफा दे दिया। बोर्ड के कामकाज के लिए एड-हॉक कमेटी बनाई गई, जिसकी कमान पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सौंपी गई। यह कमेटी 90 दिनों में चुनाव कराएगी। एनएससी ने मंगलवार को बीसीबी बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। इसके बाद नई एड-हॉक कमेटी गठित की गई, जिसका उद्देश्य रोजमर्रा का कामकाज संभालना और तय समय में चुनाव कराना है। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाने के विरोध में भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया था। खेल मंत्रालय ने इसकी जांच कराई थी।

डोप में फंसा चैंपियन लिफ्टर: सीडब्ल्यूजी में स्वर्ण के दावेदार साईराज मिले पॉजिटिव

चार महीने पहले की थी कोच की शिकायत

अहमदाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद में बीते वर्ष राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कई रिकॉर्ड के साथ महाराष्ट्र के साईराज परदेसी ने स्वर्ण जीता तो खेल मंत्रालय से लेकर भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। साईराज का प्रदर्शन ही ऐसा था। उन्होंने 88 किलो भार वर्ग में कुल 348 किलो वजन उठाया था। देश में इस भार में इससे अच्छा प्रदर्शन कभी नहीं हुआ था वह इस वर्ष ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण का दावेदार बन गए थे, लेकिन यह प्रदर्शन साईराज के लिए मुसीबत बन गया।

खेल मंत्रालय और साई को की शिकायत के मुताबिक साईराज को पता लगा कि उन्हें डोप में फंसाने की साजिश रची जा रही है। आरोप के मुताबिक, इस साजिश के पीछे कोई और नहीं बल्कि कैंप में शामिल कोच थीं। साईराज ने इसके बाद मंत्रालय, साई, वेटलिफ्टिंग महासंघ को कोच के खिलाफ डोप में फंसाए जाने की शिकायत की। आननफानन महासंघ ने जांच बिठा दी। शिकायत किए हुए लगभग चार माह हुए थे। जांच पूरी भी नहीं हुई थी कि साईराज नाडा के आउट ऑफ कंपटीशन टेस्ट में डोप में फंस गए। उनके सैंपल में स्टेरायड मेस्टोनेलॉन पाया गया है।

साईराज पर अस्थायी प्रतिबंध लग गया है। नाडा के हियरिंग पैनल के समक्ष वह अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाए तो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाएंगे।

सीएसके का धमाकेदार कमबैक तय!

मैदान पर उतरेंगे एमएस धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस

चेन्नई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है. उन्हें अपने तीनों शुरुआती मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. अब सीएसके का कमबैक लगभग तय नजर आ रहा है, क्योंकि एमएस धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस वापसी के करीब हैं. धोनी और ब्रेविस की वापसी से सीएसके के मध्य और निचले मध्य क्रम को मजबूती मिलेगी, जिससे बल्लेबाजी की समस्या दूर हो सकती है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2026 अब तक किसी बुरे सपने की तरह साबित हुआ है. उन्हें अपने तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. साफ तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स को एमएस धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस की कमी खल रही है. अब इन दोनों खिलाड़ियों की वापसी लगभग तय नजर आ रही है. दोनों ने अभ्यास शुरू कर दिया है और रिपोर्ट्स की मानें, तो अगले मैच में उनकी वापसी संभव है.

एमएस धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस की चोट के कारण सीएसके की समस्याएं बढ़ी हैं. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक धोनी का कुछ दिनों में फिटनेस टेस्ट होना है और अगर वो इसे पास कर लेते हैं, तो वो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलते हुए नजर आएंगे. धोनी ने वापसी की तैयारी शुरू कर दी है और वो मैदान पर समय भी बिता रहे हैं. डेवाल्ड ब्रेविस को लेकर भी अच्छी खबर सामने आ रही है. वो भी तैयारी कर रहे हैं और रिपोर्ट में बताया गया है कि वो भी अगले मैच के लिए फिट हो जाएंगे. सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा था कि अगले मैच के लिए ब्रेविस उपलब्ध रहेंगे. अगर वो भी फिटनेस टेस्ट पास कर लेते हैं, तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान पर उतर सकते हैं. ब्रेविस और धोनी मिडल और लोअर मिडल ऑर्डर को मजबूती प्रदान करेंगे. एमएस धोनी और डेवाल्ड ब्रेविस सीएसके की टीम का अहम हिस्सा हैं. उनकी गैरमौजूदगी में चेन्नई सुपर किंग्स का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह फ्लॉप रहा है. अब अगर दोनों दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 11 अप्रैल को होने वाले मैच में खेलते हैं, तो बल्लेबाजी की समस्या जरूर दूर हो जाएगी. ऐसे में सीएसके का धमाकेदार कमबैक लगभग तय है. इसके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन को भी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी.

सीएसके अकील हुसैन को नहीं दे रही मौका

आईपीएल 2026 के बीच पीएसएल पर नजर

इस्लामाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का रोमांच जारी है. लेकिन, इसी रोमांच के बीच बात उस खिलाड़ी की जिसकी नजरें पीएसएल यानी पाकिस्तान सुपर लीग पर टिकी हैं. हम बात कर रहे हैं अकील हुसैन की, जो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में बिकने के बाद इस बार पीएसएल से दूर हैं. मगर आईपीएल के लिए भारत में रहकर भी उनकी नजरें पीएसएल से हटी नहीं हैं. पाकिस्तान सुपर लीग के मुकाबलों पर उनकी निगाहें लगातार जमीं है और इसका पता तब चला जब उन्होंने पीएसएल को लेकर इंस्टा स्टोरी शेयर कीं.

आईपीएल 2026 के लिए अकील हुसैन को सीएसके ने खरीदा तो मगर अब तक एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं दिया. सीएसके ने अब तक 3 मुकाबले खेले हैं और तीनों हारे हैं. इन शुरुआती तीनो मैचों से अकील हुसैन बाहर रहे हैं. अगले मैच में उनके खेलने पर विचार जारी है. अगर ऐसा हुआ तो वो सीएसके से आईपीएल डेब्यू कर सकते हैं. लेकिन, उससे पहले उनके पीएसएल से जुड़ी इंस्टा स्टोरी जोरदार ढंग से वायरल हो रही है.

अकील हुसैन ने मुल्तान सुल्तांस और रावलपिंडीज के बीच खेले मुकाबले का लुत्फ उठाया. उन्होंने 6 अप्रैल को खेले उस मुकाबले की तस्वीरें अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर कीं. उन्होंने रावलपिंडीज के बल्लेबाज डायन फोरेस्टर की बल्लेबाजी की तारीफ की, जिन्होंने मैच में 3 छक्के लगाए अकील हुसैन भी आईपीएल 2026 से पहले पीएसएल से जुड़े रहे हैं. उन्होंने 2022-23 में पीएसएल डेब्यू किया था. अपना पहला सीजन उन्होंने मुल्तान सुल्तांस टीम से खेला था.

पाकिस्तानी खिलाड़ी के सिर पर लगी गेंद, बीच मैदान पर हुआ बेहोश

इस्लामाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मीर हमजा सज्जाद प्रैक्टिस सेशन के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए. पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेल रहा ये खिलाड़ी प्रैक्टिस में व्यस्त था, तभी उनकी टीम के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शॉट खेला और गेंद हमजा के सिर पर जा लगी. हमजा के सिर पर गेंद लगते ही वो बेहोश हो गए. जिसके बाद टीम के नेट सेशन में दहशत का माहौल छा गया. हमजा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और गनीमत की बात ये है कि ये खिलाड़ी खतरे से बाहर है.

मीर हमजा सज्जाद खतरे से बाहर

जिओ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अब मीर हमजा सज्जाद होश में हैं और उनकी हालत स्थिर है. एहतियात के तौर पर, किसी भी चोट की जांच के लिए हमजा का सीटी स्कैन किया जाएगा. हमजा की चोट पर टीम ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है.

मीर हमजा सज्जाद का करियर

मीर हमजा सज्जाद को इस सीजन में कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला है. हालांकि सज्जाद ने 6 टी20 मैच खेले हैं और उन्होंने 8 विकेट झटके हैं. 8 फर्स्ट क्लास मैचों में उन्होंने 25 विकेट लिए हैं. दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को पीएसएल की नीलामी में इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 70 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था.

आंध्र प्रदेश में कर्ज आंकड़ों पर विवाद

विपक्ष ने सरकार को घेरा, राज्यपाल को लिखा पत्र; दखल की मांग की

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश विधान परिषद में विपक्ष के नेता बोत्चा सत्यनारायण ने राज्यपाल एस अब्दुल नजीर को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राज्य सरकार पर साल 2024-25 और 2025-26 के कर्ज से जुड़ी जानकारी छिपाने और गलत आंकड़े पेश करने का गंभीर आरोप लगाया है।

वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि फरवरी 2026 के सत्र के दौरान वित्त सचिव ने जो जवाब दिया था, उसमें कई जरूरी जानकारियां छोड़ दी गईं। सरकार ने साल 2024-25 के लिए कुल कर्ज 60,485 करोड़ रुपये बताया है। इसके उलट, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के ऑडिट किए गए आंकड़ों के अनुसार यह कर्ज लगभग 81,082 करोड़ रुपये है। इस तरह सरकारी आंकड़ों और कैग की रिपोर्ट में 20,500 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर है।

सत्यनारायण ने इस अंतर की वजह भी समझाई। उन्होंने कहा कि आरबीआई से लिए गए वेज एंड मीन्स एडवांस, पब्लिक अकाउंट की देनदारियां और जीएसटी मुआवजे से जुड़े कर्ज के तालमेल को सही तरीके से नहीं दिखाया गया। उन्होंने तर्क दिया कि जब राजकोषीय घाटा ही 81,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है, तो कर्ज के कम आंकड़े दिखाना राज्य की आर्थिक स्थिति के बारे में गलत तस्वीर पेश करता है। इससे

बोत्चा सत्यनारायण

जनता का भरोसा टूटता है।

विपक्षी नेता ने सरकार के उस दावे को भी गलत बताया जिसमें कहा गया था कि 2025-26 में बजट के बाहर से कोई कर्ज नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी गारंटी पर कई निगमों ने कर्ज लिया है, जिसे सरकार ने आंकड़ों में शामिल नहीं किया। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 से 2024 तक के आंकड़ों में तो पब्लिक डेट को शामिल किया गया, लेकिन 2024-25 और 2025-26 के लिए इसे हटा दिया गया, जो चिंता का विषय है। उन्होंने राज्यपाल से इस मामले में तुरंत दखल देने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि सरकार अपना पुराना जवाब वापस ले और कैग के आंकड़ों के हिसाब से सही जानकारी सदन में रखे। साथ ही उन्होंने इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की है।

कॉर्पोरेट घोटाले में मामला दर्ज

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स क्षेत्र में एक बड़े कॉर्पोरेट घोटाले का मामला सामने आया है, जिसमें सिम्फनी आईटी डिस्ट्रीब्यूशन के खिलाफ एक ग्राहक से करीब 2.92 लाख अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। शिकायत के अनुसार, कंपनी से जुड़े एक प्रमुख फिल्म निर्माता के परिवार के सदस्यों पर धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने व्यापारिक लेन-देन के नाम पर पैसे तो ले लिए, लेकिन वादा की गई सेवाएं या सामान उपलब्ध नहीं कराया। शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी वित्तीय रिकॉर्ड, बैंक खातों और संभावित अंतरराष्ट्रीय लेनदेन की जांच कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार मामले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

सोना-चांदी और लाखों की नकदी जब्त

असिस्टेंट कमिश्नर कलिंगिरी शांति हुईं गिरफ्तार

विशाखापत्तनम, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एंडोमेंट्स विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर कलिंगिरी शांति को 'आय से अधिक संपत्ति' के मामले में गिरफ्तार किया है। एसीबी ने मंगलवार को कलिंगिरी शांति की संपत्तियों पर छापा मारा था। छापे के बात छानबीन पर पाया गया कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति जमा कर ली है।

इसके बाद एसीबी की कई टीमों ने ताडेपल्ली और उंडावल्ली (उनके आवास) के साथ-साथ विशाखापत्तनम में भी अलग-अलग जगहों पर छापे मारे। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए।

एसीबी की टीम ने विजाग में एक आवासीय फ्लैट, कुचनपल्ली में एक जी+2 इमारत, लगभग 770 ग्राम सोने के गहने, लगभग 3 किलोग्राम चांदी के बर्तन, 1.15 लाख रुपये नकद, बैंक खातों में लगभग 3 लाख रुपये, एक कार, एक मोटरसाइकिल और कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसी संपत्तियों का पता लगाया।

जांच अधिकारियों ने असिस्टेंट कमिश्नर के खिलाफ 'आय से अधिक संपत्ति' का मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि आगे की तलाशी और संपत्तियों का मूल्यांकन अभी भी जारी है। शांति को उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए हिरासत में लिया गया है। उन्हें विजयवाड़ा में एसीबी मामलों की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बता दें कि विजयवाड़ा रेंज के एसीबी अधिकारियों ने 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988' (2018 में संशोधित) के तहत एक मामला दर्ज किया है। जांच शुरू कर दी गई है। शांति को 2020 में एपीपीएससी के माध्यम से एंडोमेंट्स विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने विशाखापत्तनम एवं विजयवाड़ा में अपनी सेवाएं दीं। आरोपी अधिकारी जुलाई 2024 से मार्च 2026 तक निलंबित थीं।

कीटनाशक पीकर युवक ने दी जान

मंचेरियल, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुंदरशाला गांव के एक 28 वर्षीय युवक ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बोम्मा हरिकृष्णा के रूप में हुई है, जिसने मंगलवार को कीटनाशक पी लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत मंचेरियल कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि युवक घर से हैदराबाद जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन मंचेरियल में रुक गया और वहीं यह कदम उठा लिया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक के पिता राम रेड्डी का कुछ समय पहले निधन हो चुका है। मामले की जांच जारी है।

कोरोनरी स्टेंट की कीमतें तय, मरीजों को राहत

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरणों को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) ने देश में कोरोनरी स्टेंट की अधिकतम कीमत तय कर दी है। नए आदेश के अनुसार, बेयर मेटल स्टेंट (बीएमएस) की अधिकतम कीमत 10,762.15 रुपये और ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट (डीईएस) की कीमत 39,186.03 रुपये निर्धारित की गई है। एनपीपीए ने अस्पतालों और विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे नई मूल्य सूची को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करें और मरीजों को पारदर्शी बिलिंग दें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित सीमा से अधिक वसूली करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर प्रक्रिया पहले भी कई बार हो चुकी है : राव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने महिला आरक्षण और राष्ट्रीय मुद्दों पर रखे विचार

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर में आयोजित एक आत्मीय मिलन कार्यक्रम में एन. रामचंदर राव ने विभिन्न राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस कानून के तहत विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को 33% आरक्षण मिलेगा, जो 2029 के चुनावों से लागू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि देश में जल्द ही डीलिमिटेशन प्रक्रिया शुरू होगी और वर्तमान में चल रही एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) पूरी तरह से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे भारतीय निर्वाचन आयोग लागू कर रहा है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करना है। रामचंदर राव ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पहले भी 1956, 1965, 1970, 1980, 1990 और 2002 में की जा चुकी है। लंबे समय से बड़े स्तर पर यह प्रक्रिया नहीं होने के कारण मतदाता सूची में कई त्रुटियाँ आ गई हैं, जैसे लोगों का स्थान परिवर्तन, मृत्यु या अन्य कारण। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने विवरण को सही करने के लिए फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का केवल एक ही स्थान पर वोट होना चाहिए और डुप्लिकेट वोट हटाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि कम मतदान प्रतिशत का एक कारण यह है कि कई लोग मतदाता सूची में दर्ज होने के बावजूद उस क्षेत्र में नहीं रहते। वहीं, हैदराबाद के कुछ इलाकों में एक ही पते पर बड़ी संख्या में वोट दर्ज होने जैसे संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रित रखने में केंद्र सरकार सफल रही है।

युवाओं में बढ़ा अतिरिक्त आय का चलन

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदलती जीवनशैली, बढ़ती महंगाई और नौकरी की अनिश्चितता के बीच अब एक ही आय पर निर्भर रहना युवाओं के लिए मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में अधिकतर युवा अतिरिक्त आय के साधनों की ओर रुख कर रहे हैं।

किराया, ईएमआई और अन्य खर्चों में वृद्धि के कारण लोग आर्थिक सुरक्षा के लिए फ्रीलांसिंग, कंटेंट क्रिएशन, ट्यूशन और ऑनलाइन व्यवसाय जैसे विकल्प अपना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है, जहां लोग अपने साइड इनकम के अनुभव साझा करते हैं। हालांकि, पूर्णकालिक नौकरी के साथ अतिरिक्त काम करने से तनाव और समय की कमी जैसी चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। इसके बावजूद, आज के समय में कई लोगों के लिए अतिरिक्त आय अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बनती जा रही है।

पायलट प्रशिक्षु पर यौन उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट थाना क्षेत्र के एक विमानन प्रशिक्षण संस्थान में कार्यरत एक कर्मचारी पर महिला पायलट प्रशिक्षु के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मोहम्मद नसीमउद्दीन के रूप में हुई है, जो केरल का निवासी है और संस्थान में प्रशिक्षक के तौर पर कार्यरत है। पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया और जनवरी 2025 से उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी को हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

रिश्वत लेते दो पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शमशाबाद एयरपोर्ट आउटपोस्ट पुलिस स्टेशन में तैनात दो पुलिस अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पकड़े गए अधिकारियों में सर्किल इंस्पेक्टर कनकैय्या और सब-इंस्पेक्टर सिद्धेश्वर शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह मामला फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र रैकेट से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने आरोपी के परिवार को गिरफ्तारी की धमकी देकर 15 लाख रुपये की मांग की थी, जो बाद में 2 लाख रुपये में तय हुई। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और डीएसपी आनंद की निगरानी में दोनों को रिश्वत लेते समय पकड़ लिया। इसके बाद एसीबी टीम ने पुलिस स्टेशन में करीब पांच घंटे तक तलाशी अभियान भी चलाया। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी है और मामले की जांच जारी है।

रेवंत रेड्डी पर बीआरएस का हमला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर केरल के खिलाफ झूठा दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केरल के लोग जागरूक हैं और वे किसी भी तरह के प्रचार से गुमराह नहीं होंगे। श्रवण ने कहा कि केरल का विकास लंबे समय के जन प्रयासों का परिणाम है और इसे किसी राजनीतिक प्रचार से नहीं जोड़ा जा सकता। उन्होंने केरल को मानव विकास के क्षेत्र में देश के लिए एक आदर्श बताया। साथ ही उन्होंने रेवंत रेड्डी की तुलना के चंद्रशेखर राव और पिनारयी विजयन से करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपने अनुभव और दूरदृष्टि से स्थायी पहचान बनाई है।

वाराणसी-पटना के लिए विशेष ट्रेन नहीं, यात्री परेशान

सीट के लिए स्टेशन पर रात में ही डेरा डाल रहे हैं यात्री

यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी की तैनाती * अधिक जनरल कोच वाली विशेष ट्रेन चलाने की मांग

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूपी बिहार के लिए पर्याप्त संख्या में विशेष ट्रेन न चलने के कारण यात्री परेशान हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश सिक़ंदराबाद - दानापुर एक्सप्रेस जाने वाले रात में स्टेशन पर डेरा डाल दे रहे हैं। उनको ट्रेन में जनरल कोच में सीट न मिलने का भय सताता रहता है। जनरल डिब्बे में बैठने के लिए लंबी कतार लग रही है। सुरक्षा और शांति व्यवस्था की दृष्टिकोण से यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी और जवान तैनात किए गए हैं। उनकों यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। कभी -कभी हल्का बल भी प्रयोग करने की नौबत आ जाती है।

गर्मी का मौसम आते ही हर साल यूपी बिहार जाने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ जाती है। वाराणसी - पटना के लिए एकमात्र ट्रेन होने के कारण सीट मिलने की संभावना कम हो जाती है। कई सालों से नई ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय, उनके चुनाव क्षेत्र वाराणसी आफिस तक का चक्कर लगाने के बाद भी ट्रेन नहीं चल सकी।

गर्मी में शादी- विवाह और फसलों की कटाई का मौसम है। इसके साथ ही छात्रों की छुट्टियां भी हो गई है। सिकंदराबाद से यूपी

-बिहार के लिए केवल सीधी ट्रेन सिकंदराबाद -दानापुर एक्सप्रेस (12791) चल रही है। इसके अलावा यूपी की लखनऊ और बिहार दूसरे जगह जाने वाली कुछ ट्रेन है , लेकिन अधिकांश यात्री वाराणसी और पटना के लिए ही जाते है। तेलंगाना में लाखों की संख्या में रहने वाले बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के लोग आवागमन के लिए इसी ट्रेन से यात्रा करते हैं। साथ ही वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या तीर्थ स्थल होने के कारण भारी संख्या में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के श्रद्धालु भी गर्मी और छुट्टियों के दिनों में इसी ट्रेन को अपनी सफर का जरिया बनाते हैं। गर्मी के दिनों में बिहार और यूपी के लोगों को घर जाने के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन भारी भीड़ के सामने ट्रेनें नाकाफी साबित होती हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना , बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना आदि संस्थाएं और संगठन नई ट्रेनों को चलवाने की मांग कर रहे हैं।

टिकट न मिलने के कारण लोग बसों से यात्रा करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। लंबी दूरी की बस में यात्रा के दौरान कई बार दुर्घटना हुई है और कुछ लोगों की जान भी चली गई है। नई ट्रेन का संचालन उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए नया जीवन मिलने के समान होगा। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना इस मामले को लेकर कई सालों से प्रयासरत है।कई बार केन्द्रीय मंत्रियों, यूपी, बिहार के नेताओं व रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों ने ट्रेन चलाने का आश्वसन भी दिया था। चुनावों के दौरान नई ट्रेन चलाने का सपना भी दिखाया जाता है। रेलवे सूत्रों की मानें इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि यूपी बिहार जाने वाली ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट पर नजर बनी हुई है। स्थिति के अनुसार विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। चेरलापल्ली स्टेशन से अमृत भारत ट्रेन का बिहार के लिए संचालन हो रहा है, और कुछ जगहों के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा हुई है।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से यूपी और बिहार से सिकंदराबाद के लिए नई ट्रेन चलवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे को भी अधिक जनरल डिब्बों वाली विशेष ट्रेनों का संचालन करना चाहिए। गर्मी के दिनों में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

करंट लगने से युवक की मौत

मेदक, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर मंडल के अवंचा गांव में एक 29 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जयमपेट सुधाकर के रूप में हुई है।

बताया गया है कि वह अपने घर के परिसर में बोरवेल की मोटर चालू कर रहा था, तभी वह बिजली के जीवित तारों की चपेट में आ गया और उसे जोरदार झटका लगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुधाकर एक निजी उद्योग में कार्यरत थे और अपने पीछे पत्नी कल्पना व दो छोटी बेटियां छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नरसापुर के सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

मुख्यमंत्रियों के बयान पर सियासी विवाद

तिरुवनंतपुरम/कोट्टायम, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बीच बयानबाजी को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने विजयन के उन शब्दों की आलोचना की है, जिन्हें रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक बताया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री को आदर्श होना चाहिए और इस तरह की भाषा गलत उदाहरण पेश करती है।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब रेवंत रेड्डी ने एक चुनावी सभा में विजयन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका समय समाप्त हो गया है। इसके जवाब में विजयन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी और कथित तौर पर तीखी भाषा का प्रयोग किया। इस पर कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री से आत्ममंथन करने की बात कही और आरोप लगाया कि इस तरह की बयानबाजी से जनता में गलत संदेश जाता है। वहीं, विजयन ने अपने बचाव में कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को गलत जानकारी दी गई है और उन्होंने केरल का मजाक उड़ाया है। मामला राजनीतिक रूप से तूल पकड़ता जा रहा है।

पुलिस के सामने पत्नी की हत्या पर सवाल

संगारेड्डी, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ज़हीराबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर उस समय सवाल खड़े हो गए, जब एक महिला की उसके पति ने पुलिस की मौजूदगी में चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना उस समय हुई जब महिला को थाने लाया जा रहा था। आरोपी पति सिद्धा रेड्डी ने कार में ही अपनी पत्नी कविता के गले पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, कविता अपने एक परिचित के साथ घर छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद पति ने शिकायत दर्ज कराई थी। महिला को जडचेरला से वापस लाया जा रहा था, तभी रास्ते में यह वारदात हुई। बताया गया है कि पुलिस कांस्टेबल सामने की सीट पर बैठा था, जबकि आरोपी को महिला के साथ पीछे बैठने दिया गया, जिससे सुरक्षा में चूक सामने आई। घटना के बाद घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। इस मामले में पुलिस की लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं, हालांकि अभी तक संबंधित अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सिंचाई परियोजनाओं के संचालन पर उठे सवाल

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपसभापति टी हरीश राव ने तेलंगाना में कालेश्वरम और देवदुला लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के संचालन को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी को पत्र लिखकर कहा कि परियोजनाओं में लगे बड़े पंपों को बार-बार चालू और बंद किया जा रहा है, जो इंजीनियरिंग मानकों के खिलाफ है और इससे उपकरणों को नुकसान पहुंच सकता है। हरीश राव ने चेतावनी दी कि इस तरह के संचालन से कंपन, हाइड्रोलिक दबाव और अन्य तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे पंपों के महत्वपूर्ण हिस्सों को क्षति पहुंचने का खतरा है। उन्होंने इसे अव्यवस्थित प्रबंधन बताते हुए सरकार से तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि सिंचाई परियोजनाएं किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनके सही संचालन में लापरवाही से बड़े नुकसान की आशंका है।

किसानों की सभा की अनुमति रद्द होने से विवाद

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोल्लापल्ली गांव में 9 अप्रैल को प्रस्तावित किसानों की जनसभा की अनुमति रद्द किए जाने पर बीआरएसएलपी ने कांग्रेस सरकार पर असहमति दबाने का आरोप लगाया है। इस सभा में बीआरएसएलपी के उपनेता टी हरीश राव को किसानों को संबोधित करना था। पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने बयान जारी कर कहा कि सभी तैयारियां पूरी होने के बाद अचानक अनुमति रद्द कर दी गई।

यह सभा वानापर्थी जिले में प्रस्तावित गोल्लापल्ली जलाशय के विरोध में 100 दिनों से अधिक समय से प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन में आयोजित की जा रही थी। बीआरएस नेताओं का आरोप है कि सरकार आवश्यक सिंचाई परियोजनाओं की अनदेखी कर रही है और नए जलाशय को प्राथमिकता दे रही है। पार्टी ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश बताया है और इस मामले में उच्च न्यायालय का रुख करने की बात कही है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बकाया भुगतान शुरू

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लंबित बकाया का भुगतान शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई निर्धारित 9 अप्रैल की समय सीमा से करीब 48 घंटे पहले शुरू की गई। मंगलवार दोपहर से सैकड़ों कर्मचारियों को भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, कम्यूटेशन, अवकाश नकदीकरण, समूह बीमा और मेडिकल भुगतान मिलना शुरू हो गया है। हालांकि, मार्च 2024 से सेवानिवृत्त हुए 15 हजार से अधिक कर्मचारियों में से कितनों को भुगतान मिला है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। बताया गया है कि अदालत में लंबित अवमानना याचिकाओं के चलते वित्त सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने समय सीमा तक सभी बकाया चुकाने का आश्वासन दिया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ कर्मचारियों को भुगतान हो चुका है, जबकि कई के बकाया अभी भी बाकी हैं। उच्च न्यायालय ने पहले ही सरकार को तय समय में भुगतान करने का निर्देश दिया था और अनुपालन न होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। मामले की सुनवाई जारी है।

आईआईआईटी जंक्शन पर यातायात डायवर्जन लागू

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईआईटी जंक्शन पर चल रहे फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्यों के चलते 8 अप्रैल से यातायात में बदलाव लागू कर दिया गया है। साइबराबाद पुलिस के अनुसार, यह व्यवस्था लगभग एक वर्ष तक लागू रहेगी और सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक विशेष डायवर्जन लागू किए जाएंगे। गाचीबौली से लिंगमपल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को आईआईआईटी जंक्शन से विप्रो जंक्शन होते हुए वैकल्पिक मार्ग से भेजा जाएगा, जबकि फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले ट्रैफिक को भी अन्य मार्गों पर डायवर्ट किया गया है। इसके अलावा, लिंगमपल्ली से गाचीबौली और मेहदीपट्टनम की ओर जाने वाले वाहनों के लिए भी अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि निर्माण कार्य के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन सकती है। ऐसे में आम लोगों और आईटी कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.